सुविचार

यदि व्यक्ति अपने नैतिक मूल्य खो देता है तो मानो अपना सब कुछ खो देता है।

दैनिक नव प्रदेश

प्रदेश के साथ पूरा देश...

अंदर के पृष्ठों पर

3 राजधानी — आज से ग्रीन और ऑरेंज जोन ..
4 अभिव्यक्ति — आरक्षण समाप्ति के कुचक्र में शब्द जीते...
6 मनोरंजन/खेल — क्राइम थ्रिलर में काम करेंगी तापसी पन्नू....
7 व्यापार — सिल्वर लेक पार्टनर्स ने रिलायंस जियो...

www.navpradesh.com

भोपाल, मंगलवार 05 मई 2020, वैशाख शुक्ल पक्ष-त्रयोदशी, विक्रम संवत-2077 वर्ष-04 अंक-25 पृष्ठ-08 मूल्य-3 रुपए

मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, झारखंड, से एक साथ प्रकाशित

आज बेबाक

लॉकडाउन के कारण जिन लोगों के सामने भूखों मरने की नौबत आ गई थी वे लोग शराब दुकान खुलते ही नोटों की गड्डियां लेकर ठेके पर टूट पड़े और सोशल डिस्टेंसिंग की धज्जियां उड़ादी। लगभग सभी राज्य सरकारों ने अपनी दयनीय आर्थिक स्थिति का हवाला देकर शराब दुकानें खोल दी है। इससे उन्हे भारी राजस्व मिलेगा भले ही इसकी वजह से कोरोना और फैलता है तो फैले। विभिन्न प्रदेशों की चरमराती अर्थव्यवस्था में सुधार करने वाले बेवड़ों को उनके अमूल्य योगदान के लिए राज्य सरकारें भारत रत्न की तरह प्रदेश रत्न की उपाधि से सम्मानित करें तो ताज्जुब नहीं होगा।

सभी जिलों में क्राइसिस मैनेजमेंट ग्रुप की बैठकें आयोजित हो

जबलपुर में टेस्टिंग लेबोरेटरी प्रारंभ करने के निर्देश , मुख्यमंत्री चौहान ने की समीक्षा

डॉ शिशिर उपाध्याय

भोपाल। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने आज राज्य में कोरोना वायरस के नियंत्रण, उपचार और अन्य व्यवस्थाओं के संबंध में समीक्षा की। मुख्यमंत्री चौहान ने कहा किसी भी क्षेत्र में बाहरी लोगों को बिना स्क्रीनिंग के न आने दिया जाए। ऐसा न हो कि संक्रमित व्यक्ति केरियर बनकर उन क्षेत्रों में घूमे जहां रोग का कोई प्रभाव नहीं है। किसी भी स्थिति में वायरस के स्प्रेड होने की स्थितियां नहीं बनना चाहिए। जिन क्षेत्रों में सर्वे किया गया है और वह क्षेत्र कोरोना प्रभावित नहीं है तो वहां निरंतर यह कार्य जारी रखा जाए। नए संक्रमण के क्षेत्र सामने नहीं आना चाहिए । स्थानीय मेडिकल कॉलेज में करोना के उपचार की प्रभावी कार्यवाही की जा रही है। कलेक्टर जबलपुर ने बताया नगर के सर्राफा और चांदनी चौक में **शेष पृष्ठ 7 पर**

कोरोना नियंत्रण के संबंध में

कलेक्टर जबलपुर ने बताया कि शहरी और ग्रामीण क्षेत्र में कोरोना नियंत्रण हो रहा है। अब तक 3208 सैंपल लिए जा चुके हैं, जिनमें 2701 टेस्ट संपन्न हुए हैं। इनमें पॉजिटिव रोगियों की संख्या 98 अर्थात लगभग 4 प्रतिशत है। कल संपन्न 314 टेस्ट में मात्र दो ही पॉजिटिव मिले हैं। कल 12 रोगी अस्पताल से घर के लिए डिस्चार्ज किए गए। जबलपुर में कल एक कोरोना वायरस से प्रभावित रोगी की मृत्यु दर्ज हुई है।

जबलपुर में लेबोरेटरी के प्रारंभ करने के निर्देश

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने जबलपुर में लेबोरेटरी के प्रारंभ करने के निर्देश दिए ताकि टेस्टिंग के कार्य की गति को बढ़ाया जा सके। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने निर्देश दिए कि क्राइसिस मैनेजमेंट ग्रुप की बैठकें राज्य के सभी जिलों में आयोजित की जाए। कोरोना नियंत्रण में जनप्रतिनिधियों का सहयोग भी प्राप्त किया जाए। उन्होंने इन बैठकों के संबंध में कुछ कलेक्टर से विस्तृत जानकारी प्राप्त की।

अच्छी खबर

वैज्ञानिकों ने तैयार की पहली स्वदेशी कोविड-19 जांच किट

कोलकाता। केन्द्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्रालय के अधीन विज्ञान एवं औद्योगिक अनुसंधान विभाग (डीएसआईआर) से संबद्ध जीसीसी बायोटेक (इंडिया) प्राइवेट लिमिटेड कंपनी ने कोरोना वायरस (कोविड-19) महामारी पैदा करने वाले वायरस सार्स-कोव-2 के आरएनए (राइबो न्यूक्लिक एसिड) की जांच करने वाली किट तैयार की है। कंपनी के प्रवक्ता एवं अनुसंधान एवं विकास विभाग प्रमुख डॉ अविजीत घोष (अनुसंधान एवं विकास विभाग के प्रमुख) ने सोमवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि किट का नाम डीआईएजीस्योर एन कोव-19 रखा गया है। इस किट को भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर) की ओर से मंजूरी भी मिल गयी है। यह किट संभवतः देश में कोविड-19 की जांच के लिए सबसे सस्ती किट है।

इसकी कीमत 500 रुपये है।

कोरोना अपडेट

देश	कंफर्म केस	मौत
भारत	42836	1395
अमेरिका	1191940	68715
इटली	210717	28884
ब्रिटेन	186599	28446
स्पेन	248301	25428
फ्रांस	168693	24895
बेल्जियम	50267	7924
जर्मनी	165745	6866
ईरान	98647	6277
ब्राजील	101826	7051
नीदरलैंड	40770	5082
कनाडा	59474	3682
टर्की	126045	3397
स्वीडन	22721	2769
स्वीट्जरलैंड	29981	1762
मैक्सिको	23471	2154

शेयर बाजार

सेंसेक्स- 31715.35
निफ्टी- 9293.50
गोल्ड- 45675 (10 ग्रा.)
सिल्वर- 40926 (1 कि ग्रा.)

ऑरेंज-ग्रीन जोन में आज से खुलेंगी शराब और भांग की दुकानें

रेड जोन में शामिल इंदौर और भोपाल में सख्ती बनी रहेगी

रेड व आरेंज जोन में औद्योगिक गतिविधि शुरू करने नई गाइडलाइन जारी

रेड जोन में आने वाले भोपाल, इंदौर, उज्जैन जिलों में शराब और भांग की दुकानें अगले आदेश तक बंद रहेंगी

नव प्रदेश संवाददाता

भोपाल। मध्यप्रदेश सरकार ने प्रदेश में शराब और भांग की दुकानों के संचालन की नई व्यवस्था कल यानी 5 मई से लागू की है। प्रदेश में रेड जोन में आने वाले भोपाल, इंदौर और उज्जैन जिलों में शराब और भांग की समस्त दुकानें आगामी आदेश तक बंद रहेंगी। रेड जोन के अन्य जिलों जबलपुर, धार, बड़वानी, पूर्वी निमाड़ (खंडवा), देवास और ग्वालियर जिलों मुख्यालय (शहरी क्षेत्र) की दुकानों को छोड़कर अन्य क्षेत्रों की शराब और भांग की दुकानें संचालित की जाएंगी। इसके अलावा ऑरेंज जोन के अंतर्गत आने वाले खरगोन, रायसेन, होशंगाबाद, रतलाम, आगर-मालवा, मंदसौर, सागर, शाजापुर, छिंदवाड़ा, अलीराजपुर, टीकमगढ़, शहडोल, श्योपुर, डिण्डौरी, **शेष पृष्ठ 7 पर**

कंटेनमेंट जोन में रहने वाले श्रमिकों, कर्मचारियों, अधिकारी काम पर नहीं जा सकेंगे

नए दिशा-निर्देशों में यह स्पष्ट किया गया है कि रेड एवं ऑरेंज जोन के जिलों के कंटेनमेंट जोन में किसी भी तरह कि औद्योगिक गतिविधि की अनुमति नहीं रहेगी

क्या है नई गाइडलाइन

ग्रीन जोन के जिलों में सभी प्रकार के उद्योग शुरू किए जा सकेंगे। इसके लिए जिला कलेक्टर अथवा डीसीएमजी की पूर्वानुमति की आवश्यकता नहीं होगी। इन क्षेत्रों में श्रमिकों, कर्मचारियों, कच्चे माल तथा तैयार उत्पाद के आवागमन के लिए भी किसी की अनुमति की आवश्यकता नहीं होगी। रेड, ऑरेंज तथा ग्रीन जोन के जिलों में क्रियाशील समस्त उद्योगों में कन्टेनमेंट जोन में रहने वाले श्रमिकों, कर्मचारियों, अधिकारियों को कार्य करने की अनुमति नहीं होगी।

रेड एवं ऑरेंज जोन के जिलों में ग्रामीण अथवा नगरीय क्षेत्रों में संचालित उद्योगों के श्रमिकों, कर्मचारियों, अधिकारियों को ग्रामीण क्षेत्रों के नान-कन्टेनमेंट क्षेत्रों के इकाईयों तक आवागमन के लिए परिवहन पास की आवश्यकता नहीं होगी जिला आपदा प्रबंधन जिले की परिस्थिति विशेष को देखते हुए किस उद्योग को जिले/शहर के किस क्षेत्र में उनकी मेनपॉवर के आवागमन की अनुमति दी जाय, इसका निर्णय लेगा।

ऐसे उद्योग, जो सभी कार्यरत श्रमिकों को अपने परिसर में रहने की व्यवस्था करते है, को जिला आपदा प्रबंधन से अनुमति प्राप्त करने की आवश्यकता नहीं होगी। रेड जोन के कन्टेनमेंट क्षेत्र के बाहर के क्षेत्रों में भी इन्ट्रास्टेट तथा इन्टरसिटी बसों का संचालन नहीं किया जा सकेगा।

कोरोना के नियंत्रण के लिए प्रदेश के स्वास्थ्य मंत्री ने केंद्र से मांगा 1200 करोड़ रुपए का राहत पैकेज

स्वास्थ्य मंत्री ने बताया- चिरायु अस्पताल भोपाल में अब तक 600 मरीज भर्ती हुए, इनमें 250 से अधिक स्वस्थ होकर घर जा चुके

केन्द्रीय स्वास्थ्य मंत्री डॉ. हर्षवर्धन से राहत पैकेज के प्रस्ताव को अनुमोदित करने का अनुरोध किया है

नव प्रदेश संवाददाता

भोपाल। प्रदेश के स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण और गृह मंत्री डॉ. नरोत्तम मिश्रा ने वीडियो कॉन्फ्रेन्सिंग के जरिए केन्द्रीय स्वास्थ्य मंत्री डॉ. हर्षवर्धन से चर्चा की। मिश्रा ने कोविड-19 संक्रमण नियंत्रण के लिये 1200 करोड़ रूपये के राहत पैकेज के प्रस्ताव को **शेष पृष्ठ 7 पर**

50 हजार लोगों का कोरोना टेस्ट कराया

अपर मुख्य सचिव स्वास्थ्य मोहम्मद सुलेमान ने बताया कि प्रदेश में अब तक 800 पूर्ण स्वस्थ हो चुके है। प्रदेश में अब तक 50 हजार लोगों का कोरोना टेस्ट कराया जा चुका है। प्रदेश में 3 मई को 50 कोरोना संक्रमित मरीज सामने आये जबकि 174 मरीज स्वस्थ हुए हैं। केन्द्रीय स्वास्थ्य मंत्री डॉ. हर्षवर्धन ने प्रदेश में कोरोना संक्रमण की रोकथाम के लिये समीक्षा करते हुए डॉ. मिश्रा से कहा कि वे निरंतर दूरभाष पर संपर्क में बने रहे।

जूनियर के शपथ के खिलाफ सीनियर जज की याचिका खारिज

नई दिल्ली/मई । उच्चतम न्यायालय ने कर्नाटक में एक जूनियर को उच्च न्यायालय के अतिरिक्त न्यायाधीश के तौर पर शपथ दिलाए जाने पर रोक संबंधी याचिका सोमवार को खारिज कर दी। न्यायमूर्ति दीपक गुप्ता और न्यायमूर्ति अनिरुद्ध बोस की खंडपीठ ने प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश की याचिका यह कहते हुए खारिज कर दी कि उन्हें शपथ ग्रहण पर रोक को लेकर याचिका दायर करने में देरी हो गयी। न्यायमूर्ति गुप्ता ने याचिका खारिज करते हुए कहा, 'यद्यपि आप (याचिकाकर्ता) वरिष्ठ हैं, लेकिन आपको अदालत का दरवाजा खटखटाने में विलंब हो गया। पंद्रह मिनट बाद शपथ होने वाली है।

मुख्यमंत्री चौहान ने की गेहूँ उपार्जन कार्य की समीक्षा

भोपाल । मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने मंत्रालय में वीडियो कांफ्रेंस द्वारा राज्य में चल रहे गेहूं उपार्जन कार्य की जानकारी प्राप्त की। उन्होंने बताया कि केंद्र सरकार से उनकी चर्चा हुई है जिसमें चमक विहीन गेहूं खरीदने की अनुमति भी प्राप्त हुई है। चौहान ने कहा कि किसानों का पूरा अनाज खरीदा जाएगा। कोरोना की विपरीत परिस्थितियों में भी कार्य सुचारू रूप से शुरू किया गया, जिसके अच्छे परिणाम मिल रहे हैं। किसानों को हर संभव सुविधाएं दी गई हैं। मुख्यमंत्री चौहान को जानकारी दी गई कि राज्य में 40 लाख 26 हजार मीट्रिक टन गेहूं का उपार्जन समर्थन मूल्य पर किया जा चुका है। प्रदेश के 7लाख 50 हजार किसानों से यह खरीदी की गई है।किसानों के खातों में 3171 करोड रुपए की राशि डाली जा चुकी है।

हंदवाड़ा : 48 घंटे में दूसरा हमला, 3 जवान शहीद

एक आतंकी भी ढेर

श्रीनगर/ ए.। जम्मू-कश्मीर के हंदवाड़ा जिले में सोमवार को एक बार फिर आतंकियों ने सुरक्षाबलों पर हमले की वारदात को अंजाम दिया है। आतंकियों ने हंदवाड़ा के का जियाबाद इलाके में सीआरपीएफ की एक पट्रोलिंग टीम पर फायरिंग की। इस हमले में सीआरपीएफ के 3 जवान शहीद हुए हैं। इस हमले में शामिल एक आतंकी को मार गिराया गया है।

मिली जानकारी के मुताबिक, आतंकियों के एक दल ने सोमवार शाम काजियाबाद में पट्रोलिंग ड्यूटी पर जा रहे सीआरपीएफ के एक काफिले पर फायरिंग की थी। इस गोलीबारी के बाद हुई मुठभेड़ में सीआरपीएफ जवानों ने एक हमलावर को मार गिराया। वहीं इलाके में जवाबी कार्रवाई के दौरान घायल सीआरपीएफ के तीन जवान शहीद हो गए।

सेना ने शुरू किया तलाशी अभियान

घटना की जानकारी के बाद करालगुंड, काजियाबाद और नौगाम के इलाकों में सेना ने एक बड़ा तलाशी अभियान शुरू किया है। इस ऑपरेशन में सेना की राष्ट्रीय राइफल्स और जम्मू-कश्मीर पुलिस के जवान भी शामिल हो रहे हैं। दो बड़ी आतंकी घटनाओं के बाद सेना की स्पेशल फोर्सेज और राष्ट्रीय राइफल्स की कई टीमों ने कुपवाड़ा में बड़े स्तर पर आतंकियों की तलाश शुरू की है।

सर्वाधिक कारोना प्रभावित 20 जिलों के लिए केंद्रीय टीमों का गठन

नई दिल्ली । केन्द्रीय स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय ने बीस केंद्रीय सार्वजनिक स्वास्थ्य टीमों का गठन किया गया है। इन टीमों को उन 20 जिलों में भेजा जा रहा है जहां से देश में कोविड-19 के सर्वाधिक मामले सामने आ रहे हैं। हालांकि इनमें छत्तीगढ़ का एक भी जिला नहीं है। स्वास्थ्य मंत्रालय की ओर से जारी आधिकारिक विज्ञप्ति में कहा गया है कि ये बीस टीमें उन राज्यों में भेजी जा रही है जहां कोविड के सर्वाधिक मामले देखे गए हैं।

इनमें छत्तीसगढ़ का एक भी नहीं

इन राज्यों और जिलों का विवरण इस प्रकार हैं

मुंबई-महाराष्ट्र,अहमदाबाद- गुजरात,दिल्ली (दक्षिण पूर्व),इंदौर-मध्य प्रदेश ,पुणे- महाराष्ट्र, जयपुर- राजस्थान,ठाणे- महाराष्ट्र, सूरत-गुजरात, चेन्नई- तमिलनाडु, हैदराबाद- तेलंगाना, भोपाल-मध्य प्रदेश, जोधपुर- राजस्थान, दिल्ली (मध्य), आगरा-उत्तर प्रदेश, कोलकाता-पश्चिम बंगाल, कुर्नूल-आंध्र प्रदेश, वड़ोदरा- गुजरात, गुंटूर-आंध्र प्रदेश, कृष्णा-आंध्र प्रदेश और लखनऊ- उत्तर प्रदेश। **शेष पृष्ठ 7 पर**

एम्स से 12 और चिरायु अस्पताल से 18 कोरोना संक्रमित ठीक होकर डिस्चार्ज हुए

डिस्चार्ज हुए अमित तिवारी ने जिला प्रशासन और चिरायु अस्पताल की स्वास्थ्य व्यवस्था के लिए धन्यवाद दिया

चिरायु अस्पताल के डायरेक्टर अजय गोयनका ने होम क्वॉरेंटाइन की अवधि समाप्त होने के पश्चात सभी से अपना प्लाज्मा डोनेट करने की अपील भी की

नव प्रदेश संवाददाता

भोपाल। सोमवार की शाम को एम्स अस्पताल से 12 और चिरायु अस्पताल से 18 कोरोना पॉजिटिव व्यक्ति पूर्णतः स्वस्थ होकर अपने घर की ओर रवाना हुए। इन 18 व्यक्तियों में 5 रायसेन एवं एक व्यक्ति सीहोर से है। भोपाल से कुल 30 व्यक्ति पूर्ण रूप से स्वस्थ होकर अपने घर रवाना हुए। चिरायु अस्पताल के डायरेक्टर अजय गोयनका ने डिस्चार्ज हुए सभी व्यक्तियों को घर पर ही 14 दिवस होम क्वॉरेंटाइन की समझाइश दी। उन्होंने होम क्वॉरेंटाइन की अवधि समाप्त होने के पश्चात सभी से अपना प्लाज्मा डोनेट करने की अपील भी की। डिस्चार्ज हुए अमित तिवारी ने जिला प्रशासन और चिरायु अस्पताल की स्वास्थ्य व्यवस्था के लिए धन्यवाद दिया। उन्होंने बताया डॉक्टरों और **शेष पृष्ठ 7 पर**

गरमा-गरम

सुधार — कोरोना संक्रमितों का आंकड़ा दोगुना होने में अब पहले की तुलना में लग रहा ज्यादा वक्त

3.2 की जगह अब 12 दिन में डबल हो रहे मरीज

नई दिल्ली (वार्ता)। देश में कोरोना वायरस से संक्रमण के मामले दोगुने होने में ज्यादा वक्त लग रहा है। मामले डबल होने में 12 दिन लग रहे हैं। जबकि मार्च में लॉकडाउन से पहले यह दर 3.2 दिन थी। स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार देश में इस समय 130 हॉटस्पॉट जिले, 284 गैर-हॉटस्पॉट जिले और 319 गैर-संक्रमित जिले हैं। इन जिलों को ग्रीन, ऑरेंज एवं रेड जोन में विभाजित किया गया है और भारत सरकार के दिशा-निर्देशों के अनुसार ही इन्हें खोला जाएगा। देश में अब तक 10 लाख से भी अधिक टेस्टिंग (परीक्षण) का आंकड़ा पार हो चुका हैं और वर्तमान में एक दिन में 74,000 से अधिक टेस्टिंग हो रही हैं। भारत दुनिया के अन्य देशों की तुलना में बेहतर स्थिति में है और पूरे देश में विशेष **शेष पृष्ठ 7 पर**

मौतों का आंकड़ा दुनिया के औसत से भी कम

कोरोना वायरस से मरने वालों का वैश्विक औसत जहां सात प्रतिशत है वहीं यह भारत में मात्र 3.2 प्रतिशत के आसपास ही है। कोविड-19 से उबरने में केन्द्र सरकार पांच चरणों की रणनीति पर काम कर रही हैं जिनमें वर्तमान स्थिति को लेकर जागरूकता को कायम रखना, सतर्कता पूर्ण और सक्रिय रणनीति, निरंतर बदलते परिदृश्य में क्रमिक प्रतिक्रिया, सभी स्तरों पर अंतर-क्षेत्रीय समन्वय, और अंतिम लेकिन सबसे महत्वपूर्ण इस बीमारी से लड़ाई में एक जनांदोलन तैयार करना शामिल है। **शेष पृष्ठ 7 पर**

20 देशों की जनसंख्या हमारे देश के बराबर

देश में अभी तक केन्द्र और राज्य सरकारों ने कोरोना वायरस के संक्रमण से निपटने में जो सक्रिय कदम उठाए हैं, वे बहुत ही कारगर और प्रभावी साबित हो रहे हैं और इस बात की पुष्टि इन आंकड़ों से हो जाती है कि कोरोना वायरस का प्रकोप विश्व के 20 विकसित देशों में अधिकतर देखने को मिला है। इन 20 देशों की जनसंख्या हमारी जनसंख्या के बराबर है लेकिन कोरोना से निपटने से हम उनसे कहीं बेहतर हैं। डब्ल्यूएचओ के हाल ही के आंकड़ों को भी देखा जाए तो साफ पता **शेष पृष्ठ 7 पर**

'बांद्रा मामले' में पत्रकार अर्नब पर प्रकरण हुआ दर्ज

मुंबई। महाराष्ट्र में मुंबई के उपनगरीय बांद्रा में स्थित एक स्थल को लेकर अपमानजनक टिप्पणी कर धार्मिक भावनाओं को आहत करने के मामले रिपब्लिक टीवी के एडिटर-इन-चीफ अर्नब गोस्वामी और न्यूज चैनल के दो अन्य लोगों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई है। पुलिस ने सोमवार को बताया कि गोस्वामी ने 29 अप्रैल के अपने कार्यक्रम में यह टिप्पणी की थी। यह टिप्पणी बांद्रा में बड़ी संख्या में प्रवासी श्रमिकों के इकट्ठा होने के पीछे एक वर्ग के षड्यंत्र की ओर इशारा किया था। कार्यक्रम के दौरान धार्मिक स्थल के दृश्य दिखाये गये और उस समय गोस्वामी इस बात पर आश्चर्य जता रहे थे कि इसके सामने इतनी भीड़ क्यों एकत्रित हुई?

कोरोना नियंत्रण के लिए हो सकेगा ड्रोन का इस्तेमाल

केंद्र सरकार ने सरकारी एजेंसियों को दी इस्तेमाल की अनुमति

डीजीसीए ने नोटिस जारी कर बताया, क्या करना होगा

नई दिल्ली। सरकार ने कोरोना वायरस 'कोविड-19' के नियंत्रण और निगरानी के लिए सरकारी एजेंसियों को ड्रोन के इस्तेमाल की सशर्त अनुमति दे दी है। नागर विमानन महानिदेशालय (डीजीसीए) ने एक नोटिस जारी कर कहा है कि सरकारी एजेंसियों को इस छूट का लाभ उठाने के लिए डिजिटल स्काईडॉट डीजीसीए डॉटजीओवीडॉटइन पर आवेदन करना होगा। यह छूट सिर्फ हवाई निगरानी, फोटोग्राफी और सार्वजनिक उद्घोषणाओं तक सीमित होगी। अन्य सभी उद्देश्यों के लिए - कोविड-19 से संबंधित या अन्यथा - सामान्य प्रक्रिया के तहत आवेदन करना होगा।

नागर विमानन नियामक ने स्पष्ट किया है कि छूट के साथ सिर्फ बैटरी से चलने वाले 'रोटरी विंग' ड्रोनों का इस्तेमाल किया जा सकता है। ड्रोनों के सुरक्षित परिचालन की जिम्मेदारी इस्तेमाल करने वाली सरकारी एजेंसी की होगी। उन्हें यह सुनिश्चित करना होगा कि इससे जानमाल को खतरा न हो। उन्हें परिचालन के सात दिन के भीतर डिजिटल स्काई प्लेटफॉर्म पर उड़ान का विवरण देना होगा जबकि किसी दुर्घटना की स्थिति में तुरंत डीजीसीए और नागरिक उड्डयन मंत्रालय को सूचित करना होगा।

सुरक्षा का रखना होगा पूरा ध्यान

डीजीसीए ने स्पष्ट किया है कि सरकारी एजेंसियों को ड्रोनों का परिचालन करने में सुरक्षा का पूरा ध्यान रखना होगा। इस्तेमाल किये जाने वाले हर ड्रोन के लिए विशिष्ट पहचान संख्या, ड्रोन एक्नॉलजमेंट संख्या और कंट्रोल विफल होने पर 'स्वतः घर वापसी' प्रणाली अनिवार्य होगी। इनका वजन 25 किलोग्राम से अधिक नहीं होना चाहिये और इन्हें जमीन से 200 फुट से अधिक की ऊँचाई पर उड़ाने की अनुमति नहीं होगी। ड्रोन का परिचालन ऑपरेटर की दृष्टि सीमा के भीतर ही किया जा सकेगा। सुरक्षा की दृष्टि से हवाई अड्डों, सैन्य तथा संवेदनशील असैन्य ठिकानों और दूसरे देशों से लगती सीमा के आसपास ड्रोन के परिचालन संबंधी सामान्य प्रतिबंध सरकारी एजेंसियों के इन ड्रोनों पर भी लागू होंगे। संवेदनशील पारिस्थितिकी तंत्रों, राष्ट्रीय उद्यानों और वन्य जीव अभ्यारण्यों के ऊपर भी ड्रोनों का परिचालन नहीं किया जा सकेगा।

लीबिया में पत्रकारों की सुरक्षा सुनिश्चित हो : संयुक्त राष्ट्र

त्रिपोली (शिन्हुआ)। संयुक्त राष्ट्र ने लीबिया में कार्यरत पत्रकारों और अन्य मीडियाकर्मियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए सभी पक्षों से अपील की है। लीबिया में संयुक्त राष्ट्र समर्थित सरकार और सेना के बीच जारी हिंसक संघर्ष में पत्रकारों के ऊपर भी लगातार हमले हो रहे हैं। लीबिया में संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस के विशेष प्रतिनिधि स्टीफ्न विलियम्स ने एक वक्तव्य जारी कर कहा, ÷ मैं लीबियाई प्रशासन और वहां सक्रिय सभी पक्षों से पत्रकारों और मीडियाकर्मियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने की अपील करता हूं। पत्रकारों को अपनी राय और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का अधिकार मिलना चाहिए। इसके अलावा पत्रकारों के सही जानकारी एकत्र कर जनता तक पहुंचाने के काम में भी बाधा नहीं पहुंचाई जानी चाहिए। संयुक्त राष्ट्र के अधिकारी ने पत्रकारों और मीडियाकर्मियों से फेक न्यूज के अलावा समाज में नफ्रत और घृणा फैलाने वाली प्रवृत्ति के खिलाफलड़ाई में शामिल होने का आग्रह भी किया। श्री विलियम्स ने कहा कि पत्रकारों को हिरासत में लेकर उन्हें धमकाना अंतरराष्ट्रीय मानवाधिकार का उल्लंघन है। संयुक्त राष्ट्र की रिपोर्ट के मुताबिक लीबिया में पत्रकार और मीडियाकर्मी आम तौर पर उत्पीड़न और मार डालने की धमकियों का सामना करना पड़ रहा है।

कोविड-19 के टीके की खोज के लिए सामूहिक प्रयास करेगा यूरोप

ब्रसेल्स (स्पूतनिक)। वैश्विक महामारी कोरोना वायरस (कोविड-19) के संक्रमण से गंभीर रूप से जूझ रहा यूरोप इसके टीके की खोज के लिए सामूहिक रूप से प्रयास करेगा। यूरोपीय आयोग के अध्यक्ष उरसुला वोन डेर लेयेन इस संबंध में सोमवार को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए एक सम्मेलन की अध्यक्षता करेंगे जिसमें कोविड-19 की रोकथाम के लिए सामूहिक प्रयास के तहत इसके टीके की खोज संबंधी विचार विमर्श किया जाएगा। इस सामूहिक अभियान के तहत आठ अरब डॉलर की राशि जुटाई जाएगी जिसका इस्तेमाल कोविड-19 से बचाव, इसके संक्रमण की जांच और इस महामारी के इलाज में किया जाएगा। इस सम्मेलन का उद्देश्य टीके की खोज के लिए वैश्विक स्तर पर समर्थन और वित्तीय सहयोग हासिल करने के अलावा उच्चस्तरीय राजनीतिक प्रतिबद्धता की भी जरुरत है।

पाकिस्तान में कोरोना संक्रमितों संख्या 20 हजार के पार

इस्लामाबाद। पाकिस्तान में भी वैश्विक महामारी कोराना वायरस 'कोविड-19' तेजी से अपने पांव पसार रहा है और देश में संक्रमितों की संख्या बढ़कर 20084 पहुंच गई है और इस वायरस के संक्रमण से 457 मरीजों की मौत हो गई है। देश के स्वास्थ्य मंत्रालय ने सोमवार को यह जानकारी दी। मंत्रालय के अनुसार देश के पूर्वी पंजाब प्रांत में 7494 कोराना संक्रमितों की पुष्टि हुई है और दक्षिणी सिंध प्रांत में 7465, उत्तर पश्चिम खैबर पख्तूनख्वा में 3129, दक्षिणपश्चिम बलूचिस्तान में 1172 और राजधानी इस्लामाबाद में 393 मामले समाने आये हैं। मंत्रालय ने रविवार को बताया देश में पिछले 24 घंटों के दौरान कोरोना संक्रमण से 17 मरीजों की जान चली गई और कोरोना संक्रमण के 981 नये मामले सामने आये हैं। देश में अभी तक 203025 कोरोना वायरस के परीक्षण किये गये हैं। अभी तक 5114 लोग ठीक हो गये है और उन्हें अस्पतालों से छुट्टी मिल गयी है। योजना एवं विकास मंत्री असद उमर ने कहा कि लॉकडाउन में छूट के संबंध में सभी प्रांतों के साथ आम सहमति बनने पर नौ मई के बाद निर्णय लिया जाएगा।

कोरोना से मरने वालों को कब्रगाह में दफनाने पर रोक की मांग

सुप्रीम कोर्ट ने याचिका हाईकोर्ट भेजी

एजेंसी,नई दिल्ली ए.। सुप्रीम कोर्ट ने कोरोना वायरस 'कोविड 19' महामारी में जान गंवा चुके मुस्लिमों को कब्रगाह में दफ्न करने पर अस्थायी प्रतिबंध लगाये जाने संबंधी मामला सोमवार को फिर से बॉम्बे हाईकोर्ट को भेज दिया।

न्यायमूर्ति रोहिंगटन फ्ली नरीमन और न्यायमूर्ति इंदिरा बनर्जी की खंडपीठ ने प्रदीप गांधी की विशेष अनुमति याचिका (एसएलपी) की वीडियो कांफ्रेंसिंग के जरिये सुनवाई करते हुए यह मामला फिर से हाईकोर्ट को भेज दिया और सुनवाई दो हफ्ते में पूरी करने का उसे निर्देश भी दिया। खंडपीठ ने कहा कि याचिका में की गयी मांग को नकारने का हाईकोर्ट का आदेश अंतरिम था, इसलिए हाईकोर्ट मौजूदा परिप्रेक्ष्य में याचिका पर दोबारा विचार करे(याचिकाकर्ता ने कोरोना संक्रमित शव को अपने आवासीय इलाके के आगे कब्रगाह में दफनाने पर अस्थायी रोक की मांग की है। बॉम्बे हाईकोर्ट ने गत 27 अप्रैल को प्रदीप गांधी की यह याचिका खारिज कर दी थी, जिसे उन्होंने शीर्ष अदालत में चुनौती दी थी।

याचिका में कहा गया है कि ये कब्रिस्तान घनी आबादी वाले इलाके में हैं और यहां कोरोना संक्रमित शव दफ्नाने से इलाके में मिट्टी और पानी के संक्रमित होने का खतरा है, जिससे आसपास के लोग संक्रमित हो सकते हैं। इसलिए इन कब्रिस्तानों में ऐसे शव दफनाने पर तत्काल रोक लगाई जाये। इन शवों को ऐसे कब्रिस्तानों में दफनाने का निर्देश दिया जाए जो आबादी से दूर हों। याचिका में कहा गया है कि राज्य सरकार ने 30 मार्च को एक सर्कुलर जारी कर कोरोना संक्रमण से हुई मौत के मामले में शव दफ्नाने पर रोक लगा दी थी। सर्कुलर में कहा गया था कि महामारी के दौरान कोरोना संक्रमित शवों को जलाया जाएगा, लेकिन कुछ ही दिन बाद नौ अप्रैल को सरकार ने एक सर्कुलर जारी कर ऐसे शवों को दफ्नाने की इजाजत दे दी। सर्कुलर में 20 कब्रिस्तानों को ऐसे शवों को दफ्नाने के लिए चिह्नित कर दिया गया, उनमें बांद्रा (वेस्ट) के तीन कब्रिस्तान भी शामिल हैं। याचिकाकर्ता की रिहायशी कॉलोनी भी बांद्रा (वेस्ट) के कब्रगाह के सामने ही है। जमीयत-उलमा-ए-हिंद ने भी 'प्रदीप गांधी बनाम महाराष्ट्र सरकार' मामले में पक्षकार बनाने का न्यायालय से अनुरोध किया है। मुस्लिम संगठन ने प्रदीप गांधी की याचिका में यह कहते हुए पक्षकार बनने की अनुमति मांगी है कि मुसलमानों को शव दफ्नाने से प्रतिबंधित करना संविधान प्रदत्त धार्मिक आजादी के मौलिक अधिकार का उल्लंघन है।

लागत घटाने पर जोर दें भारतीय उद्योग : गडकरी

नई दिल्ली। केंद्रीय सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्योग मंत्री नितिन गडकरी ने कहा है कि अंतरराष्ट्रीय बाजारों में स्थान हासिल करने के लिए भारतीय उद्योगों को गुणवत्ता के साथ समझौता किए बगैर माल परिवहन, पूंजी, बिजली एवं उत्पादन लागत कम करने पर जोर देना चाहिए। श्री गडकरी ने वीडियो कांफ्रेंसिंग के जरिये अनुसूचित जाति एवं जनजाति के कारोबारियों को संबोधित करते हुये कहा कि घरेलू उद्योगों को विदेशी आयातों की जगह लेने के लिए गुणवत्ता के साथ साथ निर्यात वृद्धि पर ध्यान केंद्रित करने की जरूरत है. उन्होंने कहा कि उद्योग को ज्ञान को संपदा में वदलने के लिए नवाचार, उद्यमशीलता, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी, अनुसंधान कौशल एवं अनुभवों पर अधिक बल देना चाहिए। उन्होंने कहा कि अंतरराष्ट्रीय बाजारों में जगह बनाने के लिए भारतीय उद्योगों को गुणवत्ता के साथ समझौता किए बिना लॉजिस्टिक्स लागत, पूंजी लागत, बिजली एवं उत्पादन लागत को कम करनी चाहिए। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि जापान सरकार ने चीन से अपने निवेश वापस करने और उसे अन्यत्र कहीं लगाने के लिए अपने उद्योगों के लिए विशेष पैकेज की पेशकश की है।

उन्होंने कहा कि भारत के लिए यह

गिलगित-बाल्टिस्तान में चुनाव के आदेश पर भारत का कड़ा रुख, कहा

हमारे हिस्से से कब्जा छोड़े पाक

एजेंसी,नई दिल्ली। भारत ने गिलगित-बाल्टिस्तान में आम चुनाव कराने के पाकिस्तान उच्चतम न्यायालय के आदेश पर इस्लामाबाद के समक्ष कड़ी आपत्ति जताई है। विदेश मंत्रालय ने कहा कि पाकिस्तान को बता दिया गया है कि गिलगित- बाल्टिस्तान सहित पूरा जम्मू-कश्मीर और लद्दाख भारत का अभिन्न अंग हैं और पाकिस्तान को अपने अवैध कब्जे से इन क्षेत्रों को तुरंत मुक्त कर देना चाहिए। पाकिस्तान के उच्चतम न्यायालय ने हाल के अपने आदेश में, 2018 के गवर्नमेंट ऑफ गिलगित बाल्टिस्तान ऑर्डर में संशोधन की इजाजत दे दी ताकि क्षेत्र में आम चुनाव कराए जा सकें। विदेश मंत्रालय ने एक बयान में कहा, ÷भारत ने पाकिस्तान के वरिष्ठ राजनयिक को आपत्ति पत्र जारी किया और तथाकथित गिलगित-बाल्टिस्तान पर पाकिस्तान के उच्चतम न्यायालय के आदेश पर पाकिस्तान के समक्ष कड़ा विरोध दर्ज कराया है। बयान में कहा गया है, यह स्पष्ट रूप से बता दिया गया है कि केंद्र शासित प्रदेश पूरा जम्मू-कश्मीर और लद्दाख जिसमें गिलगित और बाल्टिस्तान भी शामिल हैं, वह पूरी तरह से कानूनी और अपरिवर्तनीय विलय के तहत भारत का अभिन्न अंग हैं। ÷विदेश मंत्रालय ने कहा कि पाकिस्तानी सरकार या उसकी न्यायपालिका को उन क्षेत्रों पर हस्तक्षेप करने का अधिकार नहीं है जो उसने अवैध तरीके से और जबरन कब्जाए हुए हैं। बयान में कहा गया है कि भारत इस तरह के कदमों को पूरी तरह से खारिज करता है और भारतीय जम्मू-कश्मीर के पाकिस्तान के कब्जे वाले इलाकों की स्थिति में बदलाव लाने के जारी प्रयासों पर आपत्ति जताता है। विदेश मंत्रालय ने कहा कि पाकिस्तान के हालिया कदम केंद्र शासित प्रदेश जम्मू-कश्मीर और लद्दाख के कुछ हिस्सों पर उसके अवैध कब्जे को छुपा नहीं सकते हैं और न ही इस पर पर्दा डाल सकते हैं कि पिछले सात दशकों से इन क्षेत्रों में रहने वाले लोगों के मानवाधिकारों का उल्लंघन किया गया। शोषण किया गया और उन्हें स्वतंत्रता से

कश्मीर में 4जी नेटवर्क संबंधी याचिका पर फैसला सुरक्षित

नयी दिल्ली,। उच्चतम न्यायालय ने राष्ट्रव्यापी लॉकडाउन के मद्देनजर जम्मू कश्मीर में 4जी इंटरनेट बहाली की मांग संबंधी याचिका पर सोमवार को फैसला सुरक्षित रख लिया। न्यायमूर्ति एन वी रमन, न्यायमूर्ति आर सुभाष रेड्डी और न्यायमूर्ति बी आर गवई की अध्यक्षता वाली खंडपीठ ने मामले में सभी संबद्ध पक्षों की ओर से दलीलें सुनने के बाद फैसला सुरक्षित रख लिया। एक याचिकाकर्ता की ओर से पेश वकील हुफेजा अहमदी ने दलील दी कि मौजूदा 2जी सेवा के चलते बच्चों की पढ़ाई, कारोबार में दिक्कत आ रही है। इतना ही नहीं, कोरोना महामारी के बीच राज्य में लोग वीडियोकॉल के जरिये डॉक्टरों से ज़रूरी सलाह नहीं ले पा रहे हैं।

दिल्ली सरकार ने अंकित शर्मा के परिवार के लिए 1 करोड़ रुपये स्वीकृत किए

नई दिल्ली। दिल्ली मंत्रिमंडल ने शहर में हिंसा के दौरान मारे गए आईबी अधिकारी अंकित शर्मा के परिवार के लिए सोमवार को एक करोड़ रुपये मंजूर किए हैं। मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने कहा कि कोरोनोवायरस के संकट के कारण प्रक्रिया में देरी हुई।

केजरीवाल ने ट्वीट किया, ÷दिल्ली हिंसा में आईबी अफ्सर अंकित शर्मा जी की बहुत ही दर्दनाक तरीके से हत्या की गई थी। उनके परिवार के लिए हमने एक करोड़ रुपये की सम्मान राशि का एलान किया था। आज उस निर्णय को कैबिनेट ने मंजूरी दी है। कोरोना के चलते इसमें देर हो गई। उम्मीद है इसी हफ्ते उनके परिवार को राशि मिल जाएगी।÷ दिल्ली में हुई हिंसा के दौरान आईबी के कर्मचारी अंकित शर्मा का शव 26 फरवरी को दिल्ली के चांद बाग इलाके में एक नाले में मिला था।

नागरिकता संशोधन कानून (सीएए) को लेकर फरवरी महीने में उत्तर-पूर्वी दिल्ली में हुए दंगों के मामले में दिल्ली पुलिस ने शुक्रवार को कड़कड़डूमा कोर्ट में अपनी पहली चार्जशीट दाखिल कर दी।दिल्ली पुलिस की ओर से दाखिल की गई 350 पेज की इस पहली चार्जशीट में शाहरुख पठान, कलीम अहमद और इश्तियाक मलिक का नाम शामिल है। यह पहली चार्जशीट एफआईआर नंबर 51/ 2020 दिनांक 26 फरवरी 2020 थाना जाफराबाद में दर्ज मामले में शुक्रवार को दाखिल की गई। दिल्ली हिंसा के दौरान शाहरुख पठान ने ही हेड कांस्टेबल दीपक दहिया और अन्य लोगों पर गोली चलाई थी। शाहरुख पठान को क्राइम ब्रांच की नारकोटिक्स सेल ने 3 मार्च 2020 को गिरफ्तार किया था। फिलहाल शाहरुख खान दिल्ली की जेल में बंद है।

डीएसटी के 50 वें स्थापना दिवस पर आयोजित कार्यक्रम को किया संबोधित

हर्षवर्धन ने मल्टीमीडिया गाइड 'कोविड कथा' को किया लॉन्च

नयी दिल्ली। केंद्रीय स्वास्थ्य और परिवार कल्याण और पृथ्वी विज्ञान मंत्री डॉ. हर्षवर्धन ने सोमवार को विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग (डीएसटी) के 50 वें स्थापना दिवस पर कोरोना वायरस (कोविड 19) पर एक मल्टीमीडिया गाइड 'कोविड कथा' को लॉन्च किया। डॉ. हर्षवर्धन ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से विभाग के सभी स्वायत्त संस्थानों और अधीनस्थ कार्यालयों के प्रमुखों के साथ बातचीत में उन्होंने कहा कि विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग और इसकी स्वायत्त संस्थानों ने अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर देश का नाम ऊंचा किया है। उनके द्वारा कोविड -19 के प्रकोप से निपटने के लिए की गई पहल और प्रयास विशेष रूप से महत्वपूर्ण है। उन्होंने बताया कि विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग के राष्ट्र की सेवा के 50 साल में प्रवेश के साथ ही इसका गोल्डन जुबली समारोह भी शुरू हुआ और देश के विभिन्न हिस्सों में असंख्य गतिविधियों की शुरुआत की गई। डॉ हर्षवर्धन ने 50 वें स्थापना दिवस के अवसर पर डीएसटी को बधाई दी और कहा 'डीएसटी और इसके स्वायत्त संस्थानों ने भारत की विज्ञान और प्रौद्योगिकी की उपलब्धियों को अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर ऊंचा किया है और असंख्य लोगों को लाभान्वित किया है। विभागीय संस्थानों ने वैज्ञानिकों को एक प्रतिस्पर्धी मोड के माध्यम से राष्ट्रीय एस एंड टी क्षमता को मजबूत करने के लिए अलौकिक अनुसंधान और विकास सहायता प्रदान की है। विभाग के प्रयासों ने चीन और अमेरिका के बाद वैश्विक स्तर पर भारत को विज्ञान और पत्र पत्रिकाओं में प्रकाशनों की संख्या के मामले में तीसरा स्थान प्राप्त हुआ है।'

8 हजार करोड़ के बजट का उल्लेख

केंद्रीय विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्री ने इस वर्ष बजट के दौरान वित्त मंत्री द्वारा क्वांटम प्रौद्योगिकी और अनुप्रयोग के लिए घोषित किये 8,000 करोड़ रुपये के बजट का विशेष उल्लेख करते हुए कहा कि एनएम-क्यूटीए की लॉन्चिंग क्वांटम तकनीकों और संबंधित क्षेत्रों में क्वांटम कंप्यूटिंग, क्वांटम क्रिप्टोग्राफी, क्वांटम संचार, क्वांटम मेट्रोलॉजी और सेंसिंग, क्वांटम को बढ़ावा देने के लिए एक लंबी छलांग है। मुझे यकीन है कि डीएसटी आम लोगों के लाभ के लिए इस अत्याधुनिक तकनीक के फल लाकर देश को गौरवान्वित करेगा।

नवाचार के क्षेत्र में विभाग ने किया बड़ा काम

डॉ. हर्षवर्धन ने कहा कि इन 49 वर्षों में हमारे देश में विज्ञान और प्रौद्योगिकी नवाचार के क्षेत्र में विभाग ने बहुत बड़ा योगदान दिया है। यह इनक्यूबेटरों और स्टार्ट-अप की संख्या में काफी वृद्धि के साथ आगे बढ़ गया है। उन्होंने डीएसटी की कुछ महत्वपूर्ण पहलों को रेखांकित किया और कहा कि योजनाएं जैसे कि आर्टिफ़ुलिटेव रिसर्च के माध्यम से लेखन कौशल को विकसित करना, युवा वैज्ञानिकों को उनके शोध कार्यों पर लोकप्रिय विज्ञान लेख लिखने के लिए प्रोत्साहित करने के लिए शुरू किया गया, प्रोग्राम इनोवेशन और स्टार्ट-अप गतिविधि को बढ़ावा देने के लिए नेशनल इनिशिएटिव फॉर डेवलपिंग एंड हारनेसिंग इनोवेशन कार्यक्रम, युवा छात्रों को अभिनव सोचने के लिए प्रोत्साहित करने के लिए मिलियन माइंड्स ऑगमेंटिंग नेशनल एस्पिरेशन्स एंड नॉलेज, इंटरडिसिप्लिनरी साइबर-फिजिकल सिस्टम, नेशनल में नया मिशन विदेशों में सर्वश्रेष्ठ वैश्विक विज्ञान परियोजनाओं के साथ जुड़ने के लिए अंतरराष्ट्रीय एस एंड टी सहयोग जैसे तीस मीटर टेलीस्कोप प्रोजेक्ट में भागीदारी और चार करोड़ अमरीकी डालर के भारत-इजराइल औद्योगिक अनुसंधान एवं विकास और प्रौद्योगिकीय नवाचार कोष ने भारत के विज्ञान और प्रौद्योगिकी का उत्थान आदि।

वैज्ञानिकों की प्रशंसा की :

उन्होंने कोविड -19 से निपटने में भारतीय वैज्ञानिकों की प्रशंसा करते हुए कहा, 'भारतीय वैज्ञानिकों ने हमेशा किसी भी चुनौती को पूरा करने में कोई कसर नहीं छोड़ी है और इस बार भी उन्होंने देश को निराश नहीं किया है। हमें याद रखना चाहिए कि इस वक्त हमें कई मोर्चों पर गति और पैमाने के साथ कार्यों की आवश्यकता थी, जिसमें शामिल स्केलअप के लिए तैयार प्रासंगिक प्रौद्योगिकी समाधानों की पहचान करने और समर्थन करने के लिए हमारे पूरे स्टार्ट-अप पारिस्थितिकी तंत्र की व्यापक मैपिंग, मॉडलिंग, वायरस के गुण और इसके प्रभाव, उपन्यास समाधान, आदि पर काम करने वाले शिक्षा और अनुसंधान एवं विकास प्रयोगशालाओं से उद्योगों और परियोजनाओं का समर्थन करना, समाधान प्रदान करने में प्रासंगिक डीएसटी के स्वायत्त संस्थानों को सक्रिय करना। मुझे खुशी है कि हमारे डीएसटी वैज्ञानिकों ने प्रतिकूल परिस्थितियों में भी इसे हासिल किया। विशेष रूप से एस सी टी आई एम एस टी, तिरुवनंतपुरम का उल्लेख करना चाहूंगा है जो 10 से अधिक प्रभावी उत्पादों के साथ सामने आया है।

असम में 2,500 सूअरों की मौत

भारत में अफ्रीकी स्वाइन फ्लू का पहला मामला सामने आया

गुवाहाटी ए.। कोरोना वायरस संकट के बीच देश में एक नई बीमारी ने पनपना शुरू कर दिया है। भारत में रविवार को इसका पहला मामला सामने आया है। इसका नाम अफ्रीकन स्वाइन फ्लू है। असम में इसका पहला केस सामने आया है। असम सरकार ने रविवार को कहा कि राज्य में अफ्रीकी स्वाइन फ्लू का पहला मामला पाया गया है और इससे 306 गांवों में 2,500 से अधिक सूअर मार जा चुके हैं।

विशेषज्ञों की मानें तो यह आसानी से इंसानों तक भी पहुंच सकता है। चीन में यह प्रकोप पहले से ही चल रहा है, जिस कारण वहां के करीब 40 प्रतिशत सूअरों का सफाया हो चुका है। शुरुआत में खुले घूम रहे सूअर ही इसकी चपेट में आए, लेकिन बाद में यह फॅर्म तक पहुंच गई।

बीमारी को कोरोना से कोई लेना-देना नहीं

असम के पशुपालन और पशु चिकित्सा मंत्री अतुल बोरा ने यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार केंद्र से मंजूरी होने के बाद भी तुरंत सूअरों को मारने के बजाय इस घातक संक्रामक बीमारी को फैलने से रोकने के लिए कोई अन्य रास्ता अपनाएगी। बोरा ने बताया कि इस बीमारी का कोविड-19 से कोई लेना-देना नहीं है। फिलहाल मंत्री का कहना है कि यह इंसानों तक नहीं पहुंच सकता। फिलहाल उस जगहों के सूअरों को खाने में खतरा नहीं है जहां यह इंफेक्शन नहीं है।

बोरा ने कहा, 'राष्ट्रीय उच्च सुरक्षा पशु रोग संस्थान (एनआईएचएसएडी) भोपाल ने पुष्टि की है कि यह अफ्रीकी स्वाइन फ्लू (एएसएफ) है।

मुख्यमंत्री ने कहा- कोरोना का वैक्सीन अभी तक नहीं मिला, हमें इसके साथ ही जीना सीखना पड़ेगा

आज से ग्रीन और ऑरेंज जिलों में दुकानें खुलेंगी

हॉटस्पॉट में शामिल इंदौर, भोपाल, जबलपुर, ग्वालियर, खंडवा, धार, बड़वानी और देवास में प्रशासन अलर्ट

प्रशासन ने कंटेनमेंट एरिया में सख्ती और बाहर रियायत को भी खतरनाक माना, इसलिए इन शहरों में एक जैसी सख्ती लागू रहेगी

नव प्रदेश संवाददाता

भोपाल। लॉकडाउन फेज-3 शुरू हो गया है। प्रदेश के ग्रीन और ऑरेंज जिलों में दुकानें खुलना शुरू हो गई हैं। दो सप्ताह के इस लॉकडाउन में केंद्र ने गाइडलाइन जारी करके कई तरह की रियायतें देने की बात कही है। लेकिन, हॉटस्पॉट में शामिल इंदौर, भोपाल, जबलपुर, ग्वालियर, खंडवा, धार, बड़वानी और देवास को लेकर प्रशासन बहुत सतर्क है। अधिक छूट देने के बजाए सख्ती कर कोरोना की चेन तोड़ने और औद्योगिक गतिविधियां शुरू करने पर जोर दिया गया है। प्रशासन ने कंटेनमेंट एरिया में सख्ती और बाहर रियायत को भी खतरनाक माना है। लिहाजा, इन शहरों में एक जैसी सख्ती रहेगी।

महंगी पड़ सकती है छोटी से गलती

रविवार को मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने प्रदेशवासियों से अलर्ट रहने को कहा। उनके मुताबिक, हमारी छोटी सी लापरवाही ग्रीन जोन ऑरेंज में और ऑरेंज से रेड जोन में बदल जाएगी। जो ढील मिली है, वह तुरंत बंद हो सकती है। कोरोना वैक्सीन अभी मिला नहीं है। हमें इसके साथ ही जीना सीखना पड़ेगा। लाइफ स्टाइल बदलें। हमें आयुर्वेदिक काढ़े के उपयोग से अपनी रोग-प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाना है। सरकार काढ़े के एक करोड़ निःशुल्क पैकेट वितरित कर रही है।

40 दिन से बंद प्रदेश का 70 प्रतिशत हिस्सा सोमवार से सशर्त ढील के साथ खुल जाएगा। मुख्यमंत्री ने रविवार को सभी जिलों से फीडबैक लेने के बाद केंद्रीय गाइडलाइन के अनुरूप 17 मई तक लॉकडाउन बढ़ा दिया। भोपाल, इंदौर समेत रेड जोन के सभी 9 जिलों में कंटेनमेंट क्षेत्र को छोड़कर मामूली छूट रहेगी। ग्रीन जोन के 24 और ऑरेंज जोन के 19 जिलों में सभी दुकानें, कॉम्प्लेक्स, निर्माण गतिविधियां शुरू हो जाएंगी। रेड जोन में शराब, भांग और गुटखा शॉप बंद रहेंगी। ग्रीन और ऑरेंज के लिए कलेक्टर क्राइसेस मैनेजमेंट ग्रुप से चर्चा कर फैसला लेंगे। कलेक्टर मनीष सिंह ने बताया कि स्थिति पहले से 80 फीसदी नियंत्रण में आ गई है। लेकिन, अभी 15 दिन तक सख्ती जरूरी है। घर से बेवजह निकलने की मंजूरी तो नहीं देंगे, दो सप्ताह बाद शहर की स्थिति को देखकर चरणबद्ध तरीके से आगे राहत मिलेगी। बेवजह निकले तो सीधे जेल भेजेंगे। थोक कारोबारियों को अनुमति दे रहे कि वह जिले के बाहर माल भेजें। 99त्न दाल, आटा, बेसन मिलों को खोलने की मंजूरी दी है। बाकी को एक-दो दिन में देंगे।कलेक्टर तरुण पिथोड़े ने बताया कि प्राइवेट दफ्तर बंद रहेंगे। शहर के भीतर उद्योग नहीं खुलेंगे।

न्यूज गैलरी

सीहोर में लॉकडाउन का उल्लंघन के साढ़े चार सौ मामले दर्ज

भोपाल/ सीहोर। जिले में लॉकडाउन उल्लंघन चार सौ पचास आपराधिक मामले दर्ज कर 500 से भी अधिक लोगों को गिरफ्तार कर उनके विरुद्ध कार्रवाई की गयी है। पुलिस सूत्रों के अनुसार जिले में लॉकडाउन वन और टू के समय पुलिस ने करीबन 450 मामले 500 से अधिक लोगों के विरुद्ध दर्ज कर उनके विरुद्ध कार्रवाई की है। सर्वाधिक मामले जिले के आष्टा क्षेत्र में सामने आए हैं। इसके अलावा अधिकांश मामले युवाओं के विरुद्ध कायम हुए हैं, जिन्होंने प्रतिबंधात्मक आदेश का उल्लंघन किया है। इस कार्रवाई में पचास के आसपास कारोबारी भी है। लॉकडाउन 3 की शुरुआत भी पुलिस ने शक्ति से की है। आज सुबह ही सीहोर जिला मुख्यालय पर पुलिस काफी सख्त थी। निश्चित दुकानों को छोड़कर बाजार में खुल अन्य दुकानों को बंद करायी गयी। इस कार्रवाई से सबसे ज्यादा वह दुकानदार परेशान है, जिनके आवास में ही दुकाने हैं। उन्हें घर का मुख्य दरवाजा खोलने की भी अनुमति नही है।

पैरोल से आने वाले बंदी भी पुरानी जेल में रखे जाएंगे, प्रहरी की दिन में दो बार स्क्रीनिंग

भोपाल। कोरोना संक्रमण को लेकर सेंट्रल जेल के अफसर बेहद सख्त निगरानी कर रहे हैं। जेल प्रबंधन बंदियों को संक्रमण से बचाव के लिए अब किसी भी बाहरी को अंदर प्रवेश नहीं दिया जा रहा है। यहां तक की जो जेल प्रहरी जेल के बाहर तैनात हैं, उनको अंदर नहीं जाने दिया जाएगा। जो जेल के अंदर सेवाएं दे रहे हैं, उनकी आते जाते दो बार स्क्रीनिंग की जा रही है। यहां तक कि पैरोल से वापस आने वाले बंदियों को भी पुरानी जेल में ही रखा जाएगा। जेल के अंदर शारीरिक दूरी का ख्याल रखा जा रहा है। हम बता दें कि जेल में कोरोना संक्रमण को लेकर जेल के आला अफसर किसी भी प्रकार का खतरा नहीं उठना चाहते हैं। इसलिए जेल के अफसरों ने जेल के लिए नए निर्देश जारी किए हैं। इसमें जेल के साथ अब जेल प्रहारियों के आवास पर पहरा लगा दिया है। जेल परिसर के दोनों तरफ के गेट पर जेल प्रहारियों को तैनात कर दिया है। किसी भी बाहरी को अंदर आने पर रोक लगा दी है। अब जेल मे जो जहां अपनी सेवाएं दे रहा है। वह उसी स्थान पर सेवाएं देगा। वह नए प्रहरियों और बंदियों के भी संपर्क मं नहीं आएगा। इसलिए जेल प्रबंधन सख्ती दिखाई है। जेल के अंदर बंदियों की होने वाली परेड बंद कर दी गई है। इसके पीछे एक ही कारण है कि बंदियों को हजारों की संख्या में एक ही स्थान पर नहीं जमा कर सकते है।.

लॉकडाउन में गड़बड़ाया जीएसटी रिटर्न, पहले नंबर पर रहने वाला राज्य पहुंचा 31वें पायदान पर

जीएसटी : लॉकडाउन के कारण 3.51 लाख में से 22 हजार लोग ही मार्च का रिटर्न फाइल कर पाए

नव प्रदेश संवाददाता

भोपाल। लॉकडाउन के कारण जीएसटी रिटर्न फाइल करने में भी देरी हो रही है। मध्यप्रदेश इस मामले में बहुत पिछड़ गया है। रिटर्न के मामले में कभी पहले-दूसरे नंबर पर रहने वाला मध्यप्रदेश अब 31वें नंबर पर आ गया है। प्रदेश में कुल 351000 व्यापारियों को मार्च की अपनी जीएसटीआर-3बी रिटर्न फाइल करनी थी। इसमें से कुल 22000 लोगों ने ही रिटर्न फाइल किया। इस तरह कुल राष्ट्रीय 7.81 प्रतिशत की तुलना में मध्यप्रदेश का प्रतिशत 6.35 रहा।

बड़े राज्य भी पीछे

जानकारों के मुताबिक जीएसटीआर 3बी रिटर्न फाइल करने में महाराष्ट्र गुजरात, पंजाब, राजस्थान जैसे अन्य बड़े राज्य भी मध्यप्रदेश से नीचे है। रिटर्न फाइल करने वालों की सूची में मिजोरम पहले नंबर पर है। अर्थात जिन राज्यों में कोरोना वायरस का असर कम है, वहां रिटर्न फाइल करने वालों की संख्या ज्यादा है। यानी वहां जीएसटी कानून का पालन ठीक ढंग से हो रहा है।

लेट फीस और ब्याज में राहत

विशेषज्ञों के मुताबिक जीएसटी अधिनियम के अंतर्गत जीएसटीआर 3 बी समय से फाइल नहीं करने पर 20 या 50 रुपए प्रतिदिन के हिसाब से लेट फीस लगाने का प्रावधान है तथा टैक्स के भुगतान में विलंब होने पर 18 प्रतिशत प्रतिवर्ष के मुताबिक ब्याज की गणना की जाती है, किन्तु फरवरी, मार्च और अप्रैल के लिए इन प्रावधानों को छूट दी गई है। ऐसे व्यापारी जिनका टर्नओवर विगत वित्ती वर्ष में पांच करोड़ रुपए से अधिक है, यदि वे अपना 3बी, 24 जून 2020 के पहले फाइल कर देते हैं तो उन्हें किसी प्रकार की लेट फीस देने की बाध्यता नहीं होगी। इसी प्रकार पांच करोड़ से अधिक टर्न ओवर वाले व्यापारियों को ब्याज में भी राहत दी गई है। टैक्स का भुगतान करने में नियत तिथित से अगर 15 दिन से अधिक का विलंब होता है तो किसी प्रकार का ब्याज नहीं लिया जाएगा। यदि 15 दिन से अधिक लगते हैं तो ब्याज की गणना 18 प्रतिशत के आधार पर न करते हुए केवल 9 प्रतिशत की दरसे की जाएगी। यहब्याज की गणना 16वें दिन से शुरू की जाएगी। इसी प्रकार ऐसे व्यापारी जिनका विगत वित्तीय वर्ष में टर्न ओवर पांच करोड़ से कम है, यदि वे एक निर्धारित तिथि के पहले अपनी जीएसटीआर 3 बी फाइल कर देते हैं, तो उनसे ककिसी प्रकार की ब्याज की राशि तथा लेट फीस नहीं वसूल की जाएगी।

राज्य-स्तरीय कोरोना नियंत्रण कक्ष बना नागरिकों का मददगार

नव प्रदेश संवाददाता

भोपाल । प्रदेश में नोवल कोरोना वायरस (कोविड-19) संक्रमण के कारण लॉकडाउन के दौरान लोगों की दिक्कतों, जिज्ञासाओं आदि के त्वरित समाधान के लिये विशेष राज्य-स्तरीय नियंत्रण कक्ष (कन्ट्रोल रूम) भोपाल के स्मार्ट सिटी सेन्टर में संचालित किया जा रहा है। राज्य-स्तरीय नियंत्रण कक्ष को प्राप्त 64 हजार 909 फोनकॉल में से 58 हजार 497 में त्वरित कार्रवाई कर समाधान किया गया। नियंत्रण कक्ष द्वारा किये जा रहे सहयोग एवं सहायता से अब तक चार लाख 82 हजार 412 लोग लाभान्वित हो चुके हैं। राज्य-स्तरीय नियंत्रण-कक्ष को राशन, भोजन, आश्रय, चिकित्सा, परिवहन तथा अन्य प्रकार की सहायता एवं सहयोग के लिये प्राप्त होने वाले फोनकॉल को तीन अलग-अलग श्रेणी में दर्ज कर त्वरित कार्यवाही की जा रही है। मध्यप्रदेश के वह नागरिक जो अन्य राज्यों में निवास कर रहे हैं, से प्राप्त 51 हजार 243 फोनकॉल में से 45 हजार 913 का निराकरण किया गया। प्रदेश के अन्दर ही अपने निवास के जिले से बाहर रुके हुए नागरिकों से प्राप्त 9 हजार 635 फोनकॉल में से 9 हजार 118 को चाहा गया सहयोग प्रदान किया गया। इसी प्रकार, अन्य राज्यों के मध्यप्रदेश में निवास कर रहे लोगों द्वारा किये गये 4 हजार 031 फोनकॉल में से 3 हजार 466 में मदद पहुँचाई जा चुकी है। नियंत्रण कक्ष में चिकित्सा, खाद्य, परिवहन तथा सामाजिक न्याय आदि विभाग के अधिकारी नियमित रूप से 24: 7 उपस्थित हैं। नागरिकों के फोनकॉल पर प्राप्त सूचना के आधार पर संबंधित विभाग के अधिकारी त्वरित कार्रवाई करते हैं।

अब 12 दिनों में दोगुने हो रहे हैं मरीज

प्रदेश के लिए बड़ी राहत की खबर, 800 से ज्यादा हुए स्वस्थ्य

पहले ये पांच दिन में हो रहे थे दोगुने

नव प्रदेश संवाददाता

भोपाल । कोरोना महामारी से जूझ रहे प्रदेश के लिए बड़ी राहत की खबर आई है। प्रदेश में कोरोना मरीजों की डबलिंग यानी दोगुनी संख्या होने में अब 12 दिन का वक्त लग रहा है। पिछले एक महीने में ये आंकड़ा 2-5 दिन था। यानी कभी दो दिन में, कभी तीन दिन, कभी चार दिन में तो कभी पांच दिन में कोरोना संक्रमित मरीजों की संख्या दोगुनी हो रही थी। अब इस आंकड़े ने लंबी छलांग लगाई है और कोरोना के खिलाफ लड़ाई को दोगुने से ज्यादा की बढ़ोत्तरी करते हुए 12 दिन पर पहुंचा दिया है। अब तक

आंकड़े देखें तो रिकवरी रेट 3 से 40 फीसदी तक हो रहा है। उज्जैन में रिकवरी की दर 4 फीसदी है तो भोपाल में ये 40 फीसदी है। पूरे प्रदेश का रिकवरी रेट 22 फीसदी है। पूरे प्रदेश में अब तक 8 सौ से ज्यादा लोग स्वस्थ्य होकर अपने घर जा चुके हैं। प्रदेश के कोरोना से सबसे ज्यादा प्रभावित 8 जिलों में उज्जैन की रिकवरी दर सबसे कम है। उज्जैन में 160 पॉजिटिव केस हैं, यहां पर 5 मरीज स्वस्थ्य हुए। उज्जैन की रिकवरी दर 3 फीसदी है। इंदौर में 1545 मरीजों में 229 स्वस्थ हुए। इंदौर का रिकवरी रेट 15 फीसदी है। भोपाल में 527 में से 212 ठीक होकर अपने घर जा चुके हैं। यहां की रिकवरी दर सबसे ज्यादा 40 फीसदी है। खरगोन में 76 मरीजों में 22 मरीज स्वस्थ्य होकर अस्पताल से निकले। यहां की रिकवरी दर 29 फीसदी है। जबलपुर में 96 मरीजों में 9 मरीज स्वस्थ्य हुए। यहां की रिकवरी रेट 9 फीसदी है। देवास में 28 मरीजों में से 11 मरीज ठीक हुए। यहां स्वस्थ्य होने की दर 4 फीसदी है। खंडवा में 47 कोरोना पॉजिटिव में से 31 मरीज स्वस्थ्य हुए। खंडवा का रिकवरी रेट 66 फीसदी है। मंदसौर में 33 लोगों में सिर्फ एक ठीक हुआ। यहां का रिकवरी रेट 3 फीसदी है।

फ्लैग मार्च : कोरोना योद्धाओं के स्वागत में महिलाओं ने दीप जलाए, आरती उतारी और ताली बजाई

जूनी इंदौर क्षेत्र में पुलिस का विशेष फ्लैग मार्च, पुलिस के लिए दिए की थाली लेकर निकले लोग

जवानों के स्वास्थ्य की कामना करते हुए उन्हें धन्यवाद कहा, बोले- पुलिस सड़कों पर डटी है, इसलिए हम सुरक्षित

नव प्रदेश संवाददाता

भोपाल/ इंदौर। कोरोना संक्रमण के दौर में डॉक्टर्स की तरह पुलिसबल भी कोरोना वॉरियर्स हैं। उनके जगह-जगह सम्मान किए जा रहे हैं। दोनों ही इस दौर में जनता के लिए भगवान के स्वरूप में हैं। 24 घंटे संक्रमित इलाकों में ड्यूटी कर रहे पुलिस जवानों को लेकर जनता में एक विशेष भाव पैदा देखने को मिल रहा है। रविवार को जूनी इंदौर इलाके में जब पुलिस ने क्षेत्र की कुछ प्रमुख कॉलोनियों में फ्लैग मार्च निकाला तो लोग पुलिस के सम्मान में दिए जलाकर घरों से बाहर निकल आए। महिला और बुजुर्गों ने आरती उतारकर जवानों के स्वास्थ्य की कामना की और धन्यवाद ज्ञापित किया कि पुलिस सड़कों पर डटी है, इसलिए हम सुरक्षित हैं। सीएसपी

जूनी इंदौर दिशेष अग्रवाल ने बताया कि रविवार को गुलजार कॉलोनी से शाम 5.30 बजे फ्लैग मार्च निकाला गया। इसमें एसटीएफ की प्लॉटून के साथ पुलिस और नगर सुरक्षा समिति के जवान मौजूद थे। फ्लैग मार्च गुलजार कॉलोनी से सैफी नगर, खातीवाला टैंक होकर सिंधी कॉलोनी में खत्म हुआ। इस दौरान लोगों ने पुलिस का कई जगह ताली बजाकर तो कई जगह आरती उतारकर अभिवंदन किया। सीएसपी ने बताया कि वर्तमान में जिस महामारी से देश जुझ रहा है। उसमें डॉक्टर्स और पुलिस जवानों के लिए लोगों के मन में जो भाव हैं, वह हमें फील्ड में देखने को मिल रहे हैं। हमें हर जगह जनता का काफी प्यार मिल रहा है। इससे हमारा मनोबल बढ़ रहा है।

लापरवाही अस्पताल प्रबंधन की बड़ी लापरवाही यह रही कि परिजन को यह नहीं बताया कि मृतक कोरोना संदिग्ध

कोरोना संक्रमित का रीति-रिवाज से किया था अंतिम संस्कार, परिवार के पांच लोग पाजिटिव

नव प्रदेश संवाददाता

भोपाल। भोपाल में चार दिन पहले कोरोना से संक्रमित एक व्यक्ति का अंतिम संस्कार पूरे रीति-रिवाज से कर दिया गया था। इसमें अस्पताल प्रबंधन की बड़ी लापरवाही यह रही कि परिजन को यह नहीं बताया कि मृतक कोरोना संदिग्ध हैं। तय प्रोटोकाल के अनुसार उनका अंतिम संस्कार शव को छुए बिना करना है। परिजन ने 29 अप्रैल को शव को नहला-धुलाकर पूरे रीति-रिवाज के साथ बड़ा बाग कब्रिस्तान में अंतिम संस्कार किया। भोपाल में पांचवी बार संदिग्ध/पॉजिटिव के अंतिम संस्कार में इस तरह की लापरवाही सामने आई है। 30 अप्रैल को परिवार के अन्य लोगों के भी सैंपल लिए गए थे। 3 अप्रैल को आई जांच रिपोर्ट में

मृतक की चाची समेत पांच लोग पॉजिटिव पाए गए हैं। सभी कवीटपुरा में एक साथ रहते हैं।

इन्हें मिलाकर भोपाल में रविवार को कोरोना के 15 नए मरीज मिले हैं। प्रेस कांप्लेक्स में नेहरू नगर झुग्गी में 26 साल का एक युवक कोरोना से संक्रमित मिला है। वह बस्ती के पास ही सब्जी का ठेला लगाता था। उधर, रायसेन के औबेदुल्लागंज और बेगमगंज में कोरोना से एक-एक मरीज की मौत हो गई है। भोपाल में अब तक कोरोना के 544 मरीज हो गए हैं। इनमें 15 मरीजों की मौत हो गई है।

परिजन रुके ही नहीं, पुलिस को सूचना भी नहीं दे पाए

हमीदिया अस्पताल के अधीक्षक डॉ. एके श्रीवास्तव ने बताया कि अबरार नामक मरीज की मौत 28 अप्रैल को हो गई थी। परिजन जल्दबाजी में शव लेकर चले गए थे। 29 अप्रैल को रिपोर्ट पॉजिटिव आई थी। अबरार की मौत के बाद पुलिस को भी हम सूचना नहीं दे पाए थे। इसी कारण तय प्रोटोकाल के अनुसार शव की पैकिंग भी नहीं की जा सकी।

यहां भी मिले मरीज

सोमवार को बाग उमराव दूल्हा में एक, 1100 क्वार्टर में एक, अहीरपुरा जहांगीराबाद में दो, मुख्य बाजार जहांगीराबाद में एक, गांधी मेडिकल कॉलेज में दो व नूरबाग कैंपस में दो मरीज मिले हैं।

ग्रीन जोन में दस्तावेजों का पंजीयन शुरू

भोपाल। राज्य शासन ने प्रदेश के सभी वरिष्ठ जिला पंजीयक/जिला पंजीयक को ग्रीन जोन घोषित जिलों और तहसीलों में दस्तावेजों के पंजीयन का कार्य शुरू करने के निर्देश दिये हैं। वाणिज्यिक कर विभाग ने आदेश जारी कर दिये हैं। जिलों में क्राइसिस मैनेजमेंट ग्रुप/कलेक्टर के आदेश द्वारा प्रति-दिन ग्रीन-जोन घोषित जिलों और तहसीलों की अद्यतन सूची प्राप्त की जाएगी। ग्रीन-जोन में स्थित कार्यालयों में कलेक्टर द्वारा निरीक्षण और पुष्टि के बाद दस्तावेजों के पंजीयन का काम 4 मई, 2020 से शुरू किया जाएगा।

कांग्रेस ने कहा कोरोना काल में बिके स्वास्थ्य मंत्री

तुलसी सिलावट बोले झूठ बोल रही है पार्टी

फिर छिड़ा किसके शासन में बढ़ा कोरोना का मुद्दा

नव प्रदेश संवाददाता

भोपाल । सरकार गिरने के बाद पूर्व मुख्यमंत्री और प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष कमलनाथ की भोपाल में हुई पहली प्रेस कान्फ्रेंस के बाद ये मुद्दा फिर गरमा गया है कि आखिर प्रदेश में कोरोना की भयावह स्थिति के लिए जिम्मेदार कौन है। कोरोना की आहट के बाद कमलनाथ सरकार ने निपटने की तैयारी नहीं की या फिर भाजपा सरकार व्यवस्थाओं के प्रबंधन में नाकाम साबित हुई। कांग्रेस ने सात मिनट की एक वीडियो फिल्म जारी की है जिसमें जनवरी से लेकर मार्च तक कमलनाथ सरकार के कोरोना के संबंध में उठाए गए कदमों का जिक्र है। कमलनाथ ने

अपनी प्रेस कान्फ्रेंस में भी कहा कि12 मार्च को महामारी की घोषणा हुई, तत्कालीन स्वास्थ्य मंत्री तुलसी सिलावट को चिंता नहीं थी और वे बेंगलुरु चले गए। कांग्रेस की सोशल मीडिया ने तुलसी सिलावट के खिलाफ अभियान भी छेड़ दिया है। सोशल मीडिया में ये मैसेज भेजा जा रहा है कि जिस प्रदेश का स्वास्थ्य मंत्री ही बिक गया हो, वहां स्वास्थ्य सेवाओं की अपेक्षा भी क्या करें। इन सभी मौतों के जिम्मेदार भाजपा और जयचंद हैं।

तुलसी का पलटवार

पूर्व स्वास्थ्य मंत्री और भाजपा सरकार में जल संसाधन मंत्री बने तुलसी सिलावट ने कहा कि कांग्रेस झूठ फैलाकर लोगों को गुमराह करने की कोशिश कर रही है। सिलावट ने कहा कि उनके खिलाफ जो आरोप लगाए गए हैं वे बिल्कुल तथ्यहीन हैं। सिलावट ने कहा कि उन्होंने तो तत्काल अपना इस्तीफा भेज दिया था।

संपादकीय

लॉकडाउन का कड़ाई से पालन हो

कोरोना वायरस के संक्रमण का खतरा लगातार बढ़ता ही जा रहा है यही वजह है कि देश में लॉकडाउन को दो सप्ताह के लिए और आगे बढ़ाना पड़ गया है। इस बार देश के विभिन्न जिलों को तीन जोनों में बांटा गया है। जहां कोरोना वायरस का प्रकोप ज्यादा है उन्हे रेड जोन में रखा गया है और वहां पहले की तरह ही तमाम पाबंदियां यथावत लागू रहेंगी। वहीं दुसरी ओर आरेंज जोन और ग्रीन जोन में कुछ ज्यादा छूटें दी गई है किन्तु इसके लिए भी शर्ते लगाई गई है। किन्तु की छूट का लोग नाजायज फायदा उठाने से बाज नहीं आ रहे है। यदि ऐसे लोगों के खिलाफ सख्त न की गई तो ग्रीन जोन के आरेंज जोन में जाने का और आरेंज जोने के रेड जोन में जाने का खतरा पैदा हो जाएगा। ऐसी स्थिति में लॉकडाउन का सख्ती पूर्वक पालन कराना जरूरी है। इसी तरह पूरे देश में लागू धारा 144 का भी कठोरता पूर्वक पालन कराया जाना चाहिए अन्यथा जाहिलों की जहालत के कारण दो सप्ताह बाद फिर से लॉकडाउन आगे बढ़ाने की नौबत आ जाएगी। गौरतलब है कि विभिन्न राज्या सरकारों ने अपनी खराब अर्थव्यवस्था की रोना रोते हुए लॉकडाउन अवधि में भी शराब दुकानों को खोलने का फैसला किया है। पहले दिन ही शराब दुकानों में लोगो की भारी भीड़ उमड़ पड़ी। यद्यपि शराब दुकाने खोलने के लिए भी कड़ी शर्ते लगाई गई है और वहां सोशल डिस्टेंसिंग का पालन कराने का आदेश दिया गया है लेकिन मदीरा प्रेमियों ने पहले दिन ही सोशल डिस्टेंसिंग की धज्जियां उड़ाकर रख दी है। ये वहीं लोग है जो कल तक चीख पुकार मचा रहे थे की लॉकडाउन के कारण उनके सामने भूखों मरने की स्थिति निर्मित हो गई है लेकिन शराब दुकान खुलते ही उन लोगों के पास मानों जादू के जोर से पैसा आ गया है और वे शराब दुकानों पर टूट पड़े है। यदि इन शराबियों में कुछ लोग भी कोरोना संक्रमित हुए तो इतने ज्यादा लोग कोरोना संक्रमण के शिकार हो जाऐंगे इसका अनुमान लगाया जा सकता है। इसी तरह प्रवासी मजदूरों को भी उनके राज्यों में भेजने की कवायद की जा रही है और इसके लिए विशेष ट्रेंने चलाई जा रही है उसमें भी सतर्कता बरतने की सख्त जरूरत है अन्यथा ये प्रवासी मजदूर विभिन्न राज्यों में कोरोना वायरस फैला सकते है। सरकार को चाहिए कि वह लॉकडाउन में राहत जरूर दें लेकिन सतर्कता भी बरतें अन्यथा अ तक जो प्रयास किए गए है उस पर पानी फिर सकता है। खासतौर पर रेड जोन में तो लॉकडाउन का कड़ाई पूर्वक पालन कराना अति आवश्यक है, क्योंकि वहां लोगों की मूर्खता के कारण ही कोरोना संक्रमित मरीजों की संख्या में तेजी से वृद्धि हो रही है। आरेंज और ग्रीन जोन में भी लोग छूट का अनुचित फायदा न उठाएं इस बात का भी शासन प्रशासन का ध्यान रखना होगा अन्यथा वहां भी स्थिति बिगड़ सकती है।

विचार

कोरोना का तुरंत तोड़ प्लाज्मा है

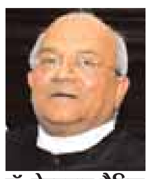

डॉ. वेदप्रताप वैदिक

ज्यों ही तालाबंदी घोषित हुई, गुड़गांव के कुछ मित्र डॉक्टरों और वैद्यों ने मुझे तरह-तरह के सुझाव दिए। कुछ डाक्टरों ने कहा कि आप प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्रियों से कहिए कि वे 'प्लाज्मा थेरेपी' को मौका दें। मैंने कई मुख्यमंत्रियों से बात की लेकिन दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने सबसे ज्यादा रुचि दिखाई और मुझसे कहा कि मैं अभी डाक्टरों की बैठक बुलाता हूं और उनसे कहता हूं कि प्लाज्मा चिकित्सा का परीक्षण शुरु करें। मुझे बहुत खुशी है कि अभी तक सारी दुनिया के डॉक्टर जिस कोरोना का तोड़ नहीं निकाल पाए हैं, उसका तोड़ हमारे डॉक्टरों ने निकाल लिया है। दिल्ली के डॉक्टरों की इस खोज पर 'इंडियन कौंसिल ऑफ मेडिकल कौंसिल' ने भी अपनी मोहर लगा दी है।

कोरोना के मरीजों को यह तीन-चार दिन में ठीक कर देता है। यह ठीक है कि इसकी तुलना किसी टीके (वेक्सीन) या कुनैन जैसी गोली से नहीं की जा सकती। यह 'प्लाज्मा' हजारों-लाखों लोगों को एक साथ नहीं दिया जा सकता, क्योंकि यह उन लोगों के खून में से निकाला जाता है, जो पहले कोरोना के मरीज़ रह चुके हैं और अब बिल्कुल ठीक हो चुके हैं। ऐसे लोगों का प्लाज्मा ज्यादा से ज्यादा तीन लोगों को दिया जा सकता है। भारत में कोरोना के मरीज़ हजारों में हैं और ठीक होनेवाले मरीजों की संख्या एक-चौथाई भी नहीं है और उनमें से अपना प्लाज्मा देने की शर्त आधे लोग भी पूरी नहीं कर सकते। इसके अलावा जो व्यक्ति एक बार कोरोना के चक्कर से बच निकला है, वह अस्पताल की सूरत भी नहीं देखना चाहता। जो ठीक हुए मरीज़ अपना प्लाज्मा देने की पेशकश कर रहे हैं, मैं उन्हें बधाई देता हूं। वे छोटे-मोटे देवदूत हैं। वे डरपोक नहीं हैं। उनमें सच्ची इंसानियत है, क्योंकि यह प्लाज्मा किसकी जान बचाएगा, इसका उन्हें कुछ पता नहीं। यह तो डाक्टर तय करेंगे कि किसका प्लाज्मा किसको दिया जाएगा। यह जरुरी नहीं कि वह अपने रिश्तेदारों या मित्रों को ही दिया जाए। यह खबर और भी बड़ी खुशखबर है कि निजामुद्दीन की तबलीगी जमात में शामिल हुए तीन सौ लोग, ठीक होने के बाद अपना प्लाज्मा दान करने के लिए तैयार हैं। उनका प्लाज्मा सभी के काम आएगा, वे चाहे हिंदू हों या मुसलमान, सिख हों या ईसाई ! जब प्लाज्मा जात, मजहब, भाषा, रंग-रुप और हैसियत का फर्क नहीं करता तो हम इंसान होकर यह फर्क क्यों करने लगते हैं ? इन प्लाज्मा देनेवालों की वजह से तबलीगी जमात को कुछ हद तक अपने पाप से उबरने का मौका भी मिलेगा। रमज़ान के दिनों में इससे बढ़िया (पुण्य कार्य) कारे-सवाब क्या होगा ? यह ज़काते-जान है।

आरक्षण समाप्ति के कुचक्र में शब्द जीते, न्याय हारा

यशवंत धोटे

मध्यप्रदेश शासन 1999 के एक आदेश द्वारा इन 50 प्रतिशत अनारक्षित (ओपन/खुली) सीटों को शासकीय कार्यों में सामान्य (जनरल) सीट शब्द लिखने पर बैन (रोक)भी लगा चुका है. क्योंकि इससे भ्रम उत्पन्न होने लगा था व इन 50 प्रतिशत अनारक्षित (ओपन/खुली) सीटों को लोग सामान्य जाति के उम्मीदवारों हेतु आरक्षित सीटें समझने लगे थे। वैसा ही कुछ इस निर्णय के पैरा क्रमांक 27 में उधृत एम. पी. सिविल सर्विस 1997 के नियम क्रमांक 3 के स्पष्टीकरण को पढ़ने से भी समझ में आया कि यह महिला आरक्षण अनुसूचित जाति, जनजाति, अन्य पिछड़ा वर्ग व सामान्य अर्थात चारों श्रेणियों में कम्पार्टमेन्टवार व हॉरिजेंटली दिया जाना है. जबकि कानून में सामान्य श्रेणी (जनरल केटेगरी) नामक तो कोई शब्द ही नहीं होता अपितु उन सीटों को अनारक्षित (अनरिज़र्वड) सीटें कहा जाता है।

एमपी पीएससी की असिस्टेन्ट प्रोफेसर के परीक्षा परिणामों के विरोध में हाईकोर्ट गए सामान्य वर्ग को अन्ततः आरक्षण समाप्ति के कुचक्र में सफलता मिल ही गई और आरक्षित वर्ग के प्रत्याशियों के निराशा हाथ लगी। यह निर्णय आरक्षित वर्ग के खिलाफ दिया गया हैं। इस निर्णय से आरक्षित श्रेणी की 92 (ओबीसीः 71, एससीः 18 व एसटीः 03) महिला उम्मीदवार प्रभावित हुई हैं। अब 50 प्रतिशत अनारक्षित सीटें शनैः शनैः 10 प्रतिशत सामान्य उम्मीदवारों के पक्ष में जाती दिख रही हैं।

गौरतलब है कि मध्यप्रदेश हाईकोर्ट ने बुधवार 29 अप्रैल 2020 को याचिका क्रमांक 19630 / 2019, पिन्की असाटी विरुद्ध मध्यप्रदेश शासन एवं अन्य ऐसी लंबित 37 याचिकाओं पर सहायक प्राध्यापक पदों की नियुक्ति में लागू महिला आरक्षण पर एक फैसला सुनाया है जिसमें मुख्य विवाद था कि 50त्न अनारक्षित सीटों में से महिलाओं हेतु हॉरिजेंटली आरक्षित 33 फीसदी सीटों में क्या मेरिट में आई अधिक प्राप्ताँकों वाली आरक्षित श्रेणी की 92 (ओबीसीः 71, एससीः18 व एसटीः 03) महिला उम्मीदवारों को स्थान मिलना चाहिए या नहीं? जिसमें मध्यप्रदेश उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश ए. के. मित्तल व न्यायाधीश विजय कुमार शुक्ल की पीठ ने वादियों के 25 वकील, आरक्षित वर्ग के इंटरविनर्स के 25 वकील, मध्यप्रदेश शासन के 1 व लोक सेवा आयोग के 2 वकीलों को सुनने के बाद आरक्षित श्रेणी की अधिक प्राप्तांक वाली महिला उम्मीदवारों को चयनित करने के बजाय फैसला इन सीटों में सामान्य जातियों की कम प्राप्तांक वाली महिलाओं को चयनित किये जाने के लिए सुनाया है.

दैनिक नवप्रदेश ने जब फैसले की पड़ताल की तो एक बड़ा रोचक तथ्य सामने आया कि यह पूरा मामला मेरिट में आई आरक्षित श्रेणी की महिला उम्मीदवारों के 100 फीसदी पक्ष में होने के बावजूद इस फैसले में शब्द जीत गए व न्याय हार गया। नवप्रदेश ने यह पाया कि देश के संविधान या नियमों में जनरल केटेगरी या सामान्य श्रेणी नाम की कोई श्रेणी होती ही नहीं है अपितु अनुसूचित जाति, जनजाति व अन्य पिछड़ा वर्ग के वर्टिकल आरक्षण के अलावा शेष उपलब्ध 50 प्रतिशत सीटों को श्रेणी न कहकर अनरिज़र्व्ड सीटें या अनारक्षित सीटें या ओपन सीटें या खुली सीटें कहा एवं लिखा जाता है अनुसूचित जाति, जनजाति व अन्य पिछड़ा वर्ग के वर्टिकल आरक्षण के अलावा शेष उपलब्ध 50 फीसदी सीटों के लिए शासकीय कार्यों हेतु अवैध शब्दावली जैसे जनरल केटेगरी या सामान्य श्रेणी (जो शब्दावली शासकीय कार्यों में होती ही नहीं, यह केवल चालू भाषा में बोला जाता है) जैसे शब्दों का उपयोग कर सामान्य वर्ग द्वारा भ्रमित किया जा रहा है जबकि शासकीय कार्यों हेतु वैध शब्दावलीः अनरिज़र्व्ड सीटें या अनारक्षित सीटें या ओपन सीटें या खुली सीटें जैसे शब्द इस आरक्षण की आत्मा हैं।और वास्तविक शब्दों का यही स्वरूप और अर्थ हैं। जिसे सरकारी दस्तावेजो के रोस्टर में देखा जा सकता है जिसमे

वैसा ही कुछ इस निर्णय के पैरा क्रमांक 27 में उधृत एम. पी. सिविल सर्विस 1997 के नियम क्रमांक 3 के स्पष्टीकरण को पढ़ने से भी समझ में आया कि यह महिला आरक्षण अनुसूचित जाति, जनजाति, अन्य पिछड़ा वर्ग व सामान्य अर्थात चारों श्रेणियों में कम्पार्टमेन्टवार व हॉरिजेंटली दिया जाना है. जबकि कानून में सामान्य श्रेणी (जनरल केटेगरी) नामक तो कोई शब्द ही नहीं होता अपितु उन सीटों को अनारक्षित (अनरिज़र्वड) सीटें कहा जाता है. क्योंकि सामान्य श्रेणी के लिए तो कोई आरक्षण होता ही नहीं है. वहीं सामान्य जाति के उम्मीदवार अनारक्षित सीटों में ही आवेदन करते हैं।

अनारक्षित शब्द लिखा रहता हैं। मध्यप्रदेश शासन 1999 के एक आदेश द्वारा इन 50 प्रतिशत अनारक्षित (ओपन/खुली) सीटों को शासकीय कार्यों में सामान्य (जनरल) सीट शब्द लिखने पर बैन (रोक)भी लगा चुका है. क्योंकि इससे भ्रम उत्पन्न होने लगा था व इन 50 प्रतिशत अनारक्षित (ओपन/खुली) सीटों को लोग सामान्य जाति के उम्मीदवारों हेतु आरक्षित सीटें समझने लगे थे। इस प्रकरण में सामान्य जातियों की 92 वादियों के विरुद्ध मध्यप्रदेश शासन, लोक सेवा आयोग व आरक्षित वर्ग के इंटरविनर्स के कुल 28 वकीलों द्वारा सर्वोच्च न्यायालय के इन्दिरा सहाणे (मण्डल) निर्णय, ई. दीपा निर्णय इत्यादि के प्रावधानों की खूब दलीलें देने के बावजूद भी कि मेरिट अर्थात प्राप्तांकों के आधार पर अनारक्षित सीटों में चयनित आरक्षित श्रेणी के उम्मीदवारों की गणना अनारक्षित सीटों में ही की जाती है, उन्हें उनके लिए आरक्षित सीटों में समायोजित नहीं किया जाता है को नकारते हुए उच्च न्यायालय ने निर्णय सामान्य जाति की मेरिट में ह्ळ्ष्ट महिलाओं से पीछे रह गई कम प्राप्तांक वाली महिलाओं के पक्ष में सुनाया है। निर्णय में लिखा है कि जनरल केटेगरी की 33 प्रतिशत महिला आरक्षण वाली सीटों में *ह्रूक्ष्ठ अर्थात अनरिज़र्व्ड फीमेल अर्थात अनारक्षित महिलाओं को नियुक्त किया जाए. क्योंकि आरक्षण व्यवस्था में जनरल शब्द का अर्थ अनारक्षित ही होता है. इसका सीधा अर्थ है कि 33 प्रतिशत महिला आरक्षण वाली अनारक्षित सीटों में फ्रि मेरिट के आधार पर सभी वर्गों की महिलाएं स्थान पा सकती हैं. जिसका लाभ आरक्षित वर्ग की अधिक प्राप्ताँक वालीं मेरिट में आई महिला उम्मीदवारों को मिलेगा. वहीं यदि मध्यप्रदेश का उच्च शिक्षा विभाग ऐसा नहीं करता है तो वह न्यायालय की अवमानना होगी।

उदाहरण के तौर पर यदि देखे तो नगर निगम भोपाल या रायपुर के महापौर का पद अनारक्षित (महिला) हेतु आरक्षित हो तो उसमें आरक्षित वर्ग की कोई भी महिला चुनाव लड़ सकती है, अन्यथा वह सीट सामान्य जाति हेतु आरक्षित हो जावेगी, जिसका संविधान में फिलहाल कोई प्रावधान नहीं है। अब निश्चित ही मध्यप्रदेश शासन, लोक सेवा आयोग व आरक्षित वर्ग की 92 (ओबीसीः 71, एससीः 18 व एसटीः 03) चयनित उम्मीदवार, सर्वोच्च न्यायालय जायेंगे. उम्मीद है कि वहाँ जनरल केटेगरी या सामान्य श्रेणी (जो शासकीय कार्यों में होती ही नहीं है, जो केवल चालू भाषा में बोला जाता है) को सही अनरिज़र्व्ड सीटें या अनारक्षित सीटें या ओपन सीटें या खुली सीटें परिभाषित कर उन्हें न्याय मिल सकता हैं। इसी प्रकार अक्सर और भी स्थानों पर यह देखने में आता है कि नियमों का उललंघन कर इन 50 प्रतिशत अनारक्षित सीटों में भी 10त्न आबादी वाले सामान्य जाति के उम्मीदवारों को ही येन केन प्रकारेण नियुक्त कर दिया जाता है। जो 10 प्रतिशत आबादी वाली सामान्य जातियों के लिए 50 प्रतिशत आरक्षण हो जाता है और 90 फीसदी एससीएसटी ओबीसी की आबादी 50 फीसदी आरक्षण के लिए जद्दोजहद करती हैं। शब्दो के मायाजाल में उलझे आरक्षण की शब्दावली के भावार्थ ठीक कराने में आरक्षित वर्ग को वर्षों लग जाते हैं।

कोरोना को हराने में जुटी मोदी सरकार

रमेश सर्राफ

केंद्र सरकार ने कोरोना संक्रमण की दृष्टि से देश को रेड, ऑरेंज व ग्रीन जोन में बांटा है। रेड जोन में उन जिलों को शामिल किया गया है जहां कोरोना का संक्रमण सबसे अधिक है। वहां पूर्णतया लोक डाउन रहेगा तथा अधिकांश गतिविधियों पर रोक रहेगी। कोरोना संक्रमण से निकल चुके जिलो को ऑरेंज जोन में शामिल किया गया है। ऑरेंज जोन में शामिल जिलों में कुछ गतिविधियों में छूट दी जाएगी। ग्रीन जोन में ऐसे जिलों को शामिल किया गया है जहां एक भी कोरोना पॉजिटिव का केस नहीं मिला है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार कोरोना जैसी वैश्विक महामारी को हराने में पूरी ताकत से जुटी हुई है। कोरोना संक्रमण से जूझते दुनिया के अन्य देशों की तुलना में भारत ने कोरोना के संक्रमण पर काफी हद तक काबू पा लिया है। केंद्र सरकार की सतर्कता के चलते ही देश में कोरोना संक्रमण तीसरे स्टेज पर नहीं पहुंच पाया हैं। इसी कारण देश में कोरोना का सामुदायिक विस्तार नहीं हो सका है। समय रहते देश में लाकडाउन लागू करना मोदी सरकार का एक ऐसा फैसला था जिसकी आज हर कोई सराहना कर रहा है।

भारत जैसे बड़ी आबादी वाले देश में एकाएक सम्पूर्ण लाकडाउन का फैसला करना मजबूत नेतृत्व का ही परिणाम है। केंद्र सरकार ने समय रहते देशव्यापी लाकडाउन लागू करने का फैसला करके पूरे देश को एक सूत्र में बांधा है। उसी का परिणाम है कि लगातार तीसरी बार भी लंबे समय के लिए लाकडाउन लागू किये जाने के उपरांत भी देश की जनता पूरी तरह प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के साथ खड़ी नजर आ रही है। देश के सभी लोग लाकडाउन की पालना में केंद्र व राज्य सरकारों को पूरा सहयोग दे रहे हैं। देश में लाकडाउन लागू करते समय चिकित्सा सेवाओं की दृष्टि से भारत का दुनिया में 115 वां स्थान था। उस वक्त देश में एकमात्र पूणे में कोरोना जांच की बायो लेबोरेटरी कार्यरत थी। लेकिन कोरोना की भारत में आहट के साथ ही केंद्र सरकार ने देश भर में तेजी से कोराना जांच की बायो लैबोरेट्रीज की संख्या में बढ़ोतरी की। आज देश में प्रतिदिन लेबोरेटरी की संख्या में विस्तार हो रहा है। केंद्र सरकार राज्यों के साथ मिलकर इस प्रयास में लगी है कि देश के सभी जिलों में बायो लेबोरेटरी की स्थापना की जाए। जिससे कोरोना सहित इस तरह की अन्य बीमारियों की भी तात्कालिक जांच की सुविधा उपलब्ध हो सके।

केंद्र सरकार के विशेष प्रयासो से देश में सरकारी स्तर पर 304 टेस्टिंग लेबोरेटरी स्थापित हो चुकी है। वहीं निजी क्षेत्र की 105 लेबोरेटरीज भी कोरोना पॉजिटिव की जांच करने के लिए अधिकृत की जा चुकी है। देश में फ्लिहाल सरकारी स्तर पर आंध्र प्रदेश में 48, अरुणाचल प्रदेश में एक, आसाम में छह, बिहार में छह, चंडीगढ़ में 3, छत्तीसगढ़ में 3, दिल्ली में 10, गुजरात में तेरह, गोवा में 3, हरियाणा में आठ, हिमाचल प्रदेश में पांच, जम्मू कश्मीर में 4, झारखंड में 4, कर्नाटक में

18, केरल में 14, महाराष्ट्र में 33, मध्य प्रदेश में 10, मणिपुर में दो, मेघालय में एक, ओडिशा में 7, पुडुचेरी में दो, पंजाब में 3, राजस्थान में 14, तमिलनाडु में 34, तेलंगाना में 9, त्रिपुरा में एक, उत्तर प्रदेश में 19, उत्तराखंड में 4, पश्चिम बंगाल में 10, अंडमान निकोबार दीप समूह में 3, दादर एवं नागर हवेली में एक लेबोरेटरी कार्यरत है। देश के विभिन्न प्रदेशों में सरकारों द्वारा लगातार नई जांच लेबोरेटरी प्रारंभ करवाई जा रही है तथा कई लेबोरेटरी में जांच करने वाले मशीनों की संख्या बढ़ाई जा रही है। कोरोना संकट के बाद केंद्र सरकार ने कोरोना की रोकथाम के लिए आवश्यक चिकित्सा उपकरण, जांच किट, जरूरी दवाएं व अन्य सामानों का तेजी से आयात किया। जिस कारण से कोरोना की जांच में तेजी आई है। केंद्र सरकार ने हर प्रदेश में अनेकों जगह पर कोरोना उपचार के लिए अलग से कोविड -19 अस्पतालों की व्यवस्था करवाई व बड़ी संख्या में आइसोलेशन केंद्र बनवाए। यहां तक कि आपात स्थिति का मुकाबला करने के लिए हजारों की संख्या में रेल के डिब्बों को भी आइसोलेशन वार्ड के रूप में तैयार करवाया गया है। केंद्र सरकार ने घरेलू कंपनियों को भी कोरोना के उपचार से संबंधित विभिन्न वस्तुओं के उत्पादन के लिए प्रोत्साहित किया। जिस कारण आज देश में सैकड़ों घरेलू कंपनियां विभिन्न तरह का साजो- सामान बनाने में जुटी हुई है। फ्लस्वरूप केंद्र सरकार की विदेशों से आयात पर निर्भरता कम हुई है। सरकारी प्रोत्साहन के चलते आज बड़ी संख्या में फेसमास्क, पीपी किट, कोराना जांच किट, वेंटिलेटर सहित बहुत सी वस्तुएं स्थानीय स्तर पर ही बनाई जाने लगी है। लॉक डाउन लागू करने के साथ ही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गरीब जनता की भी सुध ली। केंद्र के खजाने उन जरुरतमंदों के लिए खोल दिए गये जिनके सामने रोजी रोटी से लेकर अन्य दिक्कतें थी। प्रधानमंत्री गरीब कल्याण योजना के जरिए जनधन, उज्जवला और प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि के लाभार्थियों के खातों में सीधे पैसे भेजे गये ताकि लोगों की नकदी की परेशानी को दूर किया जा सके। देश की आधी आबादी से अधिक लोगों को केंद्र सरकार प्रति माह निशुल्क गेहूं व दाल उपलब्ध करवा रही है। इसके साथ ही सरकार ने हर वर्ग के लिए राहत पैकेजों का भी एलान किया। केंद्र सरकार ने सरकारी बैंकों में भी पूंजी बढ़ाने का फैसला किया है। जिससे बाजार में नकदी की कमी दूर होगी। लाकडाउन के दौरान केंद्र सरकार द्वारा आमजन को दिए गए विभिन्न तरह के राहत पैकेजो का जरूरतमंदों को लाभ मिल रहा है। केंद्र सरकार ने कोरोना संक्रमण की दृष्टि से देश को रेड, ऑरेंज व ग्रीन जोन में बांटा है।

पाठकों की बात

पत्र, प्रतिक्रियाएं, सोशल मीडिया

थम सी गई है जिंदगी

थम सी गई है जिंदगी इसे थमी ही रहने दो ये तो बस बात है कुछ पल की ठहरी ही रहने दो। उड़ लेने दों उन्मुक्त गगन में उन परिंदों को बह लेने दों स्वक्षन्द हवाओं को सास लेने दो मदमस्त होती प्रकृति को जीवन भर कैद रखा है जिसकों आज आजाद उन्हे भी होने दो। महसूस करो उस मूक दर्द को खुद जी लो सबको जीने दो। थम जाओं इस पल जी लेने को ना रूक सके तो हो तैयार उम्र भर कैद हो लेने को।

- वीणा अग्रवाल

एक हवा अभी मेरी

एक हवा अभी मेरी रूह को छुआ कौन है जो मुझे अभी छूकर गया सब कुछ खो गया एक-एक कर एक अपना जमीर बचाकर गया बंदिशों का पहरा था जिस तरफउस तरफ जाने दिल अक्सर गया

-प्रीति श्रीवास्तव

ख़ास पाती | रस्मे-वफा एकतरफा तो निभाई

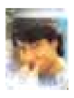

रस्मे-वफ़ एकतरफा तो निभाई नहीं जाएगी, बाती भर से दिये की लौ जलाई नहीं जाएगी, तेरे नाज़ उठाने का वादा है उठाऊंगा उम्र भर, गुरूर की धूल मगर माथे सजाई नहीं जाएगी, मेरा रिश्ता ही कुछ ऐसा है उनसे शहर वालों, मैं परेशाँ हूँ ये बात उनको बताई नहीं जाएगी, कभी तो अपनी भी अक्ल लगाओ खिरदमंदो, हर- एक पीर ग़ज़ल में तो पिरोई नहीं जाएगी, आपने हक नहीं दिये, और हमने सीखा नहीं, लिपट ग़ैर से तो आँख छलकाई नहीं जाएगी।

- अनिल अनमोल शर्मा

घूंघट में छुपा के दीप लिए

घूंघट में छुपा के दीप लिए. , तुम झरनों का संगीत लिए ., आँचल में ढेर जुगनू लेकर - आशाओं सलोंनी आजाना ! हो दूर. तलक , बदली छाई , नीरवता लेती हो अंगडाई , जब दर्द. हवाओं में दौड़े उल्काएं नीरवता को तोडें तब ओसबिन्दु के कण बनके- पलकों से हमारी बहजाना ! सुनती हो तितली की थिरकन, सुनती तुम कलियों की गुन-गुन, आती हो दौड़ कर पतझड में सुन कर के पेडों की सिसकन, तुम अपना सुन्दर गीत कोई - गीतों में हमारे , लिखजाना !

- अजय कुमार सिंह भदौरिया

कोई टिकटाक बनाये , या लूडो खेले

कोई टिकटाक बनाये , या लूडो खेले, गुड़िया खेले ये तो हर व्यक्ति का अपना निजी मुद्दा है,....जो जिसमें खुश है , हर इंसान इस तनाव भरी जिंदगी में टाइमपास का साधन तो ढूँढ ही लेता है,.. और इसमें कुछ गलत भी नहीं है क्योंकि ये टाइमपास है ,चोरी ,डकैती तो है नहीं..... मेरे समझ में ये नहीं आ रहा कि इससे दूसरों को क्यों जलन होती है। **- अहाना अर्चना पाण्डेय**

तेज अन्धड़ में बूढ़ा वृक्ष जो

तेज अन्धड़ में बूढ़ा वृक्ष जो सुघड़ था दो दशक पहले तक, अब... विरक्ति से भरा हुआ है, अवसादी हो गया है, घनापन खो बैठा है, हल्केपन से भर चुका है। बचा-खुचा है तो, व्यथाओं यातनाओं मृत इच्छाओं का दंश है। व्यंग की ज़हरीली निशा बूढ़े वृक्ष को एकाकीपन की अँधेरी सीढ़ियों की ओर धकेलती है । जोकि- भयंकर दुःस्वप्न कोझ्र सच मानकर जीवनभर कुढ़ता रहता है। **- अनुभूति गुप्ता**

जब राष्ट्र पुकारे तो राष्ट्र धर्म

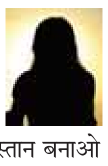

जब राष्ट्र पुकारे तो राष्ट्र धर्म हेतु उत्तरदायित्वों के बोझ उठाने होते हैं । फ्क़त कहने से देश हमारा नही होता अपनेपन के हेतु निभाने होते हैं । अगर जिन्दा हो तो जीवंतता से देश के दिल में धड़क कर तो दिखाओ पहले अपने हिस्से का हिन्दुस्तान बनाओ फ्रि देखो क्या लोकतंत्र के माने होते हैं । - ममता अमर

पिछले 70 साल में पहली बार

पिछले 70 साल में पहली बार किसी प्रधानमंत्री ने 40 दिन में मुख्यमंत्रियों से 4 बार बात की. 14 घंटे मशवरा किया. उनके कहने पर लॉकडाउन बढाया, मज़दूरों के लिए रेल चलाई. मुख्यमंत्री मानते हैं. फ्रि भी कुछ लोग कहते हैं केन्द्र राज्यों की नहीं सुनता. आखिर क्यों ? **- सचिन चौधरी**

क्या बताऊँ तुम्हें कितनी बड़ी मुश्किल

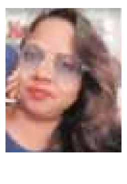

क्या बताऊँ मैं तुम्हें कितनी बड़ी मुश्किल में हूँ है नहीं आसां निकलना यूँ किसी के दिल में हूँ साथ में तनहाइयाँ वीरानियाँ रहती मेरे है अलग ये बात के शामिल हुई महफ्लि में हूँ।

- लक्ष्मी माहौर

QUIZ TIME

1) बंगाल के द्वितीय विभाजन के समय भारत का वायसराय कौन था?
2) गायत्री मंत्र किस वेद में है तथा किसको समर्पित है?
3) किस मुस्लिम समाज सुधारक को अंग्रेजों ने 'नाइटहुड' की उपाधि प्रदान की थी?
4) शिक्षा मनुष्य में अंतर्निहित पूर्णता की अभिव्यक्ति है। यह कथन किसका है? (विवेकानंद / रवीन्द्रनाथ टैगोर)
5) किस बैंक का लोगो है?

Ramaquiz

उत्तरमाला– (1) लॉर्ड माउंटबेटन (2) ऋग्वेद में और सविता को (3) सैयद अहमद खान (4) विवेकानंद (5) राष्ट्रीय ग्रामीण बैंक

आज का इतिहास

नई दिल्ली । 1818- प्रसिद्ध जर्मन दार्शनिक, अर्थशास्त्री और वैज्ञानिक कार्ल मार्क्स का जन्म। 1821- फ्रांसीसी राजनीतिक नेता और सैन्य अधिकारी नेपोलियन बोनापार्ट का निधन। 1916- भारत के पूर्व राष्ट्रपति ज्ञानी जैल सिंह का जन्म। 1919- पेरिस में रेडक्रॉस सोसाइटी की स्थापना की गई। 1925- दक्षिण अफ्रीका सरकार ने अफ्रीकी को आधिकारिक भाषा घोषित किया। 1927- वर्जीनिया वूल्फ ने लाइटहाउस को पहली बार प्रकाशित किया गया। 1929- भारत के प्रसिद्ध क्रांतिकारी अब्दुल हमीद कैसर का जन्म। 1937- परमवीर चक्र सम्मानित भारतीय सैनिक मेजर होशियार सिंह का जन्म। 1949- भारत में झारखंड पार्टी की स्थापना।1950- भुमबोल अदुलदेज को थाईलैंड के राजा बने।

न्यूज गैलरी

वृक्षारोपण के लिए सामग्री खरीदी जाएगी स्व-सहायता समूहों से

रायपुर। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल की मंशानुरूप ग्रामीण क्षेत्रों में काम कर रहे स्व-सहायता समूहों को आर्थिक रूप से सुदृढ़ करने के लिए विभिन्न विभागों द्वारा कराए जाने वाले वृक्षारोपण के लिए उपयोग में लायी जाने वाली सामग्री जैसे-ट्री गार्ड, सीमेंट पोल और चैनलिंग फैंसिंग इत्यादि एवं गौठानों में वर्मी कम्पोस्ट खाद भी स्व सहायता समूहों से तैयार कराया जाकर इनसे ही खरीदा जाएगा। इस संबंध में पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग के प्रमुख सचिव श्री गौरव द्विवेदी ने सभी जिलों के कलेक्टरों और जिला पंचायतों के मुख्य कार्यपालन अधिकारियों को निर्देशानुसार समुचित कार्यवाही सुनिश्चित करने के निर्देश जारी किए हैं।

27 नायब तहसीलदारों की पदस्थापना

रायपुर। राज्य शासन द्वारा लोक सेवा आयोग राज्य सेवा परीक्षा 2018 के माध्यम से चयनित 27 नायब तहसीलदारों के पदस्थापना आदेश राजस्व विभाग मंत्रालय महानदी भवन से जारी कर दिया गया है।

21 हजार मानक बोरा तेन्दूपत्ता का संग्रहण

रायपुर। राज्य में चालू सीजन के दौरान अब तक विभिन्न वनमंडलों में 20 हजार 569 मानक बोरा तेन्दूपत्ता का संग्रहण हो चुका है। इसमें संग्राहकों को 8 करोड़ 23 लाख रूपए की राशि का पारिश्रमिक भुगतान योग्य है। अब तक कुल संग्रहित तेन्दूपत्ता में से वनमंडलवार सुकमा में 13 हजार 334 मानक बोरा, दंतेवाड़ा में एक हजार 584 मानक बोरा, जगदलपुर में दो हजार 670 मानक बोरा और गरियाबंद में दो हजार 980 मानक बोरा शामिल हैं।

3536 करोड़ की लागत के 870 किमी लंबाई के 25 सड़कें स्वीकृत

लोक निर्माण मंत्री साहू के निर्देश पर 20 सड़कों के कार्यादेश जारी, 5 वर्षो तक सड़कों के संधारण का दायित्व ठेकेदार का

नव प्रदेश संवाददाता

रायपुर। राज्य सरकार द्वारा छत्तीसगढ़ राज्य सड़क क्षेत्र परियोजना के तहत एशियाई विकास बैंक (ए.डी.बी.) की सहायता से 3536 करोड़ रूपए की लागत के 870 किलोमीटर लंबाई की 25 सड़कें स्वीकृत की गई है। लोक निर्माण मंत्री श्री ताम्रध्वज साहू के निर्देश पर इनमें से 1887 करोड़ रूपए की लागत के 705 किलोमीटर लंबाई की 20 सड़कों के निर्माण का कार्यादेश जारी हो चुका है। शेष 165 किलोमीटर लंबाई की 5 सड़कों के लिए निविदा प्रक्रिया में है।

लोक निर्माण मंत्री श्री साहू ने बताया कि यह एक बाह्य पोषित परियोजना है। इसके लिए आवश्यक वित्ती प्रबंधन एशियाई विकास बैंक से ऋण के रूप में 70 प्रतिशत और राज्य शासन द्वारा 30 प्रतिशत राशि का प्रावधान रखा गया है। उन्होंने बताया कि इस बार क्रियान्वित की जा रही तृतीय परियोजना में विशिष्ट प्रावधान किए गए हैं। इसके तहत सड़क निर्माण के बाद पांच वर्षो तक सड़कों के संधारण का दायित्व ठेकेदार का होगा। परियोजना में इस बार मुख्य गांवों में बस शेल्टर का निर्माण, सोलर स्ट्रीट लाईट तथा सभी मार्गो में सड़क किनारे रेन वाटर हार्वेस्टिंग का प्रावधान किया गया है।

एशियाई विकास बैंक से तृतीय लोन परियोजना के अंतर्गत अनुबंधित सड़कों की जानकारी इस प्रकार है-रायपुर-धमतरी जिले में टिकरापारा सेजबहार सेमरा भखारा धमतरी मार्ग 54.68 किलोमीटर, गरियाबंद जिले में पाण्डुका जतमई घटारानी गायडबरी मुड़ेली मुड़ागांव मार्ग 37.70 किलोमीटर और छुरा राजिम मार्ग ब्याहा तर्रीघाट मार्ग 43.16 किलोमीटर, रायपुर-बलौदाबाजार-महासमुंद जिले में घोटया पलारी वटगांव घिरपुरी

चिखली समोदा अछोला तुमगांव मार्ग 43.93 किलोमीटर, महासमुंद जिले में लंबर बोड़ेसरा बिरकोल सिंघारो मार्ग 39.99 किलोमीटर और देवरी सलडीह गडफुलझर तोसगांव तोरेसिंघा मार्ग 42.62 किलोमीटर, राजनांदगांव जिले में बिरहीकला डंगड़ सोमाटोला गोटाटोला खड़गांव मार्ग 39.17 किलोमीटर, छुईखदान उदयपुर बुंदेली मार्ग 26.96 किलोमीटर और डोंगरगांव खुज्जी पिनकापार जेवरतला मार्ग 23.42 किलोमीटर, बालोद जिले में अण्डा रनचिराई जामगांव मार्ग 23.56 किलोमीटर, पुरूर फगुन्दा पलारी अरर बेल्हारी जामगांव मार्ग 27.19 किलोमीटर और करहीभदर निपानी मोखा बटलेर जामगांव मार्ग 35.52 किलोमीटर, धमतरी जिले में कुरूद मेघा मगर लोड अमलीकडीह धौराभाठा खिसोरा पाण्डुका मार्ग 31.88 किलोमीटर, कच्चे अंवरी सेमरा गाडाडीह हंचलपुर कुर्रा बगतराई आमदी मार्ग 37.80 किलोमीटर और बुढ़ेनी नयापारा परसवानी मगरलोड मोहंदी बोरसी भोयना मार्ग 66.72 किलोमीटर, बिलासपुर जिले में मंगला भैंसाझार मार्ग 25.96 किलोमीटर, रायगढ़ जिले में करूभाठा रक्सापाली कच्छार उसरौथ तारापुर पुटकापुरी सुपा मार्ग 48.12 किलोमीटर, धरमजयगढ़ कापू मार्ग 32.60 किलोमीटर और बाकारूमा लैलूंगा मार्ग 22.92 किलोमीटर, मुंगेली जिले में लोरमी से पैजनिया, मसना से मसनी जरहागांव मार्ग 24.99 किलोमीटर, जांजगीर-चांपा जिले में सक्ती डुण्डरी मार्ग 31.48 किलोमीटर, बलौदाबाजार जिले में निपनिया लटुवा बलौदाबाजार मार्ग 29.67 किलोमीटर, दुर्ग-राजनांदगांव जिले में ठेलकाडीह दुर्ग मार्ग 27.71 किलोमीटर, कोरबा जिले में पाली से सिल्ली मार्ग 21.48 किलोमीटर और जांजगीर-चांपा जिले में जैजैपुर मालखरोदा छोटेसिपत परसवानी गोबराभाठा मार्ग 30.12 किलोमीटर शामिल है।

फिजिकल डिस्टेंसिंग का पालन न करने वाले आवेदनकर्ताओं से कलेक्टोरेट के कर्मचारी परेशान

नव प्रदेश संवाददाता

रायपुर। जिला कलेक्टोरेट परिसर में कोरोना संकटकाल के दौरान आवागमन के लिए पास के लिए आवेदन करने वालों से यहां के कर्मचारी भी बेहाल हो उठे हैं। आवेदन देने वाले लोग सोशल डिस्टेंसिंग के नियमों की खुलेआम धज्जियां उड़ा रहे हैं, वहीं कर्मचारी इन्हें समझा-समझा कर थक चुके हैं।

जिला कलेक्ट्रेट परिसर में आवेदन करने और पास लेने की चाह में आने वाले लोगों की बढ़ती संख्या से अब जिला कलेक्टोरेट के अधिकारी-कर्मचारी भी सकते में आ गए हैं। विगत डेढ़ माह से पास लेने की चाह लिए यहां आवेदन करने पहुंचे एक आवेदनकर्ता ने बताया कि उसे बिलासपुर जिले के रतनपुर स्थित अपने गांव पहुंचना है। यहां प्राईवेट जॉब करने वाले इस युवक ने बताया कि उसका पूरा परिवार गांव में रहता है। पिछले डेढ़ माह से वह बेरोजगार बैठा है, इसीलिए वह अपने घर जाना चाहता है, लेकिन उसे आज तक अनुमति नहीं मिला। इसी तरह रायगढ़ जिले के लैलूंगा में रहने वाले एक अधेड़ ने बताया कि वह यहां एक ऑफिस में गार्ड का काम करता है। वर्तमान में लॉकडाउन के चलते आफिस बंद है, लिहाजा वह भी अपने परिवार के पास जाना चाहता है, लेकिन उसके तीन बार के आवेदन करने के बाद भी अनुमति नहीं दी गई है। इधर आवेदन करने और अनुमति मिलने की आश लिए पहुंचने वाले लोग सोशल डिस्टेंसिंग का भी पालन नहीं कर रहे हैं। यहां तैनात अधिकारी-कर्मचारी उन्हें बार-बार सुरक्षित दूरी बनाकर रखने की हिदायत देते हैं, लेकिन इसका पालन नहीं हो रहा है। यह देख उच्चाधिकारी नाराज होते है और मातहत कर्मचारियों को खरी-खोटी सुनाते हैं। अधिकारियों के गुस्से और रोष का खामियाजा भुगत रहे कर्मचारी भी आवेदनकर्ताओं पर अपनी खीज निकालते हैं।

पंजीयन कार्यालयों में काम-काज शुरू

पंजीयन के इच्छुक पक्षकार पंजीयन विभाग के वेब पोर्टल पर अपाइंमेंट बुक करा सकते हैं

नव प्रदेश संवाददाता

रजिस्ट्री ऑफिस में काम रही बंद

रायपुर। राज्य शासन के पंजीयन कार्यालयों में आज से दस्तावेजों के पंजीयन का कार्य प्रारंभ हो गया है। गौरतलब है कि कोरोना वायरस (कोविड-19) संक्रमण की रोकथाम के लिए देश व्यापी लॉकडाउन के दौरान 23 मार्च से 3 मई 2020 तक छत्तीसगढ़ के पंजीयन कार्यालयों में दस्तावेजों के पंजीयन कार्य को स्थगित कर दिया गया था। राज्य शासन ने जन साधारण की सुविधा और दस्तावेजों के पंजीयन की महत्वपूर्णता को ध्यान में रखते हुए भारत शासन के गृह एवं स्वास्थ्य मंत्रालय के दिशा-निर्देश के तहत कोरोना वायरस के संक्रमण से बचाव नियंत्रण एवं रोकथाम के लिए निर्धारित मापदण्डों का पालन करते हुए आज 4 मई से पंजीयन कार्य शुरू करने का निर्णय लिया गया है। पंजीयन के इच्छुक पक्षकार अपनी सुविधा के लिए पंजीयन विभाग के पोर्टल http://epanjeeyan.cg.gov.in/GRPortalWab में (ईपंजीयन (डाट) सीजी (डाट) जीओव्ही (डाट) इन) में जाकर अपाइंमेंट बुक करा सकते हैं। इस संबंध में यदि कोई कठिनाई हो तो पंजीयन विभाग के हेल्पलाईन नम्बर 1800-233-2488 पर संपर्क कर आवश्यक जानकारी प्राप्त की जा सकती है। यह हेल्पलाईन नम्बर प्रत्येक कार्य दिवस पर और कार्यालयीन समयावधि में चालू रहेगा।

प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए विद्यार्थियों को ऑनलाइन शिक्षण सुविधा उपलब्ध कराएगा कृषि विश्वविद्यालय

विद्यार्थियों को साढ़े तीन सौ किताबें और डेढ़ लाख प्रश्न ऑनलाइन उपलब्ध होंगे

नव प्रदेश संवाददाता

रायपुर। इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय, रायपुर के अंतर्गत संचालित समस्त शासकीय एवं निजी कृषि, उद्यानिकी एवं कृषि अभियांत्रिकी महाविद्यालयों के सभी विद्यार्थियों के लिए ऑनलाइन शिक्षण सुविधा शुरू की जा रही है। इसके तहत लगभग नौ हजार विद्यार्थियों को विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारियों के लिए साढ़े तीन सौ पुस्तकें और डेढ़ लाख से अधिक प्रश्न ऑनलाइन उपलब्ध कराए जाएंगे। विद्यार्थियों को यह ऑनलाइन शिक्षण सुविधा प्रदान करने के लिए इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय, रायपुर द्वारा नई दिल्ली की स्टार्टअप कम्पनी नीपा जेनएक्स इलेक्ट्रॉनिक रिसोर्सेज एण्ड सॉल्यूशन्स के साथ अनुबंध किया गया है। अनुबंध के तहत यह कम्पनी सभी विद्यार्थियों को लॉगइन आइडी एवं पासवर्ड उपलब्ध कराएगी जिसके द्वारा विद्यार्थी ऑनलाइन किताबों तथा प्रश्न बैंक का उपयोग कर सकेंगे।

इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. एस.के. पाटील ने बताया कि ऑनलाइन शिक्षण सुविधा के तहत इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय में अध्ययनरत विद्यार्थियों को अखिल भारतीय स्तर पर आयोजित की जाने वाली कृषि एवं अन्य प्रतियोगी परीक्षाओं में चयन हेतु सक्षम बनाने के लिए उन्हें विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारियों हेतु उपयोगी शिक्षण सामग्री ऑनलाइन उपलब्ध कराई जा रही है। उन्होंने बताया कि इसके तहत विद्यार्थी अपने लॉगइन आइडी एवं पासवर्ड के माध्यम से अपने मोबाइल तथा अन्य इलेक्ट्रानिक डिवाइस पर ऑनलाइन शिक्षण सुविधा प्राप्त कर सकेंगे। उन्होंने बताया कि इसके अंतर्गत विद्यार्थियों के लिए समय-समय पर ऑनलाइन प्रशिक्षण सत्र भी आयोजित किए जाएंगे।

सहयोग

गुरु घासीदास साहित्य एवं संस्कृति एकादमी को आरके पाटले द्वारा 3100 रू. का चेक प्रदान

रायपुर (नव प्रदेश)। गुरुघासीदास साहित्य एवं संस्कृति अकादमी के अध्यक्ष केपी खांडे ने कोरोना वायरस से पीड़ित सहायता के लिए मुख्यमंत्री राहत कोष में 2 लाख रू. देने का विचार किये है। गुरुघासी दास साहित्य अकादमी के जिला अध्यक्ष सुंदर लाल जोगी (पार्षद व एमआईसी सदस्य) को आरके पाटले, गिरिजा पाटले ने 3100 रु. का चेक प्रदान किय व 20 लोगों को पहाड़ी चौक गुढ़ियारी में राशन सामग्री वितरण किया गया। जिसमें अध्यक्ष केपी. खाण्डे, चेतन चंदेल, जेआर सोनी, डीएस पात्रे, सुखनंदन बंजारे व अन्य जनप्रतिनिधि उपस्थित थे।

अपर मुख्य सचिव गृह सुब्रत साहू ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए कलेक्टरों और पुलिस अधीक्षकों की ली बैठक

सीमावर्ती राज्यों के माल वाहक ट्रकों को रात्रि 11 से सुबह 5 बजे तक ही मिलेगी शहर में एंट्री

नव प्रदेश संवाददाता

रायपुर। छत्तीसगढ़ के सीमावर्ती राज्यों से आने वाले माल वाहक ट्रकों को रात्रि 11 बजे से सुबह 5 बजे तक ही शहर के अंदर प्रवेश की अनुमति दी जाएगी। किसी भी ट्रक को होल्ड करने की अनुमति नहीं मिलेगी। अन्य राज्यों द्वारा जारी अंतर्राज्यीय पास को जब तक छत्तीसगढ़ द्वारा मान्यता नहीं दी जाती तब तक छत्तीसगढ़ में प्रवेश नहीं मिलेगा। यह निर्देश गृह विभाग के अपर मुख्य सचिव श्री सुब्रत साहू ने आज रायपुर स्थित चिप्स कार्यालय से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए कलेक्टरों, पुलिस अधीक्षकों और परिवहन अधिकारियों को दिए। श्री साहू ने कहा कि कवर्धा, राजनांदगांव और गौरेला-पेन्ड्रा-मरवाही के सीमावर्ती क्षेत्रों में जिला प्रशासन द्वारा शहर के बाहर रोड किनारे

कम से कम 50-60 एकड़ क्षेत्र होल्डिंग एरिया बनाई जाए, जहां बाहर से आने वाले ट्रकों को रोक कर ड्राइवर, हेल्पर आदि की थर्मल स्क्रीनिंग कराएं। इससे यातायात प्रभावित न हो। ट्रकों को छत्तीसगढ़ में रात में होल्ड करने की अनुमति नहीं दी जाएगी।

अपर मुख्य सचिव ने बाहर से आने वाले श्रमिकों एवं अन्य लोगों के अनिवार्य रूप से क्वारेंटाइन कराने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि दूसरे राज्यों में फंसे श्रमिकों को लाने तथा छत्तीसगढ़ में फंसे श्रमिकों को दूसरे राज्य भेजने की स्थिति में नोडल अधिकारियों से समन्वय करें और एक-दूसरे राज्यों से अनुमति प्राप्त कर लें, ताकि सीमा क्षेत्रों में वाहनों की रूकावट नहीं हो। श्री साहू ने कहा कि कवर्धा और राजनांदगांव में मध्यप्रदेश और महाराष्ट्र से आवाजाही का दबाव ज्यादा रहता है। इन जिलों में अतिरिक्त ड्यूटी के लिए अलग से अधिकारी नियुक्त करेंगे। उन्होंने कोरोना संक्रमण से बचाव के लिए एहतियात के तौर पर सभी उपाय करने के निर्देश दिए।

वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग में सचिव स्वास्थ्य श्रीमती निहारिका बारिक सिंह, सचिव परिवहन डॉ. कमलप्रीत सिंह, सचिव श्रम सोनमणि बोरा, सचिव लोक निर्माण विभाग सिद्धार्थ कोमल सिंह परदेशी, सचिव जल संसाधन अविनाश चंपावत, सचिव पर्यटन अन्बलगन पी., सचिव समाज कल्याण प्रसन्ना आर., रायपुर संभाग के कमिश्नर जी. आर. चुरेन्द्र, रायपुर रेंज के पुलिस महानिरीक्षक आनंद छाबड़ा, कलेक्टर डॉ. एस. भारतीदासन एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक आरिफ शेख सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

आपात परिस्थितियों में राहत का सहारा बन रही है एम्स की टेली ओपीडी

नव प्रदेश संवाददाता

रायपुर। लॉक डाउन और ओपीडी सेवाएं बंद होने की वजह से अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान के चिकित्सा प्राप्त कर रहे रोगियों के लिए टेलीमेडिसिन सेवा एक बड़ी राहत बन रही है। अब तक 13 विभाग स्वयं की सेवाएं मोबाइल नंबर के माध्यम से प्रदान कर रहे हैं। इस सप्ताह से एंडोक्रीनोलॉजी और न्यूरोसर्जरी के चिकित्सक भी मोबाइल के माध्यम से पुराने रोगियों को परामर्श प्रदान करेंगे।

एम्स 13 विभागों की चिकित्सा सेवा मोबाइल नंबर्स के माध्यम से प्रदान की जा रही है। इसमें मेडिसिन, स्त्री रोग, त्वचा रोग और ईएनटी विभागों की सबसे अधिक कॉल आ रही है। इनके ज्यादा संख्या में रोगी होने और ओपीडी बंद होने की वजह से रोगियों को अपनी दवाइयां जारी रखने या इन्हें बदलने के लिए नियमित रूप से चिकित्सकीय परामर्श की आवश्यकता होती है। ऐसे में दिए गए मोबाइल नंबर पर रोगी संपर्क करके और व्हाट्सअप पर ओपीडी बुकलेट की कॉपी भेजकर परामर्श ले रहे हैं। एम्स के विभिन्न टेलीमेडिसिन मोबाइल नंबर पर प्रतिदिन 150 से 200 कॉल आ रही हैं। इन कॉल के माध्यम से गर्भवती स्त्रियों को ऑपरेशन का समय दिया जा रहा है साथ ही कॉर्डियोलॉजी के लिए समय भी प्रदान किया जा रहा है। नेफ्रोलॉजी में डायलिसिस की सेवा भी कॉल के माध्यम से प्रदान की जा रही है।

गंभीर रोगियों से टेलीमेडिसिन ओपीडी का लाभ प्राप्त करने का अनुरोध किया

निदेशक प्रो. (डॉ.) नितिन एम. नागरकर ने बताया कि रोगियों की आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए अब एंडोक्रीनोलॉजी और न्यूरोसर्जरी की सेवाएं भी प्रदान की जा रही हैं। इसके लिए पृथक मोबाइल नंबर प्रदान कर दिए गए हैं। उन्होंने गंभीर रोगियों से इस टेलीमेडिसिन ओपीडी का लाभ प्राप्त करने का अनुरोध किया है। एंडोक्रीनोलॉजी के लिए मंगलवार, गुरुवार और शनिवार को प्रात: 11.30 से 1.30 बजे तक मोबाइल नंबर 7647079642 और न्यूरो सर्जरी के लिए इसी नंबर पर सोमवार और शनिवार को प्रात: 9.30 से 11.30 बजे तक संपर्क किया जा सकता है।

कॉमेडी सीन के जरिये अमिताभ ने दिया पॉजिटिव मैसेज

मुंबई । बॉलीवुड के महानायक अमिताभ बच्चन ने अपनी सुपरहिट फिल्म अमर अकबर एंथोनी के एक आईकॉनिक कॉमेडी सीन के जरिये लोगों को पॉजिटिव मैसेज दिया है।

अमिताभ सोशल मीडिया पर अपने पोस्ट्स के जरिए लोगों का मनोरंजन करते रहते हैं और लोगों को सकरात्मकता से भर देते हैं। अमिताभ ने अपनी फिल्म अमर अकबर एंथोनी से एक पॉपुलर फनी सीन शेयर किया है। अमर अकबर एंथोनी फिल्म में उस सीन को कौन भूल सकता है जब अमिताभ बच्चन ड्रिंक कर के अपने कमरे में आते हैं और शीशे के सामने खड़े होकर खुद से बात कर रहे होते हैं। अमिताभ के पसंदीदा सीन्स में इसे शुमार किया जाता है। अमिताभ ने ट्विटर पर दो मिनट का ये सीन शेयर करते हुए कैप्शन में लिखा, ÷ये सकारात्मक रहने का समय है। ये समय है कि हम खुशियों को वापस ले आएं जीवन में। इस कहावत का समय आ गया है कि द शो मस्ट गो ऑन।

ऋषि को याद कर भावुक हुए अमिताभ

मुंबई । बॉलीवुड के महानायक अमिताभ बच्चन, दिग्गज अभिनेता ऋषि कपूर को याद कर भावुक हो गये। ऋषि कपूर के निधन के बाद सबसे पहले अमिताभ ने ट्वीट कर फैंस को उनके जाने की जानकारी दी थी। ऋषि के जाने से महानायक अमिताभ बच्चन काफी दुखी हैं। अमिताभ ने एक बार फिर ऋषि को याद किया है। अमिताभ बच्चन ने ट्विटर पर 'इन मेमोरियम' के नाम से एक वीडियो शेयर किया है जिसमें वे ऋषि कपूर के बारे में बातें करते नजर आ रहे हैं। वीडियो में अमिताभ ने कहा ,÷ऋषि कपूर एक चार्मिंग और यंग पर्सनैलिटी थे जिनकी आंखों में शरारत थी। मैंने 'बॉबी' फिल्म के लिए आर के स्टूडियो में उन्हें संघर्ष करते देखा था। मैं राज कपूर के घर पर जब निमंत्रण पर जाता था तब मैं उनसे मिलता था। उनके चलने के लहजे में एक आत्मविश्वास था। एक स्टाइल था। वे जब चलते थे तो वे हूबहू अपने दादा पृथ्वीराज कपूर की तरह लगते थे। अमिताभ ने कहा, मैंने उनके साथ कई सारी फिल्मों में काम किया। अमर अकबर एंथनी, कुली, कभी कभी और 102 नॉट आउट। जब वे अपनी लाइन पढ़ते थे तो सामने वाले को हर एक शब्द पर यकीन करा देते थे। उनके बोलने के लहजे में एक सच्चाई थी एक वास्तविकता थी। कोई भी दूसरा शख्स ऐसा नहीं हुआ जो इस तरह से डायलॉग बोल पाता हो ना हि कोई ऐसा शख्स हुआ जो उनकी तरह गानों में लिप्सिंग कर पाता हो।उनका एटिट्यूड हर समय काफी चंचल रहता था। यहां तक कि जब हम लोग कोई सीरियस सीन की शूटिंग भी कर रहे होते थे तो भी वे कुछ ऐसी कॉमेडी कर देते थे कि माहौल ही बदल जाता था। यदि हम किसी फॉर्मल इवेंट में भी होते थे तो उस दौरान भी वे अपने ह्यूमर से माहौल को हल्का कर देते थे। कभी भी उन्होंने अपनी हालत बयां नहीं होने दी। वे हमेशा यही कहते कि बस एक रूटीन चेकअप के लिए हॉस्पिटल जा रहा हूं। मैं जल्द ही लौटूंगा।

क्राइम थ्रिलर में काम करेंगी तापसी पन्नू!

मुंबई । बॉलीवुड अभिनेत्री तापसी पन्नू क्राइम थ्रिलर फिल्म में काम करती नजर आ सकती है। बॉलीवुड फिल्म निर्देशक राहुल ढ़ोलकिया ने वर्ष 2019 में महिला केंद्रित एक फिल्म बनाने की घोषणा की थी। इस फिल्म में कृति सेनन को बतौर लीड एक्ट्रेस चुना गया था। अगस्त 2019 में इसकी शूटिंग शुरू होनी थी, लेकिन डेट्स नहीं होने के कारण कृति ने यह फिल्म छोड़ दी थी। बताया जा रहा है कि राहुल ने कृति के फिल्म को छोड़ने के बाद सारा अली खान को अप्रोच किया था लेकिन सारा ने इस फिल्म को करने से इंकार कर दिया। फिल्म के लिए निर्देशक ऐसा चेहरा चाहते थे जिसे लोग पसंद करते हो। इसके बाद राहुल ने यह फिल्म तापसी पन्नू को ऑफर किया और उन्हें स्क्रिप्ट बहुत पसंद आई। कहा जा रहा है कि तापसी पन्नू ने फिल्म को साइन कर लिया है। फिल्म की शूटिंग अगले साल से शुरू होगी।

सोहा अली ने 50 हजार प्रवासी मजदूरों की मदद करने की अपील

मुंबई । बॉलीवुड अभिनेत्री सोहा अली खान ने लोगों से मुंबई के 50 हजार प्रवासी मजदूरों की मदद करने के लिये लोगों से अपील की है।

इन दिनों पूरा देश कोरोना महामारी से जूझ रहा है।बॉलीवुड इंडस्ट्री से जुड़े सेलेब्रिटीज अपने-अपने तरीके से इस वायरस से जंग लड़ने में योगदान दे रहे हैं। सोहा अली खान ने सोशल मीडिया पर पोस्ट के जरिए कोरोना के कहर और लॉकडाउन दौरान 50 हजार प्रवासी मजदूरों को लेकर अपनी चिंता जाहिर ही है। सोहा अली खान ने अपने ऑफिशियल ट्विटर एकाउंट पर पोस्ट शेयर किया है। इस पोस्ट में उन्होंने लिखा, ÷कोविड-19 ने धारावी पर हमला किया है, मुंबई में एशिया का सबसे बड़ा स्लम। इसे फैलने से रोकने का सिर्फएक ही रास्ता है, लोग घर पर रहें। प्लीज 50 हजार प्रवासी मजदूरों को राशन उपलब्ध कराने में हमारी मदद करें, जिनके पास लॉकडाउन के दौरान कोई इनकम और खाना नहीं है।÷ इस ट्वीट के साथ सोहा ने एक लिंक भी शेयर किया है, जिसे क्लिक करके उन्होंने योगदान देने की अपील की है।

कठिन दौर में तीन बार आत्महत्या करने का विचार आया था: शमी

भारतीय टीम के तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी ने खुलासा करते हुए कहा है कि निजी और पेशेवर जिंदगी में परेशानी के कारण कठिन दौर में उन्होंने तीन बार खुदखुशी करने के बारे में सोचा था।

नई दिल्ली । शमी ने सलामी बल्लेबाज रोहित शर्मा के साथ इंस्टाग्राम पर लाइव चैट के दौरान अपनी निजी जिंदगी और पेशेवर जीवन से जुड़ी परेशानियों के बारे में खुलकर बात की और कहा कि उस दौरान मेरे परिवार ने उनका साथ दिया जिससे वह इस कठिन दौर से उबर सके। उल्लेखनीय है कि 2018 में मोहम्मद शमी की पत्नी हसीन जहां ने उन पर घरेलू उत्पीड़न का आरोप लगाया था और उनके खिलाफ पुलिस में मामला दर्ज कराया था जिसके बाद बीसीसीआई ने भी कुछ समय के लिए शमी को केंद्रीय अनुबंध से बाहर कर दिया था। शमी इसके बाद दुर्घटना में चोटिल हो गए थे और लंबे समय तक मैदान से बाहर रहे थे। शमी ने कहा, ÷मेरे ख्याल से अगर मेरे परिवार ने उस दौरान मेरा समर्थन नहीं किया होता तो मैं क्रिकेट नहीं खेल पाता। मैंने निजी परेशानी के कारण तीन

एएफआई बैठक में एफआईएच चुनावों पर कोई चर्चा नहीं हुई: सुमारिवाला

नई दिल्ली । भारतीय एथलेटिक्स महासंघ (एएफआई) के अध्यक्ष आदिल सुमारिवाला ने स्पष्ट किया है कि एएफआई की शनिवार को हुई विशेष आम सभा बैठक में अंतर्राष्ट्रीय हॉकी महासंघ (एफआईएच) के चुनावों को लेकर कोई चर्चा नहीं हुई थी। सुमारिवाला ने रविवार को एक बयान जारी कर कहा, ÷भारतीय और अंतर्राष्ट्रीय मीडिया में कुछ भ्रामक रिपोर्टें छपी थीं कि एएफआई की विशेष आम सभा बैठक में एफआईएच के चुनावों को लेकर चर्चा हुई थी। एएफआई ने शनिवार को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिये यह बैठक की थी और वैश्विक महामारी बन चुके कोरोना वायरस कोविड-19 और उसके चलते देश में लगे लॉकडाउन के मद्देनजर अपना चुनाव हालात सामान्य होने तक टाल देने का फैसला किया था। सुमारिवाला ने कहा, ÷इस बैठक

8 जून तक घर से काम करेंगे आईओसी के कर्मचारी

लुसान। अंतर्राष्ट्रीय ओलम्पिक समिति (आईओसी) के लुसाने स्थित कर्मचारी वैश्विक महामारी बन चुके कोरोना वायरस कोविड-19 के कहर के बीच आठ जून तक अपने घर से काम करेंगे। आईओसी के प्रवक्ता ने कहा कि विश्व संस्था ने फैसला किया है कि लुसाने स्थित उसके कर्मचारी आठ जून तक अपने घर से काम करेंगे ताकि उनकी सुरक्षा बनी रहे और उन्हें कम से कम खतरा हो।

60 फीसदी फैंस का मानना... 2020 में आईपीएल की वापसी संभव

लोकप्रिय आईपीएल के 13वें को कोरोना वायरस के बढ़ते प्रकोप के कारण अनिश्चितकाल के लिए स्थगित कर दिया गया है और यह तय नहीं है कि इस साल आईपीएल कब शुरू होगा लेकिन 60 फीसदी फैंस का मानना है कि आईपीएल को 2020 में वापसी संभव है।

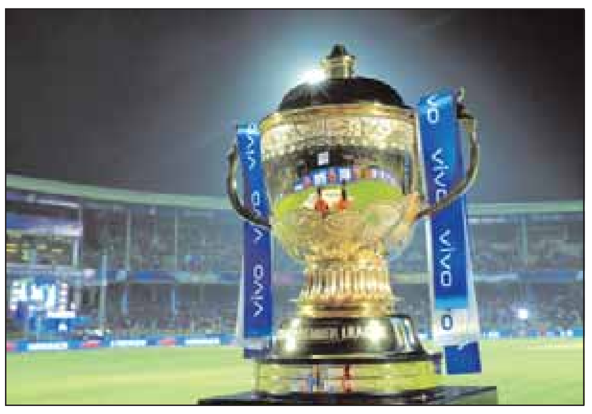

नई दिल्ली । भारत के प्रमुख फैंटसी स्पोर्ट्स प्लेटफॉर्म्स में से एक मायटीम11 ने कुल 10,000 लोगों के सैंपल को लेते हुए एक सर्वे का आयोजन किया। यह देश का पहला ऐसा सर्वे था जिससे फैंस की खेलों की वापसी के प्रति मानसिक स्थिति का आभास मिल पाया है और स्पोर्ट्स व्यवसाय पर क्या असर पड़ेगा इसका भी एक अंदाजा लग गया है।

कोरोना वायरस के चलते विश्व के सबसे बड़े खेल समारोह यानी टोक्यो ओलम्पिक को 2021 तक स्थगित कर दिया गया है और इसी घटना ने किसी भी प्रकार के खेलों की वापसी पर बहुत सारे प्रश्न खड़े कर दिए हैं। विश्व के लिए जैसे ओलम्पिक है वैसे ही भारत के लिए आईपीएल है।

इस सर्वे के प्रमुख निष्कर्षों के रूप में एक यह परिणाम निकल कर आया है कि अभी भी 60 फीसदी भारतीय क्रिकेट फैंस यह उम्मीद लगाए बैठे हैं कि 2020 में आईपीएल का आयोजन संभव है, लेकिन कब, इस पर सर्वे में भी विवाद दिखाई दिया है। 40 फीसदी लोगों ने यह साफ़ तौर से माना कि आईपीएल का आयोजन 2020 में बहुत ही मुश्किल लगता है।

इसी सर्वे के दूसरे महत्त्वपूर्ण निष्कर्ष में यह बात भी सामने आयी है कि लगभग 40 फीसदी लोग कोरोना वायरस के डर से 2021 से पहले स्टेडियम में जाने से कतरा रहे हैं। जो यह भी दर्शाता है कि लोग अभी अपने गैजेट्स या टीवी सेट्स पर खेल कूद का आनंद लेना ज़्यादा पसंद करेंगे जब तक इस वैश्विक महामारी का ठोस इलाज नहीं निकल कर आता। क्रिकेट का महासंग्राम कहे जाने वाले आईपीएल की 29 मार्च से शुरुआत होनी थी लेकिन देशभर में लॉकडाउन के कारण इसे अनिश्चित समय के लिए स्थगित कर दिया गया है। अब 2020 में टूर्नामेंट का आयोजन करने के लिए केवल दो विंडो उपलब्ध है जो सितम्बर से लेकर नवम्बर तक हो सकती हैं।

सितम्बर में एशिया कप का टी-20 प्रारूप में आयोजन होना है जबकि अक्टूबर-नवम्बर में ऑस्ट्रेलिया में टी-20 विश्व कप का आयोजन होना है। यदि विश्व कप का आयोजन टलता है तो दर्शकों के बिना आईपीएल के आयोजन के बारे में सोचा जा सकता है। क्रिकेट का महासंग्राम कहे जाने वाले आईपीएल की 29 मार्च से शुरुआत होनी थी लेकिन देशभर में लॉकडाउन के कारण इसे अनिश्चित समय के लिए स्थगित कर दिया गया है। अब 2020 में टूर्नामेंट का आयोजन करने के लिए केवल दो विंडो उपलब्ध है जो सितम्बर से लेकर नवम्बर तक हो सकती हैं।

रोहित के सफल करियर का श्रेय धोनी को: गंभीर

मुंबई । पूर्व क्रिकेटर और अब सांसद गौतम गंभीर का मानना है कि भारतीय सलामी बल्लेबाज रोहित शर्मा सीमित ओवर के बेहतरीन खिलाड़ियों में एक हैं और उनके इस सफल करियर का श्रेय पूर्व कप्तान महेंद्र सिंह धोनी को जाता है। रोहित ने वर्ष 2007 में पदार्पण किया था लेकिन धोनी की कप्तानी में 2013 में उन्हें सलामी बल्लेबाज के रुप में मौका मिला जिसके बाद उनका करियर लगातार बढ़ता चला गया। गंभीर ने स्पोटर्स तक से कहा,÷रोहित आज जो कुछ भी हैं वो धोनी के कारण हैं। धोनी की एक बात अच्छी थी वह चर्चा के दौरान हमेशा रोहित को शामिल रखते थे। यहां तक कि रोहित के टीम में शामिल नहीं रहने के बावजूद वह चर्चा में शामिल रहते थे। धोनी कभी उन्हें अलग नहीं करते थे। गंभीर ने कहा,÷कप्तान के समर्थन से ही एक खिलाड़ी का करियर बनता या बिगड़ता है। आप चयनकर्ता और टीम प्रबंधन की बात कर सकते हैं लेकिन अगर आपके पास कप्तान का समर्थन नहीं है तो बाकी चीजें व्यर्थ है।

रिजिजू ने भारतीय मुक्केबाजी महासंघ और उसके अध्यक्ष अजय सिंह के प्रयासों की सराहना की

मुक्केबाजों के दम पर ओलम्पिक में टॉप-10 में आएगा भारत: रिजिजू

भारत के रिकॉर्ड नौ मुक्केबाज टोक्यो ओलम्पिक के लिए क्वालीफाई कर चुके हैं और केंद्रीय खेल मंत्री किरेन रिजिजू का मानना है कि मुक्केबाज ओलम्पिक की पदक तालिका में भारत को टॉप-10 में जगह दिलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे।

नई दिल्ली । रिजिजू ने देश के शीर्ष मुक्केबाजों के साथ ऑनलाइन वीडियो बातचीत सत्र में मुक्केबाजों के प्रयासों को सराहते हुए कहा कि भारत को खेलों में एक ताकत बनाने और देश को ओलम्पिक पदक तालिका में शीर्ष 10 देशों में जगह दिलाने में मुक्केबाजों की महत्वपूर्ण भूमिका रहेगी। सत्र में छह बार की विश्व चैंपियन एमसी मैरीकॉम, एशियाई खेलों के स्वर्ण विजेता विकास कृष्णन, विश्व चैंपियनशिप के रजत विजेता अमित पंघल, पूजा रानी, सिमरनजीत कौर, लवलीना बोर्गोहैन, सतीश कुमार, मनीष कौशिक, हाई परफॉरमेंस डायरेक्टर सेंटियागो नियेवा, विदेशी कोच रफ़एल बरगामास्को, प्रमुख कोचों और स्टाफ ने हिस्सा लिया। रिजिजू ने भारतीय मुक्केबाजी महासंघ और उसके अध्यक्ष अजय सिंह के प्रयासों की सराहना की कि उन्होंने कोरोना वायरस की संकटपूर्ण स्थिति के बावजूद ऑनलाइन कोचिंग सत्र के जरिये मुक्केबाजों और सपोर्टिंग स्टाफ को व्यस्त रखा है। इस ऑनलाइन सत्र में 140 एलीट भारतीय मुक्केबाजों , कोचों और अधिकारियों ने हिस्सा लिया।

भारतीय मुक्केबाजों ने टोक्यो ओलम्पिक के लिए रिकॉर्ड नौ कोटा स्थान हासिल कर लिए हैं जो उसका अब तक का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है। भारत ने 2012 के लंदन ओलम्पिक में 8 कोटा स्थान हासिल किये थे जिसे अब उसने 9 कोटा के साथ पीछे छोड़ दिया है। भारत ने 2016 के पिछले रियो ओलम्पिक में 6 कोटा स्थान हासिल किये थे। भारत ने महिला वर्ग के कुल पांच ओलम्पिक कोटा में चार हासिल कर लिए हैं और 57 किग्रा का कोटा अभी बाकी है।

सीमित ओवर क्रिकेट में विराट से आगे हैं रोहित: गौतम गंभीर

पूर्व भारतीय सलामी बल्लेबाज गौतम गंभीर का मानना है कि भारतीय सलामी बल्लेबाज रोहित शर्मा मौजूदा समय में सीमित ओवरों में दुनिया के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी हैं और वह इस प्रारुप में टीम इंडिया के कप्तान विराट कोहली से काफी आगे हैं।

नई दिल्ली । गंभीर हालांकि मानते हैं कि विराट करियर में रोहित से ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी होंगे। उन्होंने रोहित को सीमित ओवर क्रिकेट का सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाज बताया लेकिन साथ ही कहा कि वह इस प्रारुप के ऑलटाइम सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाज नहीं है। गंभीर ने स्पोटर्स तक से कहा,÷मेरे ख्याल से सीमित ओवर का खेल ऐसा होता है जिसमें प्रभाव दिखाने वाले खिलाड़ी ज्यादा सफल होते हैं। विराट निश्चित रूप से रोहित से ज्यादा रन बनाएंगे और वह फिलहाल सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाजों में से एक हैं लेकिन रोहित ने जिस तरह खेल पर अपना प्रभाव छोड़ा है उसे देखते हुए वह अभी विराट से कहीं आगे हैं। उन्होंने कहा,÷मेरे ख्याल से रोहित सीमित ओवर की क्रिकेट में फिलहाल दुनिया के सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाज हैं। हालांकि वह ऑलटाइम महान खिलाड़ी नहीं है लेकिन इस वक्त वह सर्वश्रेष्ठ हैं। वह एकमात्र ऐसे बल्लेबाज हैं जिन्होंने वनडे में तीन दोहरे शतक लगाए हैं, एक ही विश्वकप में पांच शतक जड़े हैं।

न्यूज गैलरी

एक से ज्यादा कार हैं तो किलोमीटर बीमा प्रीमियम चुकाना फायदेमंद

नई दिल्ली। देशभर में लॉकडाउन खुलने के बाद बीमा कंपनियां गाड़ी की किलोमीटर के अनुसार प्रीमियम भुगतान का विकल्प देने की तैयारी कर रही है। यानी आप जितनी गाड़ी चलाएंगे उसी अनुसार बीमा का प्रीमियम भुगतान करना होगा। इसके मुताबिक 2500, 5000 और 7500 किलोमीटर में से कोई एक चुनने का विकल्प है। इसके लिए बीमा कंपनियां 10 से 25 प्रतिशत की छूट पॉलिसी खरीदने पर ऑफर कर रही हैं बीमा कंपनियों ने इस पॉलिसी को 'पे एज यू ड्राइव' नाम दिया है। यानी आप महीने में जितनी किलोमीटर गाड़ी चलाते हैं उसी अनुसार प्रीमियम का भुगतान करें। इस नई पॉलिसी के बारे में बीमा क्षेत्र के विशेषज्ञों का कहना है कि यह पॉलिसी उनके लिए ज्यादा फायदेमंद है जो एक से अधिक गाड़ी के मालिक हैं। बीमा कंपनियों ने तीन स्लैब में गाड़ी के किलोमीटर के अनुसार प्रीमियम चुकाने का विकल्प दे रही हैं। ग्राहक अपने उपयोग की जरूरत के अनुसार तीन स्लैब 2500 किमी, 5000 किमी और 7500 किमी में से कोई एक विकल्प चुन सकता है। इस उत्पाद के तहत, ग्राहक एक वर्ष की अवधि के लिए वाहन की तय की जाने वाली अनुमानित दूरी के बारे में पहले बताना होता है। उसके आधार पर कंप्यूरीकृत प्रणाली से प्रीमियम की राशि तय की जाएगी।

चीन को पछाड़ने की तैयारी में भारतीय वाहन उद्योग

नई दिल्ली। भारतीय वाहन उद्योग लॉकडाउन के बाद चीनी ऑटो सेक्टर को पछाड़ने की तैयारी कर रहा है। इसके लिए भारतीय वाहन उद्योग जल्द से जल्द चीनी ऑटो पाट्‌र्स पर निर्भरता खत्म करने की योजना बना रहा है। वाहनों के कलपुर्जे बनाने वाली कंपनियों के संगठन ऑटोमोटिव कम्पोनेंट मैन्युफैक्चरर्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया (एक्मा) के महानिदेशक विन्नी मेहता ने 'हिन्दुस्तान' को बताया कि चीनी ऑटो पाट्‌र्स पर निर्भरता खत्म करने की हमने तैयारी शुरू कर दी है। इसके लिए एक्मा और देश की सभी बड़ी वाहन कंपनियों के बीच कई दौर की वार्ता हो चुकी है। हमने टाटा, मारुति, महिंद्रा और दूसरी वाहन कंपनियों से उनकी जरूरतों के बारे में जाना है। चीन से 1000 विदेशी कंपनियां सरकार के भारत में अपनी फैक्ट्रियां लगाने पर वार्ता कर रही हैं। करीब 300 मोबाइल, इलेक्ट्रॉनिक्स, मेडिकल डिवाइसेज और टेक्सटाइल्स की कंपनियां भारत में फैक्ट्री लगाने को पूरी तरह से मूड बना चुकी हैं। प्रधानमंत्री कार्यालय, नीति आयोग और डिपार्टमेंट फॉर प्रमोशन ऑफ इंडस्ट्री एंड इंटरनल ट्रेड चीन से भारत में आने वाली कंपनियों को प्रोत्साहन देने की योजना पर काम कर रहे हैं।

आर्थिक विशेषज्ञों का मानना है कि आने वाले दिनों में सेवा क्षेत्र के

भुजिया के दो पैकेट को ट्रैक करने के चक्कर में खाते से 2.25 लाख रुपये साफ

मुंबई। 400 रुपये के भुजिया दो पैकेट को ट्रैक करने के चक्कर में 40 साल के एक बिजनेसमैन को साइबर ठगों ने 2.25 लाख रुपये का चूना लगा दिया। दरअसल से शख्स ने स्नैक्स ऑर्डर ट्रैक करने के लिए गलती से फेक हेल्पलाइन नंबर पर कॉल कर दिया और अपना बैंक डिटेल्स भी साझा कर दिया। मामला महाराष्ट्र के मुंबई के बो?रीवली इलाके का है। मुंबई के बो?रीवली पुलिस के अनुसार, शिकायतकर्ता ने उन्हें 2 मई को संपर्क किया और एफआईआर दर्ज करवाया। उन्होंने बताया कि 22 अप्रैल को एक वेबसाइट से ऑनलाइन ग्रोसरी ऑर्डर किया था। उन्हें ऑर्डर किए गए सभी सामानों की डिलीवरी मिल गई, लेकिन 400 रुपये की कीमत वाली दो भुजिया पैकेट नहीं मिल सकी।

हिंदुस्तान टाइम्स ने अपनी एक रिपोर्ट में एक साइबर क्राइम एक्सपर्ट के हवाले से लिखा कि ठग शिकायतकर्ता के डिवाइस पर यूपीआई अकाउंट सेटअप करने में सफल रहा। इसके लिए उसे बैंक अकाउंट नंबर, ष्टङ्कङ्क, क्क्ह पिन और ह्ज्ञक्क आसानी से मिल गया. उसके पास कार्ड डिटेल्स भी थे, जिसकी मदद से वो आसानी से अकाउंट साफ करने में सफल हो गया। लोगों को अपने ह्ज्ञक्क और ष्टङ्कङ्क जैसी संवेदनशील जानकारियां किसी से भी साझा नहीं करना चाहिए।

महाराष्ट्र साइबर पुलिस के डिप्टी इंस्पेक्टर जनरल हरीश बैजल ने कहा, 'ऐसे मामलों में इस बीच इजाफा हुआ है। लॉकडाउन में ठग लोगों को चूना लगाने के लिए नए तरीके इजाद कर रहे हैं. लोगों को सावधान रहना होगा। हम इसपर लगातार एडवाइजरी जारी करते रहते हैं और ट्विटर हैंडल के जरिए जागरुक करते रहते हैं।

ऐसे हुआ ठगी का शिकार

इस शख्स ने 1 मई को गूगल से ग्रोसरी वेबसाइट का ऑनलाइन हेल्पलाइन नंबर खोजकर कॉल किया जो? फर्जी नंबर था। इस नंबर को किसी साइबर ठग ने अपलोड किया था। कॉल पर ठग ने इस शख्स से बैंक अकाउंट नंबर, रजिस्टर्ड मोबाइल नंबर और उनके ञ्जरूकार्ड का 3 डिजिट वाला ष्टङ्कङ्क नंबर मांगा। इसके बाद ठग ने उनके मोबाइल नंबर पर एक लिंक भेजा और इसे दूसरे मोबाइल नंबर पर फॉरवर्ड करने को कहा। इसके बाद उसने शिकायतकर्ता से क्क्ह पिन और ह्ज्जक्कमांगा। इसके 2 घंटे के अंदर ही उनके खाते से 2.25 लाख रुपये निकाल लिया गया।

सिल्वर लेक पार्टनर्स ने रिलायंस जियो में 5,655.75 करोड़ रुपये का किया निवेश

मुंबई। अमेरिका की निजी इक्विटी दिग्गज कंपनी सिल्वर लेक पार्टनर्स ने रिलायंस के जियो प्लेटफॉर्म में एक फीसदी की हिस्सेदारी 5,655.75 करोड़ रुपये में खरीदी है। यह डील ऐसे समय पर हुई जब दो हफ्ते से भी कम समय पहले फेसबुक ने जियो में 9.99 फीसदी की हिस्सेदारी खरीदी थी। बता दें कि हाल ही में मुकेश अंबानी की रिलायंस इंडस्ट्रीज की कंपनी रिलायंस जियो में अमेरिकी सोशल मीडिया कंपनी फेसबुक ने निवेश किया था। फेसबुक ने रिलायंस जियो की 9.99 फीसदी हिस्से को 5.7 बिलियन यानि 43,574 करोड़ रुपये में खरीदने के लिए समझौता किया था। लॉकडाउन के दौरान इसे पूरी दुनिया में होने वाली सबसे बड़ी डील के तौर पर देखा जा रहा था।

रिलायंस जियो ने इस डील पर जारी प्रेस विज्ञप्ति में कहा है कि कोविड 19 महामारी के कारण हुए गंभीर आर्थिक संकट के मद्देनजर विश्व स्तर पर और विशेष रूप से भारत के भीतर सिल्वर लेक से हुई यह डील भारतीय अर्थव्यवस्था के पुनरोद्धार का एक महत्वपूर्ण घटक होगा। सिल्वर लेक के साथ डील पर टिप्पणी करते हुए रिलायंस इंडस्ट्रीज के चेयरमैन और प्रबंध निदेशक मुकेश अंबानी ने कहा, 'सिल्वर लेक फर्म का दुनिया भर की बड़ी-बड़ी टेक्नोलॉजी कंपनियों के साथ पार्टनरशिप का शानदार रिकॉर्ड रहा है। टेक्नोलॉजी और फाइनेंस के मामले में सिल्वर लेक कंपनी काफी लोकप्रिय है।'

वहीं सिल्वर लेक के सह-सीईओ और मैनेजिंग पार्टनर एगॉन डरबन ने इस डील पर खुशी जताते हुए कहा कि रिलायंस जियो दुनिया की बेहतरीन कंपनियों में से एक है। इसे मजबूत मैनेजमेंट और बेस्ट टीम के जरिए चलाया जा रहा है। कंपनी बड़े पैमाने पर ग्राहकों और छोटे कारोबारियों के लिए कम लागत वाली डिजिटल सेवाएं देती है। ऐसे में इस बाजार में संभावनाएं बहुत अधिक हैं।

फेसबुक से ज्यादा महंगी डील

सिल्वर लेक की यह डील फेसबुक डील के मुकाबले ज्यादा वैल्यूएशन पर हुई है। यह निवेश छ्वद्बश प्लेटफॉर्म्स पर 4.90 लाख करोड़ रुपये के इक्विटी मूल्य और 5.15 लाख करोड़ रुपये की इंटरप्राइजेज वैल्यू है। यह डील फेसबुक सौदे के मुकाबले 12.5 प्रतिशत ?? प्रीमियम पर हुई है। टेक्नोलॉजी से जुड़ी कंपनियों में निवेश करने के मामले में यह दुनिया की दिग्गज कंपनियों में शामिल सिल्वर लेक टेक्नोलॉजी ने 2013 में कंप्यूटर बनाने वाली कंपनी डेल का अधिग्रहण किया था। सिल्वर लेक का कंबाइंड ्रू (एसेट्स अंडर मैनेजमेंट) 43 अरब डॉलर का है। कंपनी ने करीब 100 से ज्यादा इनवेस्टमेंट किए हैं और इसके अधिकारी सिलिकॉन वैली, न्यूयॉर्क, हॉन्गकॉन्ग और लंदन में मौजूद हैं।

मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर में अब तक की सबसे बड़ी गिरावट

नई दिल्ली। पूरे देश में लॉकडाउन के कारण गत अप्रैल में देश के विनिर्माण क्षेत्र में अब तक की सबसे बड़ी गिरावट देखी गई और आईएचएस मार्किट द्वारा जारी खरीद प्रबंधक सूचकांक (पीएमआई) लुढ़ककर 27.4 रह गया। आईएचएस मार्किट माह दर माह आधार पर विनिर्माण और सेवा क्षेत्र के आंकड़े जारी करता है। सूचकांक का 50 से ऊपर रहना वृद्धि और इससे नीचे रहना गिरावट को दर्शाता है, जबकि 50 पर होना स्थिरता दिखाता है। सूचकांक 50 से जितना अधिक नीचे गिरता है वह उत्पादन में उतनी बड़ी गिरावट को दर्शाता है। अप्रैल महीने की गिरावट कितनी बड़ी है इसका अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि 2009 की वैश्विक आर्थिक मंदी के दौरान भी देश का विनिर्माण पीएमआई करीब 44 तक ही लुढ़का था। अप्रैल में भारतीय विनिर्माण उत्पादन में अभूतपूर्व गिरावट देखी गई। कोरोना वायरस 'कोविड-19' महामारी का संक्रमण रोकने के लिए लगाये गये राष्ट्रव्यापी लॉकडाउन के कारण कारोबार बंद रहने से ऐसा हुआ। आईएचएस मार्किट के अर्थशास्त्री इलिअट केर ने रिपोर्ट पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा कि उत्पादन, नये ऑर्डर, मांग और रोजगार में गिरावट के बीच एक सकारात्मक पहलू यह है कि अगले एक साल के परिदृश्य को लेकर कारोबारियों की धारणा आशापूर्ण है।

कोरोना पर चीन की चालबाजी

दुनिया को अंधेरे में रखकर अपनी तैयारी करता रहा

वाशिंगटन। अमेरिका ने आयात-निर्यात का आंकड़ा निकाला है और बताया है कि कैसे चीन ने निर्यात घटा दिया और आयात बढ़ा दिया ताकि उसके पास सबकुछ पहले से जमा हो जाए। अमेरिका यह कह रहा है कि चीन को पता था कि कोविड 19 की वजह से स्थिति विकराल होने जा रही है, लेकिन उसने दुनिया को नहीं बताया और अपनी तैयारी करता रहा दुनिया को अंधेरे में रखकर। आकलन में कहा गया है कि चीन कोरोना वायरस की गंभीरता को कमतर बताता रहा और इस दौरान उसने चिकित्सीय आपूर्तियों का आयात बढ़ा दिया जबकि निर्यात को घटा दिया।

यह खुलासा ऐसे समय में हुआ है जब ट्रंप प्रशासन लगातार चीन की आलोचना कर रहा है। विदेश मंत्री माइक पोम्पिओ ने रविवार को कहा कि बीमारी के प्रसार के लिए चीन जिम्मेदार है और उसे इसके लिए जवाबदेह ठहराया जाना चाहिए। अमेरिकी अधिकारियों का मानना है कि चीन ने कोरोना वायरस के प्रकोप के पैमाने और बीमारी के अति संक्रामक होने की बात इसलिए छुपा के रखी ताकि वह इससे निपटने के लिए जरूरी मेडिकल इक्यूपमेंट की जमाखोरी कर सके। रिपोर्ट में यह भी कहा गया कि चीन ने लगभग पूरी जनवरी विश्व स्वास्थ्य संगठन को यह सूचना नहीं दी कि कोरोना वायरस ÷संक्रामक÷ है ताकि वह विदेशों से चिकित्सा सामग्रियां मंगा सके और इस दौरान फेस मास्क, सर्जिकल गाउन और दस्तावेजों का उसका आयात तेजी से बढ़ा था। रिपोर्ट के मुताबिक ये परिणाम 95 प्रतिशत संभावना पर आधारित हैं कि आयात एवं निर्यात नीति में चीन के बदलाव सामान्य नहीं थे। खुफिया दस्तावेजों में यह जानकारी सामने आई है. एजेंसी को मिले गृह सुरक्षा मंत्रालय के चार पन्नों वाले दस्तावेज के मुताबिक चीन के नेताओं ने जनवरी की शुरुआत में दुनिया से वैश्विक महामारी की गंभीरता जानबूझकर छिपाई।

इन दस्तावेजों पर एक मई की

प्रथम पृष्ठ का शेष

सभी जिलों में क्राइसिस

समस्या को देखते हुए सभी आवश्यक उपाय किए जा रहे हैं, जो श्रमिक बाहर से आए थे उन्हें छात्रावास में क्वॉरेंटाइन स्थिति में रखा गया है। नगर की 57 प्रतिशत आबादी का सर्वेक्षण किया जा चुका है। कंटेनमेंट क्षेत्र में 1लाख 67 हजार 992 लोग शामिल हैं। मुख्यमंत्री चौहान ने इंदौर, उज्जैन, बुरहानपुर, रायसेन में रोक की स्थिति की जानकारी प्राप्त की। अपर मुख्य सचिव स्वास्थ्य मोहम्मद सुलेमान ने बताया कि भोपाल में आज 1207 में से 31 पॉजिटिव पाए गए। राज्य में 4 मई को 106 पॉजिटिव रोगी पाए गए। कुल 58 रोगी रोग मुक्त होकर घर रवाना किए गए। बुरहानपुर में 111 में से 16, इंदौर में 421 में से 43, उज्जैन में 73 में से 10, रायसेन में 32 में से दो और मुरैना में 49 में से एक रोगी की पॉजिटिव रिपोर्ट आई है।

एम्स से 12 और चिरायु अस्पताल

स्टाफ ने पूरी सेवा और समर्पण भाव से हमारा इलाज किया जिस कारण आज हम स्वस्थ हुए हैं। 13 वर्षीय सुमेला ने बताया कि उन्हें यहां महसूस ही नहीं हुआ कि वह अस्पताल में है। उन्हें घर जैसा माहौल मिला। जितेंद्र सुपे ने बताया कि उन्होंने सोचा नहीं था कि इस तरह की उच्च स्तरीय स्वास्थ्य सुविधाएं उन्हें मिलेगी।

रेड जोन में शामिल इंदौर

बुरहानपुर, हरदा, बैतूल, विदिशा, मुरैना और रीवा के कंटेनमेंट एरिया को छोड़कर शेष मदिरा और भांग दुकानें संचालित की जाएंगी। ग्रीन जोन के अंतर्गत आने वाले जिलों की सभी दुकानों का संचालन शुरू किया जाएगा। सभी लाइसेंसियों को निर्देशित किया गया है कि वे दुकानों पर गृह मंत्रालय, भारत सरकार और वाणिज्यिक कर विभाग मध्यप्रदेश शासन द्वारा जारी गाइडलाइन और दो गज की दूरी का पालन भी सुनिश्चित करें।

कोरोना के नियंत्रण के लिए प्रदेश

अनुमोदित करने का अनुरोध किया है। इसके अलावा, आरएनए एक्स्ट्रेक्शन किट प्रदेश को उपलब्ध कराने की मांग की। मिश्रा ने बताया कि प्रदेश में ऑक्सीजन थैरेपी से कोरोना की बीमारी के उपचार में मदद मिली है। वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग में केन्द्रीय स्वास्थ्य राज्य मंत्री अश्विनी चौबे भी उपस्थित थे। मंत्री मिश्रा ने बताया कि चिरायु अस्पताल भोपाल में अब तक 600 मरीज भर्ती हुए हैं, इनमें 250 से अधिक स्वस्थ होकर घर जा चुके हैं। अस्पताल में उपचार के दौरान एक भी मरीज काल-कवलित नहीं हुआ है। ऑक्सीजन थैरे?पी के उपचार से यह संभव हुआ है। इस तकनीक से एम्स और इंदौर में भी उपचार किया जा रहा है।

सर्वाधिक कोरोना प्रभावित...

ये टीमें इन जिलों/शहरों के भीतर कोविड 19 से प्रभावित क्षेत्रों में रोकथाम उपायों के कार्यान्वयन में राज्यों की सहायता करेंगी तथा राज्य सरकारों का हाथ बंटायेंगी।

३.२ की जगह अब...

कोविड अस्पतालों और विशेष कोविड स्वास्थ्य केंद्रों में मौजूद 2.5 लाख से भी अधिक बेड की बदौलत किसी भी आकस्मिक स्थिति से निपटने में सक्षम हैं। स्वास्थ्य मंत्रालय का एक निकाय नेशनल सेंटर फॉर डिसीज कंट्रोल (एनसीडीसी) इस समय देश में नौ लाख से अधिक लोगों की कोरोना संबंधी निगरानी में लगा हुआ हुआ है और इसकी बेहतर सर्विलांस प्रणाली के तहत देश के सभी 734 जिलों से आंकड़े जुटाए जा रहे हैं। कोरोना मरीजों का पता लगाने के लिए यह सर्विलांस सिस्टम एक कारगर हथियार साबित हुआ है और जो लोग कोरोना संक्रमित पाए गए हैं उनके संपर्क सूत्रों का पता लगाकर उनकी पूरी निगरानी रखी जा रही है। इसकी मदद से 23 जनवरी को देश में सबसे पहले 13 लोगों के बारे में जानकारी जुटाई गई थी और यह आंकड़ा बढ़कर अब नौ लाख से अधिक गया है।

मौत का आंकड़ा...

इसके अलावा देश में आरटी-पीसीआर टेस्टिंग किट बनाने की प्रक्रिया का काम एडवांस स्टेज पर है। इंडियन काउंसिल ऑफ मेडिकल रिसर्च की ओर से अनुमति मिलने के बाद इसका उत्पादन शुरू हो जाएगा और 31 मई तक देश में रोजाना एक लाख टेस्ट हो पाएंगे।

20 देशों की जनसंख्या...

लता है कि उनके यहां पाये जाने वाले मामले हमारे देश से 84 गुना अधिक हैं और उनके यहां होने वाली मौतों की संख्या हमारे देश में हुई मौतों से 200 गुना अधिक है। यह सब केन्द्र सरकार की 'प्रिएम्पटिव, ग्रेडेड, प्रोएक्टिव' रणनीति के तहत संभव हुआ है।

फर्जी आरोग्य सेतु एप से बचें, यूपीआई खातों पर ठगों की नजर

नई दिल्ली। सोशल मीडिया पर फैलाए जा रहे फर्जी आरोग्य सेतु एप से भी सरकार की तरफ से सावधान रहने को कहा है। आरोग्य सेतु एप्लिकेशन गूगल प्ले स्टोर, एप्पल स्टोर, मेरी सरकार (माईगॉव) वेबसाइट पर उपलब्ध है। लोगों को आगाह किया है कि सोशल मीडिया के जरिए यदि कोई आरोग्य सेतु ऐप का लिंक भेजने का दावा करे तो उसे क्लिक न किया जाए। वो वायरस हो सकता है। ऐसे लिंक के बारे में पर रिपोर्ट करने को भी कहा गया है। कोरोना संकट के दौर में कैश से डिजिटल लेन-देन की ओर अभी-अभी शिफ्ट हुए तमाम लोग अब साइबर ठगों की नजर में आ गए हैं। 'हिन्दुस्तान' को मिली जानकारी के मुताबिक साइबर ठग इन नए लोगों को ही पहले निशाना बना रहे हैं। देश में बीते मार्च और अप्रैल के बीच करीब 50 लाख नए लोगों ने यूपीआई खाते खोले हैं। साइबर ठग इन्हीं लोगों को निशाना बनाकर उन्हें एक लिंक के साथ एसएमएस भेजते हैं जिसे खोलते ही लोगों के खाते की रकम साफ करने के लिए ठगों के लिए रास्ता खुल जाता है। राष्ट्रीय साइबर सुरक्षा समन्वयक लेफ्टिनेंट जनरल राजेश पंत ने बताया कि नए लोगों को शिकार बनाना साइबर गिरोह के लिए आसान हो जाता है। उनके मुताबिक पिछले दो महीने में बढ़ता साइबर फ्रॉड का ग्राफ अब काबू में आ रहा है, लेकिन नए लोगों को निशाना बनाने में ये ठग नहीं चूकते। उन्होंने लोगों को सुझाव देते हुए कहा कि किसी भी गैर जरूरी लिंक को खोलते ही व्यक्ति के मोबाइल या कम्प्यूटर की कमान साइबर ठग के हाथ में जाने की आशंका रहती है।

ऐसे में सावधानी से ही इंटरनेट का

आज का भविष्यफल

मेषः मेष राशि के जातकों की अपने काम के प्रति गहन समझ और रिस्क लेकर काम करने की क्षमता उन्हें कार्यक्षेत्र में सफलता दिलाएगी। धन प्राप्ति के लिए किए गए सभी प्रयास सफल होंगे।

वृषभः वृष राशि के जातकों आज कुछ नया काम मिलने का योग है। भाग्य धन प्राप्ति का मार्ग प्रशस्त कर रहा है। आत्मविश्वास और सही निर्णय लेने से सभी काम आसान हो जाएंगे। महत्वपूर्ण निर्णय लेने से पहले विचार अवश्य करें या फिर किसी भरोसेमंद व्यक्ति की सलाह लें।

मिथुनः मिथुन राशि के जातको के लिए आज आराम का दिन है। मनोरंजन से शरीर में नई ऊर्जा का संचार होगा तथा कार्यक्षेत्र व धन प्राप्ति के लिए नई योजनाएं बनाने में कामयाब रहेंगे।

कर्कः कर्क राशि के जातक अगर कोई ऐसा काम करना चाहते हैं, जिसमे पैसों का रिस्क हो आज अगर वह करते हैं तो उसमें सफलता मिलेगी। पुराने निवेश पर आज पुनर्विचार का दिन भी है।

सिंहः सिंह राशि के जातक आज आत्म केंद्रित रहेंगे प्रतिद्वंदी आपको परेशान करने की कोशिश करेंगे परंतु असफल रहेंगे। धन प्राप्ति के लिए दिन अच्छा है।

कन्याः कन्या राशि के जातक बौद्धिक क्षमता के बल पर सहयोगियों पर अपना प्रभाव डालने में कामयाब रहेंगे। विभिन्न स्रोतों से धन प्राप्ति के योग हैं। जल्दबाजी में खरीदारी से बचना चाहिए।

तुलाः तुला राशि के जातक अपनी प्रभावशाली रिलेशनशिप तथा बातचीत के कौशल से कुछ नए अनुबंध पाने में कामयाब रहेंगे, जो कि भविष्य में धन प्राप्ति का मुख्य साधन बनेंगे। धन के लिहाज से आज का दिन अति उत्तम है।

वृश्चिकः वृश्चिक राशि के सेवा क्षेत्र से जुड़े हुए लोगों को सफलता व धन प्राप्ति के अच्छे योग हैं। मेहनत के अच्छे परिणाम मिलेंगे। सहयोगी भी आपकी पूरी मदद करेंगे।

धनुः धनु राशि के के लोगों के लिए विचारों की स्पष्टता बहुत जरूरी है। जब वह सही निर्णय लेंगे तो सफलता जरूर मिलेगी। धन प्राप्ति के लिए दिन सामान्य है। आत्मविश्वास को बनाए रखें।

मकरः मकर राशि के जातकों पर अपने बॉस की विशेष अनुकंपा बनी रहेगी। नया विचार कार्यक्षेत्र में तरक्की देंगे। आज आपको अपने संचित धन के ऊपर ही खर्चे के लिए निर्भर रहना होगा।

कुंभः कुंभ राशि के जातक हमेशा पैसों को लेकर आत्म चिंतन में लगे रहते हैं आज भी एक ऐसा ही दिन है। जिसमें नई योजनाएं बनेंगी। जो आगे जाकर धन प्राप्ति में सहायक होगी। आज धन प्राप्ति की संभावनाएं कम हैं।

मीनः मीन राशि के जातकों को आज काम करने का दिल नहीं करेगा। कुछ आराम के मूड में रहेंगे। पुरानी मेहनत धन प्राप्ति कराएगी। खर्च पर नियंत्रण रहेगा। जीवन के प्रति आज आपकी सकारात्मक सोच कोई नई उपलब्धि दिला सकती है।

सू- दोकू क्र.012

	8				1		5	
6			8			2		3
	3				2		1	
		3		9		5		4
5			3				9	
		4		2				6
4			2		3		6	
		6				8		7
	2	9	7		6			

नियम

1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गों का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक भर सकते है।
3. बाएं से दाएं और उपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

सू-दोकू क्र 11 का हल

5	3	9	7	4	8	6	2	1
2	1	6	5	9	3	4	7	6
4	7	8	1	6	2	3	5	9
3	6	1	8	5	9	2	4	7
8	5	2	3	7	4	1	9	6
7	9	4	2	1	6	8	3	5
6	4	7	9	2	1	5	6	3
1	8	5	4	3	7	9	6	2
9	2	3	6	8	5	7	1	4

शब्द सामर्थ्य -012

बाएं से दाएं :
1. पानी, नीर, अंबु 2. आना-जाना, आवागमन 5. बहुत, बढ़िया 6. दूर रहने वाला (घटना) जो वर्तमान में न घट सके 8. अबोध, नासमझ, अनाड़ी 10. सब्जी, शाक 11. निशान, उद्देश्य, अनुमान योग्य वस्तु 12. नाखून 13. द्रव पदार्थ 15. सूनसान, जनविहीन स्थान 16. चटकीला, चमकीला, चटपटा, गौरिया 18. भगवान, खुदा 19. इन दिनों, वर्तमान दिनों में 20. अग्नि, पावक 21. अन्नकण, अनाज का टुकड़ा 22. टालमटोल, बहाने बाजी 24. भैया की पत्नी 25. पांच से छोटी एक विषम संख्या 26. हत्या, कत्ल.

ऊपर से नीचे
1. दुनिया, संसार, ठोस रूप में परिवर्तित करना 2. चमक, पानी 3. बाजीगर, जादू का खेल दिखाने वाला 4. एक पंजाबी प्रेमगीत, रांझा की प्रेमिका 5. मार-काट, खून-कत्ल 7. भूमि, जमीन, भू-भाग 9. बहुत बड़ा दानी, 10. संगीत के सुरों की संख्या 14. लचीला, लोचयुक्त 17. खिसकना, अपने स्थान से हटना, विचलित होना 19. प्रवेश करना, पधारना, आना 20. धूप-दीप से पूजा 22. इसी समय 23. गुस्सा, कहर.

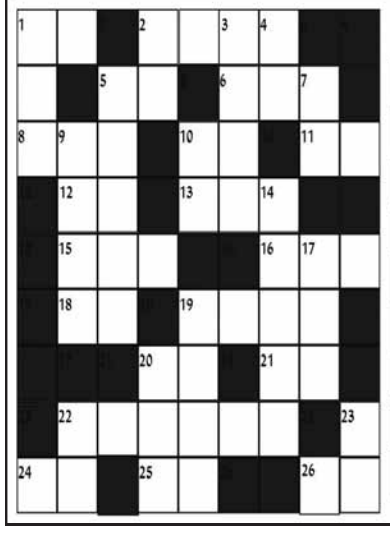

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 11 का हल

स्वा	द		सा	म	ना		कै	दी
व		ख	ल	ना	य	क		वा
लं	प	ट		ना	क	क	ट	ना
बी		प				ड़ी		प
	अ	ट	प	टा			शा	न
स	ह		यो			र	ति	
ह	म		द	र	ब	द	र	
म	क	र		सी	ल			
त		क्षा		द	वा	खा	ना	

सोनिया पर शिवराज का तंज, 'मैं देर करता नहीं, देर हो जाती है...'

कांग्रेस उठाएगी घर लौट रहे मजदूरों के टिकट का खर्चा

शिवराज ने फिल्मी गीत के जरिए सोनिया पर कसा तंज

शिवराज ने कांग्रेस पर राजनीति करने का लगाया आरोप

कमलनाथ ने सोनिया गांधी के निर्णय का किया स्वागत

नव प्रदेश संवाददाता

भोपाल। कांग्रेस की अंतरिम अध्यक्ष सोनिया गांधी ने घर लौट रहे प्रवासी मजदूरों के लिए बड़ी घोषणा की है। उन्होंने कहा है कि कांग्रेस पार्टी घर लौटने वाले प्रवासी मजदूरों के रेल टिकट का खर्चा उठाएगी। सोनिया के इस ऐलान के बाद बीजेपी हमलावर है। मध्यप्रदेश के सीएम शिवराज सिंह चौहान ने भी सोनिया गांधी पर तंज कसा है। शिवराज सिंह चौहान ने ट्वीट कर लिखा कि

अब लगे हाथ ये भी बता दीजिए कि कांग्रेस शासित किन राज्यों ने यह खर्च उठाया? कुछ समाचार चैनल तो ये भी बता रहे हैं कि महाराष्ट्र समेत कई कांग्रेस शासित राज्यों ने किसी भी तरह का खर्च उठाने से मना कर दिया है?

एमपी सीएम शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि मुझे इस बात का दुख है कि प्रजा जब दुखी होती है, तो आपकी राजनीति शुरू हो जाती है और इस बात का सुख है कि हमारी नीति उनके सुख के लिए होती है...हम उनके जैसा सोचते हैं क्योंकि हम उनमें से एक हैं, उनके बराबर खड़े रहते हैं, महल में रहकर उनके साथ खड़े होने का दिखावा नहीं करते।

फिल्मी गाने के जरिए तंज

शिवराज ने फिल्म गाने के जरिए सोनिया गांधी पर तंज कसते हुए कहा कि ऋषि कपूर साहब की एक फिल्म में गाना था जो मुझे याद आ रहा है, मैं देर करता नहीं, देर हो जाती है... ये सटीक बैठता है कांग्रेस के नेता सोनिया गांधी और राहुल गांधी पर। वो विज्ञप्ति जारी कर कह रहे हैं कि कांग्रेस, श्रमिकों की आवाजाही का खर्च वहन करेगी।

कमलनाथ ने किया स्वागत

वहीं, पूर्व सीएम कमलनाथ ने सोनिया गांधी के फैसले का स्वागत किया है। उन्होंने कहा कि मजदूरों के रेल और बस का किराया कांग्रेस पार्टी उठाएगी। मैं कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी के फैसले का स्वागत करता हूं। कमलनाथ मध्यप्रदेश कांग्रेस के अध्यक्ष भी हैं।

■ न्यूज गैलरी

पन्ना टाइगर रिजर्व के गहरीघाट में बाघिन के बाघ शावक की मृत्यु

सतना/ नवप्रदेश। पन्ना टाइगर रिजर्व के गहरीघाट परिक्षेत्र के बीट कोणी कक्ष क्रमांक 510 में स्टाफ द्वारा नियमित गश्ती के दौरान बाघ शावक का शव पाया गया जिसकी उम्र लगभग 15 माह है । यह बाघ शावक उपलब्ध बाघिन पि-213(32) के पहले लिटर का बच्चा है सुचना प्राप्त होते ही मोके पर पहुंचकर मौका निरिक्षण किया गया । शावक की मृत्यु 05-06 दिन पूर्व होना प्रतीत हुआ । मृत बाघ शावक का पोस्ट मार्टम वन्यप्राणी चिकित्सक डॉ संजीव कुमार गुप्ता द्वारा किया गया एकत्रित किये गए । मौके बाघ संरक्षण प्राधिकरण के प्रतिनिधि के रूप में इंद्रभान सिंह बुंदेला , जिला संवयक लास्ट वाइल्डरनेस फॉउंडेशन उपस्थित रहे । मृत बाघ के कंकाल के पोस्ट मार्टम उपरांत क्षेत्र संचालक पन्ना टाइगर रिजर्व , उप संचालक , पन्ना टाइगर रिजर्व वन्यप्राणी चिकित्सक एवं अन्य अधिकारी व स्टाफ की उपस्थिति शावक का डाह संस्कार किया गया

सतना के पहले कोरोना पॉजिटिव मरीज की मौत

सतना/नवप्रदेश। सतना से इलाज के लिए मेडिकल कालेज रीवा भेजे गए कोरोना पॉजिटिव मरीज की मौत हो गई,65 वर्षीय कोरोना संक्रमित सतना के खम्हरिया गांव का था मूल निवासी जिसे तीन दिनों पहले सतना जिला अस्पताल में इलाज के लिए भर्ती कराया गया था,जिसकी आज कोरोना पॉजिटिव रिपोर्ट आने के बाद प्रशासन ने इलाज के लिए रीवा भेजा था लेकिन मेडिकल कॉलेज में मौत हो गई। सतना जिला प्रशासन ने इस कोरोना पॉजिटिव के सभी कांटैक्ट को कोरन्टइन करने दिया है और सभी के सैम्पल जांच के लिए भेजे है, मृतक की मौत की मुख्य वजह मल्टी ऑर्गन इन्फेक्शन था ।

वार्ड 25 में किया रसोई घर का शुभारंभ

भोपाल। पूर्व मंत्री और क्षेत्रीय विधायक ने लॉक डाउन-3 में हर गरीब के मुंह में निवाला पहुंचे इसके लिए वार्ड 25 में रसोई घर का शुभारंभ किया । मतीन खान और मो. अख्तर खान द्वारा संचलित इस किचन में प्रतिदिन 800 लोगों का भोजन तैयार होगा इसके बाद कांग्रेस कार्यकर्ता मोहल्लों में जाकर खाने के पैकेट का वितरण करेंगे।

रेल किराए की घटिया चाल चलकर मजदूरों को मौत में ले जाना चाहती है सोनिया

सोनिया को इटली की बर्बादी और भारत की कामयाबी दोनों रास नहीं आ रहे : शर्मा

नव प्रदेश संवाददाता

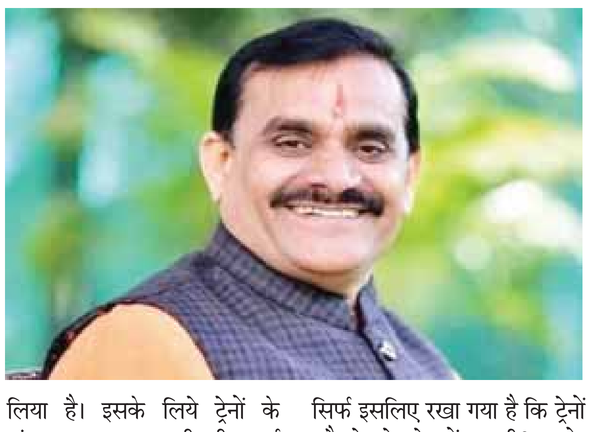

भोपाल। कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी को न तो कोरोना महामारी को रोकने में भारत की कामयाबी रास आ रही है और न ही उन्हें इस मामले में इटली की बर्बादी सहन हो रही है। इसीलिए वे ट्रेन किराए के मुद्दे पर जानबूझकर देश में यहां-वहां फंसे मजदूरों को भ्रमित करके, भड़का कर इन मजदूरों के साथ देश के कोने-कोने में कोरोना वायरस को फैलाना चाहती हैं ताकि भारत की सरकार असफल साबित हो जाए और देश का नाम उन देशों की सूची में शामिल हो जाए, जो कोरोना महामारी से पूरी तरह बर्बाद हो चुके हैं। यह बात भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष व सांसद श्री विष्णुदत्त शर्मा ने श्रमिकों के रेल किराए के संबंध में सोनिया गांधी द्वारा दिये गए वक्तव्य पर रोष प्रकट करते हुए कही। शर्मा ने कहा कि केंद्र सरकार ने स्पेशल ट्रेन चलाने का फैसला प्रवासी मजदूरों की आवश्यकताओं और उनकी भावनाओं को ध्यान में रखकर ही लिया है। इसके लिये ट्रेनों के संचालन का 85 फीसदी खर्च केंद्र सरकार उठा रही है, जिसमें ट्रेनों के संचालन, मेडिकल सुविधाओं, वापसी आदि का खर्च शामिल है। बाकी 15 फीसदी खर्च राज्य सरकारों को उठाना है और राज्य सरकार तथा रेलवे ही मिलकर यह तय करेंगे कि ट्रेन कहां तक जाएगी और कौन-कौन मजदूर उसमें जाएंगे। श्री शर्मा ने कहा कि जहां तक मामूली टिकट का सवाल है, तो इसका प्रावधान केंद्र सरकार या रेलवे ने मजदूरों से पैसा वसूलने या कमाई के लिए नहीं किया है, बल्कि यह प्रावधान सिर्फ इसलिए रखा गया है कि ट्रेनों और रेलवे स्टेशनों पर भी? न हो, यात्रियों की संख्या को नियंत्रित किया जा सके तथा यात्रा के दौरान हर जगह पर सोशल डिस्टेंसिंग बनी रहे। दुर्भाग्य से रेल किराया देने की घोषणा करने वाली सोनिया गांधी इस बात को लेकर भी देश में अंधेरे में रखना चाहती है कि राजस्थान और महाराष्ट्र में उनकी सरकारों ने रेल किराया देने की घोषणा नहीं की है, जबकि मध्यप्रदेश की भाजपा सरकार ने इसके आदेश जारी करके स्पष्ट प्रावधान कर दिए है। लेकिन श्रमिकों को भड़काकर कांग्रेस यह चाहती है कि हर जगह भीड़ और अव्यवस्था हो, घर जा रहे प्रवासी मजदूर एक दूसरे को संक्रमित करें और अपने साथ देश के हर गांव में, हर घर में कोरोना वायरस लेकर जाएं।

बर्दाश्त नहीं हो रही भारत और मोदी जी की सफलता

शर्मा ने कहा कि कोरोना महामारी को रोकने में देश के विजनरी प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश ने जो सफलता हासिल की है, उसका लोहा दुनिया के विकसित देश भी मान रहे हैं। लेकिन भारत और मोदी जी की यह सफलता कांग्रेस और उसकी नेता सोनिया जी को बर्दाश्त नहीं हो रही है। इसलिए अब उनकी कोशिश है कि भारत में किसी भी तरह कोरोना महामारी को बेकाबू किया जाए, गांव-गांव तक संक्रमण फैलाया जाए। मजदूरों के रेल किराए पर कांग्रेस जो राननीति कर रही है, वह उनकी इसी योजना का हिस्सा है।

तब्लीगियों का अधूरा काम पूरा करना चाहती है कांग्रेस

शर्मा ने कहा कि इतिहास गवाह है, कांग्रेस ने कभी भी देश की जमीनी सच्चाई को देखकर कोई फैसला नहीं किया। कांग्रेस के लिए हमेशा अपना राजनीतिक स्वार्थ महत्वपूर्ण रहा है, चाहे इसके लिए देश को कितनी भी बड़ी कीमत चुकानी पड़े। श्री शर्मा ने कहा कि कांग्रेस को सिर्फ राजनीति की फिक्र है। उसे न गांवों की फिक्र है, न गरीबों की और न ही देश की। प्रवासी श्रमिकों को भड़काकर, देश में अव्यवस्था फैलाकर कांग्रेस सिर्फ अपनी स्वार्थसिद्धि चाहती है। श्री शर्मा ने कहा कि देश के ज्यादातर शहरों में कोरोना वायरस फैलाकर तब्लीगी जमातियों ने जो काम किया है, कांग्रेस अब प्रवासी श्रमिकों के जरिए देश के गांव-गांव तक कोरोना फैलाकर जमातियों के अधूरे काम को ही पूरा करना चाहती है।

मनरेगा में मिला सवा 11 लाख से अधिक श्रमिकों को काम

नव प्रदेश संवाददाता

भोपाल। कोविड-19 के आकस्मिक हमले से प्रदेश के उस तबके के सामने बड़ा संकट खड़ा हो गया था, जो रोज कमाता और खाता है। मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान के नेतृत्व में 23 मार्च 2020 को नई सरकार के गठन के साथ ही सरकार ने कोरोना से मुक्ति और जरूरतमंद हाथों को काम देने के प्रयास तेजी से प्रारंभ किए। महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी स्कीम (म.प्र.) रोजगार संकट के इस दौर में वरदान सिद्ध हुई है। प्रदेश में पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग द्वारा 20 अप्रैल से कोरोना संक्रमित क्षेत्रों को छोड़कर शेष ग्राम पंचायतों में मनरेगा की रोजगार मूलक गतिविधियाँ की गई, जिनमें अब 22 हजार 70 ग्राम पंचायतों में एक लाख 25 हजार 61 कार्य शुरू हो गये हैं। इनमें 11 लाख 25 हजार 893 श्रमिकों को प्रतिदिन रोजगार मिलने लगा है और यह क्रम लगातार जारी है।

23 हजार महिलाएँ कर रही हैं मास्क निर्माण का कार्य

प्रदेश के शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में होम मेड मास्क निर्माण की प्रक्रिया से महिलाओं को घर बैठे रोजगार प्राप्त हो रहा है। ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार मुहैया कराने में म.प्र. ग्रामीण आजीविका मिशन की भी महत्वपूर्ण भूमिका रही है। स्व-सहायता समूहों की महिलाओं को होम-मेड मास्क, सेनेटाइजर, पी.पी.टी. किट, हैंड सोप बनाने जैसी गतिविधियों से जोड़ने का अभिनव प्रयोग मध्यप्रदेश में किया गया। प्रदेश में लगभग 5 हजार स्व-सहायता समूहों के 13 हजार महिला सदस्यों द्वारा 7 लाख से अधिक मास्क, 58 हजार लीटर से अधिक सेनेटाइजर, 9 हजार लीटर हैंड वॉश और लगभग डेढ लाख साबून का उत्पादन किया गया है। इसी प्रकार, शहरी क्षेत्रों में जीवन-शक्ति योजना के माध्यम से शहरी महिलाओं को भी मास्क निर्माण के कार्य से जोड़ा गया है। योजना के अंतर्गत 10 हजार से अधिक महिलाओं ने ऑनलाइन पंजीयन कर उत्पादन का कार्य प्रारंभ किया है। इन उत्पादों को राज्य सरकार द्वारा मार्केट में उपलब्ध कराया गया है।

आपदा प्रबंधन समूह की बैठके महज रस्म अदायगी : चौधरी

भोपाल। कोरोना वायरस संक्रमण व लॉक डाउन के चलते मध्यप्रदेश शासन के खाद्य एवं सहकारिता मंत्री श्री गोविन्द सिंह राजपूत की अध्यक्षता में आयोजित हुई आपदा प्रबंध समूह की बैठक को मध्यप्रदेश काँग्रेस कमेटी के कार्यकारी अध्यक्ष एवं पूर्व मंत्री श्री सुरेन्द्र चौधरी ने महज रस्म अदायगी वताते हुए मंत्री श्री राजपूत से सवाल करते हुए कहा है कि पहले यह बताए कि आप पहले केंद्रीय मंत्री श्री प्रहलाद पटेल के साथ ,फिर पूर्व गृहमंत्री विधायक श्री भूपेंद्र सिंह व सांसद श्री राजबहादुर सिंह के साथ,भोपाल में मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह के साथ तथा भोपाल में स्वयं के द्वारा विभागीय अधिकारी के साथ वीडियो कांफ्रेंस के माध्यम से की गई समीक्षा बैठक और गत शनिवार को सागर में संभाग स्तरीय बैठक

मानसरोवर आयुर्वेदिक मेडिकल कॉलेज एवं आरोग्यभारती के संयुक्त तत्वावधान में वेबिनार का सफल आयोजन

नव प्रदेश संवाददाता

भोपाल। आरोग्य भारती (मध्य भारत) , मानसरोवर आयुर्वेदिक मेडिकल कॉलेज एवं श्री साई इंस्टिट्यूट ऑफ आयुर्वेदिक रिसर्च एंड मेडिसिन ,भोपाल के संयुक्त तत्वावधान में आयुर्वेद क्षेत्र के पहले वेबिनार का सफल आयोजन किया गया , जिसमें देश के विभिन्न आयुर्वेदविदों ने COVID -19 में उक्त विषय पर अपने विचार रखे ।। वेबिनार का शुभारम्भ में राष्ट्रसंत आचार्य श्रीविद्यासागर जी महाराज के विडिओ सन्देश का प्रसारण किया गया । आचार्यश्री ने अपने आशीष वचनों में उल्लेख किया कि मंत्र और यन्त्र दोनों पहले भी थे ,वो आज भी हैं बस विश्वास की कमी

है । हमें शास्त्रों एवं धर्म पर विश्वास करना नहीं छोड़ना है । इस देश को वैश्विक महामारी के भय से बचाने हेतु सकारात्मक वातावरण बनाने की आवश्यकता है । तत्पश्चात केंद्रीय आयुष मंत्री माननीय श्रीपाद यस्सो नायक जी ने अपने उद्घाटन सम्बोधन में देश के यशस्वी प्रधानमंत्री जी के आह्वान पर एवं आयुष विभाग के शोध एवं चिकित्सा में आयुर्वेदिक चिकित्सकों के सलाह से मनुष्य की रोग प्रतिरोधक क्षमता बढाने के लिए आयुष विभाग के दिशानिर्देश को प्रतिदिन प्रयोग करने की सलाह दी ,और बताया की कई राज्यों ने आयुष चिकित्सा के माध्यम से कोविड -19 के मरीजों का उपचार सुनिश्चित किया गया है । मध्य प्रदेश में माननीय मुख्यमंत्री जी द्वारा शुरू की गयी जीवन अमृत योजना के अंतर्गत आयुर्वेदिक त्रिकटु चूर्ण / आरोग्य काढ़ा जन - जन तक पहुँचाये जाने की योजना की सराहना की है। डायरेक्टर जनरल प्रो. के .एस .धीमान ने CCRAS के नेतृत्व में किये जा रहे कार्यो का विवरण देते हुए बताया कि माइल्ड और लक्षण विहीन केसेज में दिल्ली के विभिन्न संस्थानों में प्रयोग चल रहा है ।

राष्ट्रीय अटल सेना के राष्ट्रीय पदाधिकारियों की विडियों कांफ्रेंसिंग द्वारा बैठक हुई

शिवम यादव बने राष्ट्रीय अटल सेना मप्र के प्रदेश मीडिया प्रभारी

नव प्रदेश संवाददाता

भोपाल । राष्ट्रीय अटल सेना के राष्ट्रीय पदाधिकारियों की बैठक विडियों कांफ्रेंसिंग से हुई राष्ट्रीय सचिव एवं मध्यप्रदेश के प्रभारी सुनील तिवारी जी ने बताया कि वैश्विक महामारी कोराना से जूझ रही दुनिया में भारत के नागरिक अपने घरों में लाकडाउन का पालन कर रहे है तो संगठन भी अपनी भूमिका निभा रही है जँहा सेवा कार्य की जरूरत है वहाँ पदाधिकारी मौजूद है,और जब लॉक डाउन खुलेगा तब और ज्यादा सेवा कार्य की जरूरत पड़ेंगी वैसे समय में संगठन अपने दायित्व का निर्वहन करेगा। जिसमें मीडिया का भी अहम कार्य होगा इसलिए राष्ट्रीय अटल सेना के राष्ट्रीय नेतृत्व से चर्चा कर राष्ट्रीय अटल सेना मध्यप्रदेश का विस्तार करते हुए शिवम यादव जी के सराहनीय कार्य को देखते हुए उन्हें प्रदेश मीडिया प्रभारी पद पर नियुक्त किया गया इस नियुक्ति पर प्रमुख पदाधिकारियों ने बधाई दिया जिससे प्रमुख रूप से संगठन प्रमुख आर के रुद्र , रूपेश कुमार , सुनील तिवारी, श्रीकांत आचार्य, शैलेंद्र जोशी, पप्पू सिंह भूरिया, प्रमोद शर्मा,आशीष तिवारी,गोपाल पाटीदार, हिम्मत सिंह परिहार , मोतीलाल पाटीदार,एवं प्रदीप सिंह परमार,सन्तोष योगी,अनीश दुबे,सन्नी जावला, पुष्पेंद्र पाठक,लखन मेहरा,राजेश परमार,अंकुश तिवारी आदि ने शुभकामनाएं दी ।

सियासत | **कोरोना संकट से जूझ रहे एमपी में आरोप-प्रत्यारोप की सियासत**

सिंधिया का गुणगान, शिवराज ने कहा 'असली हीरो'

शिवराज ने कोरोना के विकराल रूप के लिए कांग्रेस की सरकार को ठहराया जिम्मेदार

कमलनाथ बोले- उपचुनाव के बाद नहीं रहेगी ये सरकार

शिवराज ने सिंधिया को बताया रियल हीरो

नव प्रदेश संवाददाता

भोपाल। कोरोना काल में एमपी में सियासत भी शुरू हो गई है। प्रदेश में कोरोना की भयावह स्थिति के

लिए सीएम शिवराज सिंह चौहान कांग्रेस को जिम्मेदार ठहरा रहे हैं। शिवराज के आरोपों पर कमलनाथ ने रविवार को जवाब देते हुए कहा था कि हमारी सरकार ने जरूरी कदम उठाए थे। साथ ही सरकार गिरने को लेकर भी चर्चा की थी। उसके कुछ घंटे बाद सीएम शिवराज सिंह चौहान ट्वीट कर सिंधिया और उनके समर्थकों का गुणगान किया। शिवराज ने पहले ट्वीट में लिखा कि सरकार बनाने और चलाने के लिए प्रजा हित को सर्वोपरि रखना पड़ता है। जो प्रदेश के मुखिया और प्रजा को छोड़ एक परिवार की पूजा में लिप्त रहते हैं,वो कभी जनता की सरकार नहीं बना सकते और गलती से कभी बना भी लें तो ज्यादा दिन चला नहीं सकते।

मैं सभी का सम्मान करता हूं

सीएम ने दूसरे ट्वीट में लिखा कि मैं मेरे उन सभी साथियों का भी सम्मान करता हूं, जिन्होंने कमलनाथ जी की स्वकेंद्रित बंटाधार सरकार को गिराने के लिए और प्रदेश की उन्नति के लिए अपनी-अपनी राजनीतिक कारकिर्दगी को दांव पे लगा दिया। सारे पदों को त्याग दिया। अति कठोर निर्णय लिए और उस पर अडिग रहे।

असली हीरो

शिवराज सिंह चौहान ने ज्योतिरादित्य सिंधिया की तारीफ में लिखा कि पिछली कांग्रेस सरकार ने त्राही-त्राही मचा दी थी। भ्रष्टाचार में लिप्त सरकार को उखाड़ फेंकने में मदद करने वाले ही असली लीडर, असली हीरो होते हैं। ज्योतिरादित्य सिंधिया जी ऐसे नेता हैं, जिन्होंने प्रदेश का हित सर्वोपरि रखा और भ्रष्ट सरकार से अपने साथियों से समेत किनारा किया। वहीं, पूर्व सीएम कमलनाथ ने रविवार को मीडिया से बात करते हुए था कि मुझे और दिग्विजय सिंह को भी इस बात का भरोसा नहीं था कि 22 पार्टी विधायक इस तरह प्रलोभन के चलते हमारा साथ छोड़ देंगे।

छिंदवाड़ा में फंसे उत्तरप्रदेश के निवासी वापस जाना चाहते हैं, हर एक परिवार की अपनी-अपनी मजबूरी

घूम घूमकर कर स्वरोजगार करने वाले महावत जाति के चटाई बनाने वाले परिवार, जो इन दिनों छिंदवाड़ा जिले के गांगीवाड़ा स्टेशन के मैदान में डेरा डाले हुए है

नव प्रदेश संवाददाता

भोपाल। कोरोना वायरस के प्रकोप को रोकने के उद्देश्य से देश में लागू लॉकडाउन के चलते उत्तरप्रदेश के बाराबंकी जिले के अनेक व्यक्ति मध्यप्रदेश के छिंदवाड़ा जिले में फसे हुए हैं, जो वापस अपने गृहराज्य जाने को बेताब हैं। छिंदवाड़ा के गांगीवाड़ा पंचायत मुख्यालय में उत्तरप्रदेश के बाराबंकी जिले के जैतपुर निवासी घुमंतु महावत जाति के सदस्य इन दिनों उनसे मिलने वाले हर व्यक्ति से यही गुहार लगा रहे हैं कि उन्हें किसी भी तरह अपने घर भिजवा दीजिए। हालाकि वे उनके लिए भोजन और दवा आदि लेकर आने वालों से यह भी कहते हैं कि उन्हें यहां भोजन पानी सब मिल रहा है, लेकिन अब वे अपने गृहराज्य जाना चाहते हैं। मूल रूप से उत्तरप्रदेश निवासी घूम घूमकर कर स्वरोजगार करने वाले महावत जाति के चटाई बनाने वाले परिवार, जो इन दिनों छिंदवाड़ा जिले के गांगीवाड़ा स्टेशन के मैदान में डेरा डाले हुए है, भी उनके लिए विशेष बस के द्वारा घर पहुंचाने की मांग कर रहे हैं। राज्य के अनेक हिस्सों में लॉकडाउन में फसे लोगों को विशेष ट्रेन या बस के जरिए वापस अपने गांव या गृहनगर भेजने की खबरों के बाद अब इन्हें भी उम्मीद है कि सरकारी मदद से वे भी अपने घरों को लौट सकेंगे। उत्तरप्रदेश के घुमंतु महावत जाति के नौ परिवारों के 52 सदस्यों का यह दल, जिसमें 33 बच्चे शामिल हैं।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक यशवंत धोटे द्वारा श्री बालाजी प्रिंटर्स प्लाट नंबर-3, नेशनल प्रेस एरिया, लिंक रोड नं-3 ,पत्रकार कॉलोनी के पास से मुद्रित कर, ई-2/237 अरेरा कालोनी भोपाल से प्रकाशित, प्रबंध संपादक डॉ. शिशिर उपाध्याय,
फोन नं : 0755-2465533, मो. 9039005699 (न्याय क्षेत्र भोपाल), MPHIN/2017/72749 email:navpradeshbhopal@gmail.com